



भारत का दावत

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

ता० ४२]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 17, 1987/आस्विना 25, 1909

No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1987/ASVINA 25, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संकलन दी जाती हैं जिससे कि यह अस्त्र संकलन के रूप में
ज्ञात जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—बाण ३—उप-बाण (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्त मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्विक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विधि और स्थाय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1987

सूचना

का. आ. 2814—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री महेन्द्र प्रसाद मिश्रा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आदेश इस बात के लिए दिया है कि उसे वाराणसी में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के बीच दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. का. 5 (52) /87-स्पा.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 24th September, 1987

NOTICE

S.O. 2814.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Mahendra Prasad Mishra, Advocate for appointment as a Notary to practise in Varanasi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(52) /87-Judl.]

सूचना

का. आ. 2815.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री श्यामा प्रसाद

में न, एडब्ल्यूएस ने उस प्रधिकारी को उस लियाय के नियम 4 के पांचों वारेन द्वय वाले के लिए लिया है कि उसे पांचवीं ब्राह्मण में अवगति वाटरी के रूप में नियमित किया जाए।

2. इस अधिकारी की नोटरी के रूप में नियमित पर किसी भी प्रकार का आवश्यक इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लियाने 65 में से भी पास भेजा जाए।

[सं. का. 5(40)/84-न्या०]
आर० एन० पोद्दार०, संकाम प्रधिकारी

NOTICE

S.O. 2815.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Syama Prasad Sen Advocate for appointment as a Notary to practise in W.B.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(40)/84-Judl.]
R. N. PODDAR, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(आन्तरिक सुरक्षा विभाग)

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1987

का. आ. 2816.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसके द्वारा गृह मंत्रालय, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वास प्रभाग में उप सचिव श्री कलदीप राय को उक्त अधिनियम के अधीन अथवा उसके द्वारा मंयुक्त मूल्य बंदोबस्तु आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का नियादन करने के लिए मंयुक्त मूल्य बंदोबस्तु आयुक्त नियुक्त करती है।

2. उसके द्वारा इस विभाग की दिनांक 17-7-1986 की अधिगूच्छना संख्या 1 (10) विणेप मैन/86 एस. एम. (ब) अनिकमण किया जाता है।

[संख्या 1 (8)/87विणेप मैल एस. एम. II-बी.]
एम.कॉ. कंसल, बन्दोबस्तु आयुक्त एवं पदेन अवग सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 14th September, 1987

S.O. 2816.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954) the Central Government hereby appoint Shri Kuldeep Rai, Deputy Secretary in the Ministry of Home Affairs, (Rehabilitation Division) as Joint Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Joint Chief Settlement Commissioner by or under the said Act.

2. This supersedes this Department's Notification No. 1(10)/Spl. Cell/86-SS-II(B) dated 17th July, 1986.

[No. 1(8)/Spl. Cell/87-SS-II(B)]

M. K. KANSAL, Settlement Commissioner and
Ex-officio Under Secy.

कार्मिक और सोक विभाग संबंधी प्रशिक्षण विभाग
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1987

आदेश

का. आ. 2817.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्नाटक राज्य में, हाई ग्राउण्ड्स पुलिस एंटेंडेन के अपराध मं. 405/87 के मामले की बाबत भारतीय दण्ड संक्रिया, 1960 (1960 का 45) की धारा 201 और धारा 302 के अधीन दण्डनीय अपराधों और उन्हीं अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के संबंध में या उनसे संसकृत प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और पड़ुयंदों के अन्वेषण के लिए, कर्नाटक सरकार की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण कर्नाटक राज्य पर करती है।

[संख्या 228/31/87 ए. बी. शी. (II)]

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi- the 21st September, 1987

ORDER

S.O. 2817.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of the State of Karnataka hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment in the whole of the State of Karnataka for the investigation of offences punishable under sections 201 and 3 of the Indian Penal Code (45 of 1860) and also attempts, abetments and conspiracies in relation to, or in connection with, the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the said facts, in regard to case in the Crime No. 405/87 of the Hill Grounds, Police Station, Bangalore, in the State of Karnataka.

[No. 228/31/87-APD.]

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1987

आदेश

का. आ. 2818.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गुप्तीचा मंदिर, पुनी जिला पुरी, उड़ीसा में गरुड़ की मूर्ति की चोरी से संबंधित पुरी नगर पुलिस थाना मामला मं. 330, तारीख नवम्बर, 1985 की बाबत भारतीय दण्ड संक्रिया (1985 का 45) की धारा 380 और धारा 457 के अधीन दण्डनीय अपराधों और वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध के संबंध में या उनके संसकृत प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और पड़ुयंदों के अन्वेषण के लिए, उड़ीसा सरका

की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस पुस्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण उड़ीसा राज्य पर करती है।

[संख्या 228/4/87-ए. वी. डी. (II)]

New Delhi, the 29th September, 1987

ORDER

S.O. 2818.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5, read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government, with the consent of the Government of Orissa, hereby extends the powers and jurisdiction of members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Orissa for the investigation of offences punishable under sections 380 and 457 of the Indian Penal Code (45 of 1860) and attempts, abetments and conspiracy in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of same transaction in regard to the Puri Town Police Station Case No. 330 dated the 4th November, 1985 in connection with the theft of Garuda Idol from the Gundicha Temple, Puri, Puri District, Orissa.

[No. 228/4/87-AVD.II]

नई दिल्ली 1 अक्टूबर, 1987

आदेश

का. आ. 2819.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य के मुजफ्फर नगर जिले के सिखेरा थाने में रजिस्ट्रीकूट राजकुमार सिंह बालियों अधिवक्ता की हत्या से संबंधित भारतीय खण्ड संहिता (1860 का 45) की धारा 302 के अधीन अपराध सं. 48, तारीख 25 जून 1987 और दंगा तथा पुलिस अधिकारियों और भटोडा ग्राम के ग्रामवासियों की प्रयत्नित हत्या के संबंध में उक्त संहिता की धारा 147, 148, 149, 307 के अधीन अपराध सं. 48-क, तारीख 25 जून, 1987 की बाबत उक्त संहिता की धारा 302, 147, 148, 149 और 307 के अधीन दण्डनीय अपराधों और उन्हीं अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए उक्त अपराधों और किसी अन्य अपराध के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और पड़यांसों के अन्वेषण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण उन्नर प्रदेश राज्य पर करती है।

[संख्या 228/22/87-ए. वी. डी. (II)]

जी. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 1st October, 1987

ORDER

S.O. 2819.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Uttar Pradesh hereby extends the powers and jurisdiction of the

members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh for the investigation of offences punishable under sections 302, 147, 148, 149 & 307 of the Indian Penal Code (45 of 1860) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offence committed in the course of the same transactions arising out of the same facts in regards to Crime No. 48, dated the 25th June, 1987, under section 302 of the said code in regard to murder of Raj Kumar Singh Balian, Advocate and Crime No. 48-A dated the 25th June, 1987 under sections 147, 148, 149, 307 of the said code in regard to rioting and attempted murder of police officials and villagers resident at village Bhatoda, registered at Police Station Sikhera, District Muzaffarnagar, in the State of Uttar Pradesh.

[No. 228/22/87-AVD. II]

G. SITARAMAN. Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

(आयकर)

का. आ. 2820.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 80-द की उप-धारा (1) के खण्ड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "नैशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन नि., नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए" 14% आरक्षित विमोचय एन. टी. पी. सी. बंधपद्धति 1986 द्वितीय श्रृंखला को विनिर्दिष्ट करती है।

बासाने के पूर्णांकन अथवा वितरण द्वारा इस प्रकार के बन्धपद्धतों के अन्तरण के मामले में उक्त खण्ड के अन्तर्गत लाभ तब स्वीकार्य होगा यदि अन्तरिती इस प्रकार के अन्तरण से 60 दिनों की अवधि के भीतर उक्त कार्पोरेशन को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित करें।

[सं. 7388/फा. सं. 178/19/87 (आ. क.-(नि. 1))]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 30th June, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 2820.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (1) of Section 80L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "14 per cent Secured Redeemable NTPC Bonds—1986—Second Series" issued by the National Thermal Power Corporation Limited, New Delhi for the purpose of the said clause.

Provided that the benefit under the said clause shall be admissible in the case of transfer of such bonds by endorsement or delivery, if the transferee informs the said Corporation by Registered Post within a period of sixty days of such transfer.

[No. 7388/F. No. 178/19/87-IT (A1)]

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1987

(आयकर)

का. आ. 2821.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग)

के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "श्रीरंगम श्रीमद् अन्नावनं पेरियाश्रामम् श्रीरंगम्" को कर निर्धारण वर्ष 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7482 (फा. सं. 197/109/87/आ.क. (नि-1))]

New Delhi, the 19th August, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 2821.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Srirangam Srimad Andavan Parigaram, Srirangam" for the purpose of the said clause for the assessment year 1988-89.

[No. 7482 (F. No. 197/109/87-IT(A1))]

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1987

(आयकर)

का. आ. 2822:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा (2) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ चक्रम कुलागरा शिवा टैम्पल त्रिपुनिथुरा को समस्त केरल राज्य में प्रसिद्ध सार्वजनिक पूजा स्थल के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं. 7496 (फा. सं. 176/81/86 आ.क. नि. 1)]

New Delhi, the 27th August, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 2822.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of Section 80G of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Chakkamkulangara Siva Temple, Tripunithura" as a place of public worship of renown throughout the State of Kerala.

[No. 7496 (F. No. 176/81/86-IT(A1))]

नई दिल्ली 31 अगस्त, 1987

(आयकर)

का. आ. 2823—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "श्री पद्मनाभास्वामी टैम्पल ट्रस्ट" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7497/फा. सं. 197/103/86-आ.क. (नि.-1)]

New Delhi, the 31st August, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 2823.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sree Padmanabhaswamy Temple Trust" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1988-89.

[No. 7497 (F. No. 197/103/86-IT(A1))]

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1987

(आयकर)

का. आ. 2824:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "श्री रमनाश्रामम् तिरुवन्नामलाई" को कर निर्धारण वर्ष 1987-88 से 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7504 (फा. सं. 1977/129/86/आ.क. (नि.-1)]

रोशन सहाय, अवर सचिव

New Delhi, the 7th September, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 2824.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Ramanasramam, Tiruvannamalai" for the purpose of the said clause for the assessment years 1987-88 and 1988-89.

[No. 7504 (F. No. 197/129/86-IT(A1))]

ROSHAN SAHAY, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1987

(आयकर)

का. आ. 2825:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "श्री धर्म संस्था उत्सवम ट्रस्ट तटामंगलम्" को कर निर्धारण वर्ष 1987-88 से 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7486/फा. सं. 197/45/86-आ.क. (नि. 1)]

बलोप सिंह, विषेष कार्य अधिकारी

New Delhi, the 21st August, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 2825.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Dharma Santha Utsavam Trust, Tattamangalam" for the purpose of the said clause for the assessment years 1987-88 and 1988-89.

[No. 7486/F. No. 197/45/86-IT(A1)]

DALIP SINGH, Officer on Spl. Duty

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1987

(आयकर)

का. आ. 2826:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में तथा भारत सरकार राजस्व विभाग की विनाय 10-5-1986 को अधिसूचना सं. 6708 (फा. सं. 398/10/86-आ.क. (ब०)) का अधिलंपन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम के अन्वयत केन्द्रीय सरकार के राजपत्रि अधिकारी श्री रमेश चन्द्र गुप्ता को कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्राप्तिकृत करती है।

2. पहले अधिसूचना श्री रमेश चन्द्र गुप्ता कर बसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहरण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 7407/फा. सं. 398/9/87-आ.क. (ब०)]

New Delhi, the 6th July, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 2826.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 6708 [F. No. 398/10/86-IT(B)] dt. the 19-5-1986, the Central Government hereby

authorises Shri Ramesh Chandra Gupta, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Ramesh Chandra Gupta takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 7407/F. No. 398/9/87-IT(B)]

का० आ० 2827.—अ.यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, नीचे स्तम्भ 4 में उल्लिखित अधिसूचनाओं का अधिनियम करते हुए स्तम्भ 3 में उल्लिखित कर वसूली अधिकारियों के स्थान पर स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारियों का प्रयोग करते हेतु प्राधिकृत करती है।

कम उन व्यक्तियों के नाम जिन्हें कर वसूली अधिकारियों की उन कर वसूली अधिकारियों के नाम जिनके उस पुरानी अधिसूचना, की संख्या और सं० एकियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत किया जाना है। स्थान पर स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों तारीख जिसका अधिनियम किया जाना है। को प्राधिकृत किया जाना है।

1	2	3	4
1. श्री आर० पी० सिंह	श्री के० के० कुमार	6247 दिनांक 7-6-1985 (फा० सं० 398/17/85-आ०क०ब०)	
2 श्री जैड० एस० गुप्ता	श्री प्र० सी० सभरवाल	6503 दिनांक 25-11-85 (फा० सं० 398/17/85-आ०क०ब०)	

यह अधिसूचना तकाल लागू होगी तथा जहाँ तक स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों का संबंध है, कर वसूली अधिकारी के रूप में उनके कार्यभार मम्मालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 7405 / फा० सं० 398/22/87-आ० क०(ब)]

S.O. 2827 :—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises the persons mentioned below column 32, being the Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below in column 3 in supersession of the Notification mentioned below in column 4 :—

Sl. No.	Name of the persons to be authorised to exercise powers of Tax Recovery Officers.	Name of Tax Recovery Officers in place of whom the persons mentioned in columns 2 to be authorised.	Old Notification No. and date to be superseded.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri R.P. Singh	Shri K.L. Kumar	6247 dt. 7-6-1985 [F. No. 398/17/85-IT(B)]
2.	Shri Z.S. Gupta	Shri S.C. Sabharwal	6503 dt. 25-11-1985 [F. No. 398/17/85-IT(B)]

2. This Notification shall come into force with immediate effect and in so far as persons mentioned in column 2 from the date they take over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 7405/F. No. 398/22/87-IT(B)]

मई विल्सो, 13 जुलाई, 1987

New Delhi, the 13th July, 1987

का० आ० 2828 :—ग्राम्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के अनुसरण में तथा भारत सरकार राजस्व विभाग की दिनांक 8-4-1986 की अधिसूचना सं० 6645 (फा० सं० 398/3/86-आ०क०ब०) का, अधिनियम करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी श्री बी० एन० सोनार को कर वसूली अधिकारी की अधिकारियों का प्रयोग करते हेतु प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बी० एन० सोनार द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार शहर करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 7419 / फा० सं० 398/3/87-आ०क०(ब)]

S.O. 2828.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 6645 (F. No. 398/3/86-IT(B) dated the 8-4-1986, the Central Government hereby authorises Shri B. N. Sonar, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. N. Sonar, takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 7419/F. No. 398/23/87-IT(B)]

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1987

आयकर

का. आ. 2829.—आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 193 के परन्तुक की धारा (ii ख) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई द्वारा जारी किए गए "11%—भा. ओ. वि. बै. बंधपत्र 2002 (45 वीं श्रृंखला)" को निर्दिष्ट करती हैः—

बशर्ते कि उक्त उपबंध के अन्तर्गत ऐसे बंधपत्रों के पृष्ठांकन अथवा वितरण के मामले में लाभ तभी अनुमत्य होगा यदि अन्तरिती ऐसे अन्तरण के 60 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक को इस आशय की सूचना रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजेगा।

[म. 7557/फा सं. 275/98/87-आ०क० (ब०)]

बा० नागराजन, निदेशक

मई दिल्ली, 17 अगस्त, 1987

का० आ० 2830:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (14) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे स्तम्भ 4 में उल्लिखित व्यक्तियों का अधिरक्षण अंशिक संशोधन करते हुए स्तम्भ 3 में उल्लिखित कर वसूली अधिकारियों के स्थान पर स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रिय अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारियों की व्यक्तियों का प्रयोग करते के लिए प्राधिकृत करती हैः—

अपने उन व्यक्तियों के नाम जिन्हें कर वसूली उन कर वसूली अधिकारियों के नाम उम पुरानी अधिसूचना को सं० और वह तारीख जिससे स्तम्भ 2 में सं० अधिकारियों की व्यक्तियों का प्रयोग जिनके स्थान पर स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों को अधिरक्षण/अंशिक उल्लिखित व्यक्तियों ने कर वसूली अधिकारियों के रूप में कार्यभार करते हेतु प्राधिकृत किया जाना है। जित व्यक्तियों को प्राधिकृत किया संशोधन किया जाना है। अधिकारियों के रूप में कार्यभार प्रहृण किया है।

1	2	3	4	5
1. श्री एस० एम० अजबानी	बा० एत० परमार	6486 विनांक 4-9-85 (398/24/85-आ०क०ब०)		1-7-87
2. श्री पी० सी० पंचोली	एम०एन० कुरेशी	5927 विनांक 7-4-84 (398/6/84-आ०क०ब०)		16-7-87

2. यह अधिसूचना तत्काल सागृ होगी, तथा जहां तक स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों का संबंध है स्तम्भ 5 में वी गद्द तारीखों से बाहू होगी।

[म. 7475/फा सं. 398/11/87-आ० क० (ब०)]

New Delhi, the 17th August, 1987

S.O. 2831:—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises the persons mentioned below in column 2, being the Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below in column 3 in supersession/ partial modification of the Notifications mentioned below in column 4 :

Sl. No.	Name of the persons to be authorised to exercise powers of Tax Recovery Officers	Name of Tax Recovery Officers in place of whom the persons mentioned in Col. 2 are to be authorised.	Old Notification No. & date to be superseded/partially modified.	Dates from which persons mentioned in Col. 2 have assumed charge as T.R.Os.
1.	S.M. Ajbani	S/Shri V.N. Parmir	6406 dt. 4-9-85 (398/24/85-IT(B)	1-7-85
2.	P.C. Pancholi	M.N. Qureshi	5927 dt. 7-8-84 (398/6/84-IT(B)	16-7-87

2. This notification shall come into force with immediate effect and in so far as persons mentioned in column 2 from the dates indicated in column 5.

[No. 74751/F. No. 398/11/87-IT(B)]

मई विली, 26 अगस्त, 1987

आयकर

New Delhi, the 26th August, 1987

INCOME-TAX

का० आ० 2831—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में और भारत सरकार राजस्व विभाग की दिनांक 31-10-1985 की अधिकूचना सं० 6483 [का० सं० 398/1/85-आ०क०(ब०)] में आंशिक संशोधन करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के राजपत्रिन अधिकारी श्री हरभजन सिंह को श्री धर्मपाल के स्थान पर कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री हरभजन सिंह द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख 14-7-1987 से लागू होगी।

[सं० 7492/का०सं० 398/27/87-आ०क०(ब०)]

नई विली, 1 सितम्बर, 1987

S.O. 2831—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), and in partial modification of Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 6483 (F. No. 398/1/85-IT(B) dated the 31-10-1985, the Central Government hereby authorises Shri Harbhajan Singh being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act in place of Shri Dharam Paul.

2. This notification shall be affective from 14-7-87 the date on which Shri Harbhajan Singh took over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 7492/F. No. 398/27/87-IT(B)]

का० आ० 2832—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा नीचे स्तम्भ 4 में उल्लिखित अधिकारियों का अधिनियम/आंशिक संशोधन करते हुए स्तम्भ 3 में उल्लिखित कर वसूली अधिकारियों के स्थान पर स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रिन अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है—

कहम उन व्यक्तियों के नाम जिन्हें कर वसूली उन कर वसूली अधिकारियों के नाम उम पुरासी अधिसूचना की संज्ञा वह तारीख जिससे स्तम्भ में सं० अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग जिनके स्तम्भ पर स्थान 2 में उल्लिखित व्यक्तियों ने कर वसूली अधिकारियों के नाम जिसका अधिनियम/उल्लिखित व्यक्तियों ने कर वसूली अधिकारियों के स्थान पर ग्रहण किया जाना है। अधिकारियों के रूप में कार्यभार ग्रहण किया जाता है।

1	2	3	4	5
संत्री/धीरी	संत्री/धीरी			
1. टी० जी० डेसाई	एस० जे० त्रिवेदी	5927 दिनांक 7-8-84 [का० सं० 398/6/84-आ०क०(ब०)]		1-1-86
2. एम० गोपालन	ए० एच० परमार	6052 दिनांक 26-11-84 सं० 398/30/84-आ०क०(ब०)		31-7-87
3. एस० पी० पटेल	एफ० एस० परमार	6031 दिनांक 12-11-84 [का० सं० 398/32/84-आ०क०(ब०)]		31-7-86

2. यह अधिसूचना तकाल लागू होगी तथा जहाँ तक स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों का संबंध है, स्तम्भ 5 में वो गई तारीखों से। होगी।

[सं० 7498/का०सं० 398/11/87-आ०क०(ब०)]

श्री ई० अलेक्जेंडर, अवर मंत्री

New Delhi, the 1st September, 1987

S.O. 2332—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of the Income-tax Act, 1961 the Central Government hereby authorises the persons mentioned below column 2, being the Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below in column 3 in supersession partial modification of the Notification mentioned below in column 4.

Sl. No.	Name of the persons to be authorised to exercise powers of Tax Recovery Officers.	Name of Tax Recovery Officer in place of whom the persons mentioned in column 2 are to be authorised.	Old Notification no. and date to be superseded/partially modified.	The dates from which the persons mentioned in col. 2 have assumed the charge as TRO.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. T.G. Desai	S.J. Trivedi	5927 dt. 7-8-84 [F. No. 398/6/84-IT(B)]		1-1-86
2. M. Gopalan	A.H. Parmar	6052 dt. 26-11-84 [F. No. 398/30/84-IT(B)]		31-7-86
3. S.P. Patel	F.S. Parmar	6031 dt. 12-11-84 [F. No. 398/32/84-IT(B)]		31-7-86

2. This Notification shall come into force with immediate effect and in so far as persons mentioned in column 2 from the dates indicated in column 5.

[No. 7498/F. No. 398/11/87-IT(B)]
B.E. ALEXANDER, Under Secy

ई. दिल्ली, 25 सितम्बर, 1987

भावेश

स्टाम्प

Act shall not apply to the Meppayur Co-operative Urban Bank Ltd., Meppayur for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 30th June, 1988.

[F. No. 8-1/87-AC]

K. P. PANDIAN, Under Secy.

समाहृतालिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्यप्रदेश

इन्दौर, 24 सितम्बर, 1987

अधिसूचना संख्या 17/1987

का. आ. 2835:—समाहृतालिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, इन्दौर के श्री सुरजित भिंग, प्रशासनिक अधिकारी समूह “ब” निवार्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-5-87 के अपराह्न में शासकीय सेवा से निवृत हो गए।

[पा. सं. II (3) 9-गोप/87]

एन. राजा, समाहृता

New Delhi, the 25th September, 1987

ORDER

STAMPS

S.O. 2833.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the National Engineering Industries, Limited, Calcutta to pay consolidated stamp duty of rupees three lakhs and forty five thousand only, chargeable on account of the stamp duty on 15 per cent No.1 Convertible Secured Debenture (II Series) of the face value of rupees four crores and sixty lakhs only to be issued by the said Company.

[No. 39/87-Stamp/F. No. 33/45/87-ST]

B. R. MEHMI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1987

का. आ. 2834—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्भारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के प्रावधान में प्यायुर कोआपरेटिव अर्बन बैंक मर्यादित, में प्यायुर (केरल) पर हस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून, 1988 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होंगे।

[संख्या एफ. 8-1/87 ए-सी.]

के. पी. पाठ्यिन, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 23rd September, 1987

S.O. 2834.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Sub-section (1) of Section 11 of the said

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M.P.

Indore, the 24th September, 1987

NOTIFICATION NO. 17/87

S.O. 2835.—Shri Surjit Singh, Administrative Officer, Central Excise Group 'B' of Indore Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government Service on 31st May, 1987 in the afternoon.

[C. No. II(3)9-Con/87]

N. RAJA, Collector

वाणिज्य मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1987

का. आ. 2836:—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोग के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम-10 के उपयिम (4) के अनुसार में राष्ट्रीय परीक्षण शास्त्र, कलकाता को अधिसूचित करती है, जहाँ 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

[म. ई. 11012/1/87-हिन्दी]

ज्ञान प्रकाश कालड़ा, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Supply)

New Delhi, the 24th September, 1987

S.O. 2836.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official purposes of the Union), Rules, 1976, the Central Government hereby notifies National Test House, Calcutta whereof 80 per cent of the staff have acquired working knowledge of Hindi.

[No. F-11012/187-Hindi]

G. P. KALRA, Director

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1987

का० आ० 2837 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धार्गक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की मूल्यना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक मं. सी—1(ई)/III/एफ आर/ 395—0687, तारीख 23-6-87 का निरीक्षण वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व विभाग), कोयला एस्टेट, मिविल लाइन्स, नागपुर—440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कलेक्टर, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक—1, कार्डिसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्विष्ट सभी नक्शों, आटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नव्वे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, कोयला एस्टेट, मिविल लाइन्स, नागपुर—440001 (महाराष्ट्र) को भेजेंगे।

अनुसूची

घटरोहना ब्लाक

नागपुर क्षेत्र

जिला—नागपुर (महाराष्ट्र)

क्र. सं.	ग्राम का नाम	पटवारी संकेत सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1.	जुनी कंपी	13	परसेवनी	नागपुर	161.87	भाग
2.	घटरोहना	12	परसेवनी	नागपुर	80.94	भाग
				कुल क्षेत्र या	242.81	हैक्टर (लगभग)
					600.00	एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

क—ख—ग—घ—ड

रेखा कन्हन नदी के तट से आरम्भ होती है और ग्राम घटरोहना से गुजरती है फिर ग्राम जुनी कंपी और घटरोहना की सामान्य ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

ज—च—छ—ज

रेखा ग्राम जुनी कंपी से गुजरती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।

ज—क

रेखा कन्हन नदी के तट से साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/14/87-सी. ए.]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 24th September, 1987

S.O. 2837.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The Plan bearing No. C-1(E)/III/FR/395-0687 dated 23-6-1987 of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 (Maharashtra) or at the Office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or at the Office of the Coal Controller-1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered, by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

Ghatrohna Block

Nagpur Area

DISTRICT—NAGPUR (MAHARASHTRA)

Serial Number	Name of Village	Patwari Circle Number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1. Juni Kamptee		13	Parseoni	Nagpur	161.87	Part
2. Ghatrohna		12	Parseoni	Nagpur	80.94	Part
			Total Area =		242.81 Hectares (approximately)	
			or			
			600.00 Acre (approximately)			

BOUNDARY DESCRIPTION

- A-B-C-D-E ... Line starts from the bank of Kanhan River and passes through village Ghatrohna, then proceeds along the common Village boundary of Villages Juni, Kamptee and Ghatrohna and meets at point 'E'.
- E-F-G-H ... Line passes through Village Juni, Kamptee and meets at point 'H'.
- H-A ... Line passes along the bank of Kanhan River and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/14/87-CA]

का. आ. 2838 :—केन्द्रीय सरकार, कोपला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्देश देता है कि उन सभी या किन्हीं शक्तियों या कर्तव्यों का, जिनका उक्त अधिनियम की ऐसी धारा के अधीन उक्त सरकार द्वारा प्रयोग या उनका निर्वहन किया जा सकेगा और जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तरम् (2) में विरिदिष्ट है, उक्त अनुसूची के स्तरम् (4) में की तत्स्थानी प्रतिष्ठि के सामने विरिदिष्ट व्यक्तियों द्वारा भी प्रयोग या निर्वहन किया जाएगा;

परन्तु यह कि उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग और निर्वहन केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के अधीन रहते हुए किया जाएगा और उक्त अधिनियम की धारा 21 के अधीन शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग और निर्वहन उन अधिकारियों द्वारा, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में विरिदिष्ट है, ऐसी परिस्थितियों में और ऐसी शर्तों के, यदि कोई हों, अधीन किया जाएगा, जो लिखित रूप में केन्द्रीय राजकार के पूर्व अनुमोदन से आदेश द्वारा, प्रदूष निदेशक या निदेशक, नार्दन कोमफील्ड लिमिटेड, सिंगरौली, मध्य प्रदेश द्वारा विरिदिष्ट और निर्दिष्ट की जाएं।

नन्द सूची

1	2	3	4
5.	21	ज्ञानकारी प्राप्त करने की शक्ति	प्रबंध निदेशक
			नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड, मिंगरौली
			—यथोक्त—
			मुख्य महाप्रबंधक
			—यथोक्त—
			महाप्रबंधक
			—यथोक्त—
			पर्योजना अधिकारी
			—यथोक्त—
			प्रध्यक्ष राजस्व
			—यथोक्त—
			उप अध्यक्ष (राजस्व)
			—यथोक्त—
			महायक अध्यक्ष
			—यथोक्त—
			महायक अध्यक्ष (राजस्व)
			—यथोक्त—

[म. 43022/12/87—सी. ए. (1)]

S. O. 2838.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby directs that all or any of the powers or duties which may be exercised or discharged by the said Government under such of section of the said Act as are specified in column (2) of the Schedule hereto annexed shall be exercised or discharged also by the persons specified against the corresponding entry in column (4) of the said Schedule :

Provided that the exercise and discharge of powers and duties under sub-section (1) of section 14 of the said Act shall be subject to the previous approval of the Central Government whereas the exercise and discharge of powers and duties under section 21 of the said Act by the officers as specified in the Schedule annexed herewith shall be in such circumstances and under such conditions, if any, as may be specified and directed by order, with the previous approval of the Central Government, in writing, by the Managing Director or the Directors of the Northern Coalfields Limited, Singrauli, Madhya Pradesh.

SCHEDULE

S. No.	Section of the Act	Nature of assignment in brief	Designation and official address of the persons delegated with powers	
1	2	3	4	
1.	14(1)	Payment of compensation fixed by agreement	Managing Director Directors Chief General Managers General Managers Project Officer Chief of Revenue Deputy Chief (Revenue) Assistant Chief (Revenue)	Northern Coalfields Limited, Singrauli. -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do-
2.	14(4)	Statement before the Tribunal regarding compensation.	Managing Director Directors Chief General Managers General Managers Project Officer Chief of Revenue Deputy Chief (Revenue) Assistant Chief (Revenue)	-do- -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do-

1.	2.	3.	4.
3.	16	Payment of interest on award of the Tribunal.	Managing Director Directors Chief General Managers General Managers Project Officer Chief of Revenue Deputy Chief (Revenue) Assistant Chief (Revenue)
			Northern Coalfields Limited, Singrauli. -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do-
4.	17	Payment of compensation	Managing Director Directors Chief General Managers General Managers Project Officer Chief of Revenue Deputy Chief of (Revenue) Assistant Chief (Revenue)
			Northern Coalfields Limited, Singrauli. -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do-
5.	21	Power to obtain information.	Managing Director Directors Chief General Managers General Managers Project Officer Chief of Revenue Deputy Chief (Revenue) Assistant Chief (Revenue)
			Northern Coalfields Limited, Singrauli. -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do- -do-

[No. 40322/12/87-CA(i)]

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1987

का. आ. 2839 :—केन्द्रीय मंत्रालय, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसमें उपायद्वारा अनुमूली के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति को, उस अधिनियम की उस धारा के प्रयोगन के लिए जो अनुमूली के स्तम्भ 2 की तत्त्वानी प्रविष्टि में उसके नाम के सामने विनिर्दिष्ट है, नार्दन कोल फील्ड्स लिमिटेड, सिगरौली, मध्य प्रदेश की अधिकारिता के भीतर आने वाले धोवों की वावत, सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

अनुमूली

त्र. सं. अधिनियम की मंथन में यमनुदेशन की प्रकृति मक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त व्यक्ति का पदनाम और कायलिया धारा

1	2	3	4
1. 4 (3)	पूर्वेक्षण, मर्वेक्षण, खुदाई, बेधन, आदि	प्रबंध निदेशक निदेशक मुख्य महा प्रबंधक	नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिगरौली। नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिगरौली—यथोक्त

1 2

3

4

महाप्रबंधक	नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड
परियोजना अधिकारी	सिंगरौली ।
अधीक्षक भूविज्ञानी	—यथोक्त
ज्येष्ठ भूविज्ञानी	—यथोक्त
भूविज्ञानी	—यथोक्त
उप अधीक्षक, डिलिंग	—यथोक्त
ज्येष्ठ सर्वेक्षण अधिकारी	—यथोक्त
सर्वेक्षण अधिकारी	—यथोक्त
प्रबंधक निदेशक	सन्दर्भ माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीट्यूट लिमिटेड रांची
अध्यक्ष, भूविज्ञान और डिलिंग	—यथोक्त
अपर मुख्य भूविज्ञान और डिलिंग	—यथोक्त
प्रादेशिक निदेशक	—यथोक्त
उप अध्यक्ष, भूविज्ञान	—यथोक्त
अधीक्षण भूविज्ञानी	—यथोक्त
उप अधीक्षक भूविज्ञानी	—यथोक्त
ज्येष्ठ भूविज्ञानी	—यथोक्त
भूविज्ञानी	—यथोक्त
डिलिंग अधीक्षक	—यथोक्त
ज्येष्ठ उप अधीक्षक, डिलिंग	—यथोक्त
उप अधीक्षक, डिलिंग	—यथोक्त
सर्वेक्षण अधिकारी	—यथोक्त
महानिदेशक	भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण कलकत्ता
उप महा निदेशक	—यथोक्त
निदेशक	—यथोक्त
प्रबंध निदेशक	मिस्रल एक्सप्लोरेशन कारपो- रेशन लिमिटेड, नागपुर
निदेशक	—यथोक्त
मुख्य भूविज्ञानी	—यथोक्त
उप मुख्य भूविज्ञानी	—यथोक्त
प्रबंध निदेशक	नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिंगरौली
निदेशक	—यथोक्त
मुख्य महाप्रबंधक	—यथोक्त
महा प्रबंधक	—यथोक्त
परियोजना अधिकारी	—यथोक्त
अपर अध्यक्ष, भूविज्ञान और डिलिंग	—यथोक्त
अध्यक्ष, राजस्व	—यथोक्त
उपाध्यक्ष, राजस्व	—यथोक्त
महामन अध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त

2. 6

धारा 4 (3) के अधीन किए
गए नुकसान के लिए प्रतिकर

प्रबंध निदेशक	नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड,
निदेशक	सिंगरौली
मुख्य महाप्रबंधक	—यथोक्त
महा प्रबंधक	—यथोक्त
परियोजना अधिकारी	—यथोक्त
अपर अध्यक्ष, भूविज्ञान और डिलिंग	—यथोक्त
अध्यक्ष, राजस्व	—यथोक्त
उपाध्यक्ष, राजस्व	—यथोक्त
महामन अध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त

1	2	3	4
3. 8(2)	आधेप की सुनवाई	कोयला नियंत्रक	कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस, स्ट्रीट, कलकत्ता
4. 12	भूमि का कब्जा लेने व्ही शर्ति	प्रबंधक निदेशक	नार्दन कोलफील्ड्स, लिमिटेड, सिंगरौली
		निदेशक	—यथोक्त—
		मुख्य महा प्रबंधक	—यथोक्त—
		महा प्रबंधक	—यथोक्त—
		परियोजना अधिकारी	—यथोक्त—
		अध्यक्ष, राजस्व	—यथोक्त—
		उप अध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त—
		महायक अध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त—
		ज्येष्ठ राजस्व अधिकारी	—यथोक्त—
		राजस्व अधिकारी महायक राजस्व	—यथोक्त—
		अधिकारी	—यथोक्त—
5. 16 (3)	उस नुकसान के लिए प्रतिकर जिसके लिए अधिनियम में उपबंध नहीं किया गया है।	प्रबंध निदेशक	नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिंगरौली
		निदेशक	—यथोक्त—
		मुख्य महा प्रबंधक	—यथोक्त—
		महा प्रबंधक	—यथोक्त—
		परियोजना अधिकारी	—यथोक्त—
		अध्यक्ष, राजस्व	—यथोक्त—
		उपाध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त—
		महायक अध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त—
		ज्येष्ठ राजस्व अधिकारी	—यथोक्त—
6. 22	किसी संपत्ति पर प्रबंध करने और उसका निरीक्षक करने की शक्ति	प्रबंधक निदेशक निदेशक	—यथोक्त— —यथोक्त—
		मुख्य महा प्रबंधक	—यथोक्त—
		महा प्रबंध	—यथोक्त—
		परियोजना अधिकारी	—यथोक्त—
		अध्यक्ष, राजस्व	—यथोक्त—
		उपाध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त—
		महायक अध्यक्ष (राजस्व)	—यथोक्त—
		क्षेत्रीय योजना अधिकारी	—यथोक्त—
		ज्येष्ठ राजस्व अधिकारी	—यथोक्त—
		राजस्व अधिकारी	—यथोक्त—

[सं. 43022/12/87-सी. अ. (ii)]

ममय सिंह, अवर मंचिव

New Delhi, the 5th October, 1987

S.O. 2839—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby appoints each of the persons specified in column 4 of the schedule hereto annexed to be the competent authority for the purpose of such of the section of the said Act as is specified against his name in the corresponding entry in column 2 thereto in respect of the areas falling within the jurisdiction of the Northern Coalfields Limited Singrauli Madhya Pradesh.

SCHITULL

Serial number	Section of the Act.	Nature of assignment in brief	Designation and official address of the person appointed as competent authority.
1	2	3	4
1.	4 (3)	Prospecting survey-dig bore, etc.	<p>Managing Director. Northern Coalfields Limited, Singrauli.</p> <p>Directors -do-</p> <p>Chief General Manager -do-</p> <p>General Managers -do-</p> <p>Project Officer -do-</p> <p>Superintending Geologist -do-</p> <p>Senior Geologist -do-</p> <p>Geologist -do-</p> <p>Deputy Drilling -do-</p> <p>Superintendent. -do-</p> <p>Senior Survey Officer -do-</p> <p>Survey Officer -do-</p> <p>Managing Director Central Mine Planning and Design Institute Limited, Ranchi.</p> <p>Chief of Geology and Drilling. -do-</p> <p>Additional Chief of Geology and Drilling -do-</p> <p>Regional Directors -do-</p> <p>Deputy Chief of Geology -do-</p> <p>Superintending Geologists -do-</p> <p>Deputy Superintending Geologists. Central Mine Planning and Design Institute Limited, Ranchi.</p> <p>Senior Geologists -do-</p> <p>Geologists -do-</p> <p>Drilling Superintendents -do-</p> <p>Senior Deputy Drilling Superintendents -do-</p> <p>Deputy Drilling Superintendents -do-</p> <p>Survey Officers -do-</p> <p>Director General Geological Survey of India, Calcutta.</p> <p>Deputy Director General -do-</p> <p>Directors -do-</p> <p>Managing Director Mineral Exploration Corporation Limited, Nagpur</p> <p>Director -do-</p> <p>Chief Geologist -do-</p> <p>Deputy Chief Geologist -do-</p> <p>Managing Director Northern Coalfields Limited Singrauli</p> <p>Directors -do-</p> <p>Chief General Managers -do-</p> <p>General Managers -do-</p> <p>Project Officer -do-</p> <p>Additional Chief of Geology and Drilling -do-</p> <p>Assistant Chief (Revenue) -do-</p>
2.	6	Compensation for damage done under section 4 (3)	

[No. 43022/12/87-CA (ii)]

SAMAY SINGH, Under Secy.

पौदोंडियम और आकृतिक गेस भंडारण

जई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1987

का. आ. 2840:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाई-पलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3534 तारीख 26-9-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यस सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

87/1250 GI-3.

और आगे, यतः कन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात इस अधिसूचना से संतुलन अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनियुक्त किया है।

अब, अतः इकत्ता अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
 (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय
 भरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अविसूचित में
 संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का
 अधिकार पार्टीप्लाईन विभाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा
 अर्जित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भवियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार

में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

गंधार से पखाजन तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य —गुजरात लिजा —भरुच तालुका—वागरा

गांव	ब्लॉक न	हे.	आर.	से.
1	2	3	4	5
लिमडी	109	0	20	40
	111	0	08	75
	112	0	22	00
	113	0	18	00
	114	0	12	00
	91	0	25	00
	116	0	08	00
	117	0	33	40
	90	0	20	00
	119	0	13	00
	120	0	00	20
	21	0	14	60
Waste land	0	05	00	
	20	0	26	20
	19	0	30	00
	4	0	00	80
	10	0	57	00
	11	0	16	00
	12	0	18	00
	13	0	48	00
	30	0	10	00
Waste land	0	10	00	
	293	0	10	80
	289	0	20	00
	288	0	29	60

[सं. औ 12016 / 154/86 ओ एन.जी.डी.-4]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 23rd September, 1987

S.O. 2840.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 3534 dated 26-9-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Gandhar to Pakhajan

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Wagara

Village	Block No.	Hec-	Are	Cen-	
		1	2	3	4
Limdi	109		0	20	40
	111		0	08	75
	112		0	22	00
	113		0	18	00
	114		0	12	00
	91		0	25	00
	116		0	08	00
	117		0	33	40
	90		0	20	00
	119		0	13	00
	120		0	00	20
	21		0	14	60
Waste land	0	05	00		
	20	0	26	20	
	19	0	30	00	
	4	0	00	80	
	10	0	57	00	
	11	0	16	00	
	12	0	18	00	
	13	0	48	00	
	30	0	10	00	
Waste land	0	10	00		
	293	0	10	80	
	289	0	20	00	
	288	0	29	60	

[N.O. 12016/154/86-ONGC-4]

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1987

का. आ. 2841:—यह: पेट्रोलियम और उत्तिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का वर्ता अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 को उत्तिया (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक

गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3739 तारीख 20-10-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को विछाने के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह यतः सर्थम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन विछाने के लिए एतद्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने की वजाय तेल और प्राकृतिक गैस आदोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन वा इस तारोऽद्वय को निहित होगा।

अनुसूची

अहमदाबाद—12 से अहमदाबाद—1 से 18 तक पाईप लाईन विछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला—अहमदाबाद तालुका—इसक्रोइ

गाँव	सर्वे न.	हे.	आर.	सं.
रामोल	12	0	13	05
	15	0	17	25
	23	0	14	10
	22	0	19	95

[सं. औ-12016/175/86-ओ. एन. जी.-द्यू4]

New Delhi, the 25th September, 1987

S.O. 2841.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 3739 dated 20-10-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEME

Pipeline from Ahmedabad-12 to A'Bad-1 to 18 (Existing ROU)

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Das-croi

Village	Survey No.	Hec-tare	Are Centiare		
			1	2	3
Ramol	12	0	13	05	
	15	0	17	25	
	23	0	14	10	
	22	0	19	95	

[No. O-12016/175/86-ONG-D4]

का. आ. 2842—यतः पैट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जित अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2997 तारीख 11-8-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को विछाने के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सर्थम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन विछाने के प्रयोगन के लिए एतद्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, धोपण के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

के. 413 से जी. जी. एस. V—तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

राज्य गुजरात जिला: महमान तालुका कलोल

संख्या	लालक. न.	हे.	आर.	सें.
ईसन्ड	746	0	06	00
	756	0	03	75
	745	0	03	75
	744	0	05	25
	743	0	05	25
	741	0	14	70
	792	0	13	50
	810	0	19	65

[सं. ओ-12016/119/86 ओ. एन. जी.-डी. 4]

S.O. 2842.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 2997 dated 11-8-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, In exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from K-413 to GGS V.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centi- tare
Isand	746	0	06	00
	756	0	03	75
	745	0	03	75
	744	0	05	25
	743	0	05	25
	741	0	14	70
	792	0	13	50
	810	0	19	65

[No. O-12016/119/86-ONG-D4]

का. आ. 2843:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3051 सारीख 14-8-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, धोपण के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची		1	2	3	4	5
गांव	सर्वे नं.	हे.	आर.	से.		
1	2	3	4	5		
गवासद	627	0	10	24	1031/2	0 02 24
	632	0	03	84	1029	0 00 64
	633	0	03	76	1030/1+	0 04 80
	634	0	03	60	2 + 3	
	635	0	06	48	1026	0 04 80
	706/2	0	06	40	कार्ट्रैक	0 02 00
	कार्ट्रैक	0	01	20	7	0 00 48
	650/3	0	03	20	42	0 02 08
	651	0	05	60	43	0 04 00
	652	0	02	40	44	0 01 92
	653	0	03	76	45	0 11 04
	655	0	01	60	कार्ट्रैक	0 02 40
	658/1	0	06	40	46/1	0 01 60
	665	0	10	40	कार्ट्रैक	0 00 40
	664/2	0	01	44	106	0 04 88
	669/1	0	03	68	104/2	0 04 88
	669/2/वी	0	10	40	104/1	0 04 40
	कार्ट्रैक	0	00	40	111/1	0 08 48
	671	0	03	60		
	672	0	01	60		
	670	0	01	60		
	683	0	14	40		
	689	0	11	36		
	688	0	05	00		
	687/2	0	01	76		
	857/3	0	06	96		
	कान्स	0	02	72		
	996/1	0	01	28		
	996/2	0	01	60		
	996/3	0	02	40		
	996/4	0	02	40		
	999/1	0	01	00		
	1000	0	02	08		
	1001	0	04	64		
	कार्ट्रैक	0	00	64		
	1033/1	0	02	40		
	1033/2	0	00	96		
	1032/2	0	02	32		
	1032/3	0	00	80		
	1031/3	0	01	28		

[सं. अ-12016/139/86 अंगतजा अ-4]

S.O. 2843.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 3051 dated 14-8-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from G.C.S. to Sarsawani

State : Gujarat District : Baroda Taluka : Padara

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-are	5
1	2	3	4		
Gavasad	627	0	10	26	
	632	0	03	84	
	633	0	03	74	

1	2	3	4	5
				का. आ. 2844:—प्रन: पेट्रोनिपत्र और खनिज
634	0	03	0	पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन)
635	0	06	43	अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की
706/2	0	06	41	उपाधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और
Cart track	0	01	21	प्राकृतिक गैस भवालय की अधिसूचना का. आ. रं. 1375
650/3	0	03	21	तारीख 20-3-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उग अधिसूचना
651	0	05	61	से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के अधि-
652	0	02	41	कार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए अनिवार्य करने का
653	0	03	75	अपना आशय घोषित कर दिया था।
655	0	01	61	
658/1	0	06	41	और यह : सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की
665	0	10	41	धारा 6 की उपाधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट
664/2	0	01	41	देनी है।
669/1	0	03	63	
669/2/B	0	10	41	और आगे, यह : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर
Cart track	0	00	41	विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची
671	0	03	60	में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने
672	0	01	60	का विनिश्चय किया है।
670	0	01	60	
683	0	14	41	अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपाधारा
689	0	11	35	(1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार
688	0	05	01	एतत्तद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न
687/2	0	01	71	अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार
857	0	06	91	पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतत्तद्वारा अर्जित
Kans	0	02	71	किया जाता है।
996/1	0	01	2	
996/2	0	01	61	और आगे उस धारा की उपाधारा (4) द्वारा प्रदत्त
996/3	0	02	41	शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार तिर्यक देती
996/4	0	02	41	है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार
999/1	0	01	01	में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आदीग में,
1000	0	02	01	उभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस
1001	0	04	6	तारीख को निहित होगा।
Cart track	0	00	6	
1033/1	0	02	40	
1033/2	0	00	91	
1032/2	0	02	32	
1032/3	0	00	80	
1031/3	0	01	28	
1031/2	0	02	24	
1029	0	00	61	
1030/1+2+3	0	04	80	
1026	0	04	80	
Cart track	0	02	01	
7	0	00	41	
42	0	02	01	
43	0	04	01	
44	0	01	91	
45	0	11	01	
Cart track	0	02	40	
46/1	0	01	60	
Cart track	0	00	40	
106	0	04	81	
104/2	0	04	81	
104/1	0	04	41	
111/1	0	08	41	

गांव	ब्लॉक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
ओद्दा	73	0	01	92
	72	0	08	00
	82	0	04	00
कार्ट ट्रैक		0	00	64
	71	0	23	88
	85	0	02	24
	87	0	11	36
	89	0	03	00
	88	0	02	00
	64	0	12	46

1	2	3	4	5
118	0	06	24	
119	0	01	28	
121	0	06	80	
122	0	11	36	
141	0	12	16	
145	0	01	44	
143	0	01	44	
142	0	01	68	
140	0	02	16	
कार्ट ट्रैक	0	01	12	
138	0	22	64	
302	0	14	60	
कार्ट ट्रैक	0	01	92	
480	0	00	64	
477	0	13	40	
474	0	07	56	

[सं. नं.-12016/43/86-ओ.एन.जी.-डी. 4]

S.O. 2844.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 1375 dated 20-3-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from GGS I to GGS V.

State : Gujarat District: Mehsana Taluka: Kabol	Village	Block No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
1	2	3	4	5	
OLA	73		0	01	92
	72		0	08	00
	82		0	04	00

1	2	3	4	5
Cart track	0	00	64	
71	0	23	88	
85	0	02	24	
87	0	11	36	
89	0	03	00	
88	0	02	00	
64	0	12	46	
118	0	06	24	
119	0	01	28	
121	0	06	80	
122	0	11	36	
141	0	12	16	
145	0	01	44	
143	0	01	44	
142	0	01	68	
140	0	02	16	
कार्ट ट्रैक	0	01	12	
138	0	22	64	
302	0	14	60	
कार्ट ट्रैक	0	01	92	
480	0	00	64	
477	0	13	40	
474	0	07	56	

[No. O-12016/43/86-ONG-D4]

का. आ. 2845:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 797 तारीख 11-3-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती

है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेज और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एस. एन. डी. ई. से एन. के. जी. जी. एम. 3 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य:—गुजरात जिला:—मेहसाना तालुका:—मेहसाना

गांव	सर्वें नं.	हेक्टर	आरे.	मेट्रियर
1	2	3	4	5
धनपुरा	519	0	07	20
	518	0	02	16
	533	0	04	20
	534	0	00	48
	535	0	03	60
	537	0	04	56
	536	0	04	92
	539	0	05	16
	552	0	15	72
	551/2	0	07	44
	550	0	06	12

[सं. ओ-12016/19/87-ओ.एन.जी.डी.-4]

S.O. 2845.—Whereas by notification of the Government of India in the ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 797 dated 11-3-1987 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from SNDE to NK GGS. III.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Arc-tiarc	Centiarc
1	2	3	4	5
Dhanputra	519	0	07	20
	518	0	02	16

1	2	3	4	5
533	0	04	20	
534	0	00	48	
535	0	03	60	
537	0	04	56	
536	0	04	92	
539	0	05	16	
552	0	15	72	
551/2	0	07	44	
550	0	06	12	

[No. O-12016/19/87-ONG-D4]

का. आ. 2846:—यतः पेट्रोलियम और ग्यासिज पाइपलाइन) भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 2769 तारीख 23-7-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उम अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एसद्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेज और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एन. के. एफ. एम. से एन. के. जी. जी. एस
II तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य:—गुजरात जिला:—थामसाबाद तालुका:—विरामगम

गांव	सर्वेनं.	हेक्टेयर आरे.	सेटीयर	
1	2	3	4	5
बाल सासान	36	0	01	20
	37/1/2	0	09	24
	37/1/4	0	04	44
कार्ट ट्रैक		0	03	12
	38	0	11	64
	39	0	02	28
कार्ट ट्रैक		0	00	72

[सं. ओ-12016/107/86-ओ.एम.जी.डी. 4]

S.O. 2846.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas of S.O. No. 2769 dated 23-7-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from NKFM to NK GGS. II

State : Gujarat District Ahmedabad Taluka :

Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Balsasan	36	0	01	20
	37/1/2	0	09	24
	37/1/4	0	04	44
Cart track		0	03	12
	38	0	11	64
	39	0	02	28
Cart Track		0	00	72

[No. O-12016/107/86-ONG-D4]

का. आ. 2847:—यतः पेट्रोलियम और जूनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम; 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3537 तारीख 26-9-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्रम प्राविकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आर्थ, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करना विश्वासनीय किया है ।

जब, यतः उक्त अधिनियम यी धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंजित किया जाना है ।

और आर्थ उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

दहेज से पालेज तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।
राज्य:—गुजरात जिला:—भल्लू तालुका:—आमोद

गांव	दलोक	हेक्टेयर आरे.	सेटीयर	
1	2	3	4	5
बांसरमा	19		0	12
	20		0	26
	41		0	22
	42		0	04
	40		0	22
	39		0	04
	49		0	24
	50		0	24
	52		0	23
कार्ट ट्रैक			0	04
	54		0	26
	53		0	02

[सं. ओ-12016/151/86-ओ.एम.जी.डी. 4]

S.O. 2847.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 3537 dated 26-9-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Dahej to Palej.

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Amod

Village	Block No.	Hec-tare	Arc	Centi- tiare
1	2	3	4	5
Vantersha	19	0	12	00
	20	0	26	00
	41	0	22	00
	42	0	04	00
	40	0	22	00
	39	0	04	00
	49	0	24	02
	50	0	24	00
	52	0	23	00
	Cart track	0	04	00
	54	0	26	00
	53	0	02	00

[No. O-12016/151/86-ONG-D4]

का.आ. 2848 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 1266 तारीख 13-3-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को विछाने के लिए अंजित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः समझिकारी ने उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर ध्यान करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अंजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अंजित दिया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाय तेज और प्राकृतिक गैस अर्थात् में, सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रवालान नो इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी.जी.एस.-1 से जी.जी.एस.-3 तक पाइप लाइन विछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : खेड़ा तालुका : मातर

गांव	ब्लॉक नं.	डेकेटर	आर.	टोयर
पतसोली	397	0	03	25
	396	0	01	75
	345	0	02	50
	349/1	0	01	50
	385	0	02	15
	386	0	04	50
	382	0	07	05
	350	0	04	00
	348/1	0	04	00
	347/1	0	03	05

[सं. ओ-12016/19/86-ओ एन जी-डी 4]

S.O. 2848.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 1266 dated 13-3-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification he is acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from GGS 1 to GGS III

State : Gujarat District : Kheda Taluka : Matar

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Pansoli	397	0	03	25
	396	0	01	75
	345	0	02	50
	349/1	0	01	50
	385	0	02	15
	386	0	04	50
	382	0	07	05
	350	0	04	60
	348/1	0	04	60
	347/1	0	03	05

[No. O-12016/19/86-ONG-D4]

का.आ. 2849.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 3055 तारीख 19-8-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवा है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी.जी.एस.-3 से जी.जी.एस.-5 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कलोत्र

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर	आर.	सेंटीयर
छत्ताल	282	0	21	00
	283	0	16	50
	कार्ट ट्रैक	0	01	50
	295	0	22	45
	294	0	00	75
	296	0	08	55
	298	0	05	85
	299	0	15	15
	302	0	07	80
	301	0	21	75
	332	0	10	80
	334	0	13	50
	337	0	15	30
	350	0	11	25
	349	0	12	75
	352	0	09	00
	354	0	10	65

[सं. ओ-12016/140/86-ओ एन जी-डी-4]

S.O. 2849.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 3055 dated 19-8-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government, has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from GGS III to GGS V.

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Chatral	282	0	21	00
	283	0	16	50
Cart track	0	01	50	
295	0	22	45	
294	0	00	75	
296	0	08	55	
298	0	05	85	
299	0	15	15	
302	0	07	80	
301	0	21	75	
332	0	10	80	
334	0	13	50	
337	0	15	30	
350	0	11	25	
349	0	12	75	
352	0	09	00	
354	0	10	65	

[No. O-12016/140/86-ONG-D4]

का.आ. 2850.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 3532 तारीख 26-9-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिलाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियन्य किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिलाने के प्रयोगन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है :

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

दहेज से पालेज तक पाइप लाइन बिलाने के लिए
राज्य : गुजरात जिला व तालुका : भरचू

गांव	ब्लाक नं.	हेक्टेयर	आरे.	सेटीयर
1	2	3	4	5
कमबोली	107	0	03	00
	108	0	02	00
	109	0	12	00
	110	0	05	00
	111	0	14	00
	112	0	02	00
	113	0	06	00
	130	0	01	00
	114	0	06	00
	115	0	06	00
	120	0	02	00
	121	0	00	25
	119	0	02	00
	116	0	01	00
	117	0	07	00
	122	0	04	00
	96	0	05	00
	95	0	05	00
	94	0	07	00
	93	0	06	00
	161	0	01	00
	172	0	08	00
	173	0	05	00
	174	0	05	00

1	1	3	4	5
कमबोली—आरी	175	0	05	00
	176	0	18	00
	180	0	23	00
	177	0	01	00
	179	0	00	25
	185	0	16	00
	186	0	14	00
कार्ट ट्रैक	0	03	50	
	201	0	04	00
	199	0	35	00
	202	0	24	00
	203	0	16	00
	211	0	11	00
	204	0	10	00
	205	0	10	00
	206	0	16	00
कार्ट ट्रैक	0	02	20	
	316	0	01	00
	315	0	27	00
	314	0	12	00
	313	0	11	00
	352	0	22	00
	353	0	02	00
	351	0	05	00
	356	0	02	00
	357	0	14	00
	358	0	02	00
	350	0	05	00
	349	0	08	00
	382	0	10	00
	384	0	13	00
	385	0	12	00
	391	0	08	00
	388	0	01	00
	389	0	06	00
	390	0	14	00
	378	0	00	25
	377	0	20	00
	368	0	05	00
	376	0	01	00
	370	0	31	00

ह.।-

सकाम प्राधिकारी,
कृते गुजरात राज्य एरिया,
बडोदरा

[सं. औ-12016/156/86-ओ एन जी-टी-4)]
पी.के. राजगोपालन, ईस्क अधिकारी

S.O. 2850.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 3532 dated 26-9-86 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification hereby declared that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Dahej to Palej.

State : Gujarat District & Taluka : Bharuch

Village	Block No.	Hec-tare			Centi-tare
		1	2	3	
Kamboli	107			0	03 00
	108			0	02 00
	109			0	12 00
	110			0	05 00
	111			0	14 00
	112			0	02 00
	113			0	06 00
	130			0	01 00
	114			0	06 00
	115			0	06 00
	120			0	02 00
	121			0	00 25
	119			0	02 00
	116			0	01 00
	117			0	07 00
	122			0	04 00
	96			0	05 00
	95			0	05 00
	94			0	07 00
	93			0	06 00
	161			0	01 00
	172			0	08 00
	173			0	05 00
	174			0	05 00
	175			0	05 00
	176			0	18 00
	180			0	23 00

1	2	3	4	5
Kambal...	177	0	01	00
contd.	179	0	00	25
	185	0	16	00
	186	0	14	00
	Cart track	0	03	50
	201	0	04	00
	199	0	35	00
	202	0	24	00
	203	0	16	00
	211	0	11	00
	204	0	10	00
	205	0	10	00
	206	0	16	00
	Cart track	0	02	20
	316	0	01	00
	315	0	27	00
	314	0	12	00
	313	0	11	00
	352	0	22	00
	353	0	02	00
	351	0	05	00
	356	0	02	00
	357	0	14	00
	358	0	02	00
	350	0	05	00
	349	0	08	00
	382	0	10	00
	384	0	13	00
	385	0	12	00
	391	0	08	00
	388	0	01	00
	389	0	06	00
	390	0	14	00
	378	0	00	25
	377	0	20	00
	368	0	05	00
	376	0	01	00
	370	0	31	00

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1987

का.आ. 2851 : — यतः केन्द्रीय सरकार ने यह प्राप्ति त होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि फरार और त की सलादे के लिए बन्दपुर, जिला-प्राग्ज्योत्पित्तपुर, गोरख में चन्दपुर ताप विजली घर, चन्दपुर के प्रस्तोत्तर या ता (वित्तीय 30 मैगावाट यूनिट) के लिए इंडिया एनेल कार्पॉरेट. लि. (मार्केटिंग डिविजन), गनवारी डिपो, नालंदा ने, जिला-प्राग्ज्योत्पित्तपुर से चन्दपुर ताप विजली घर, बन्दपुर का पाईप लाइन इंडियन ऑयल कार्पॉरेट. लि. के द्वारा विज्ञान जानी चाहिए ।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनें द्वारा विछुने के प्रयोजन के लिये एंडगार्ड अनुसूची में कर्ण नूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करदा आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रत्ति शक्तियों वा प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने इसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आधार एवं द्वारा घोषित किया है।

बासरें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाष्ठ पाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, उपायुक्त प्रागज्योतिशयपुर, असम की इस अधिसूत्रना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आकेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट है यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी त्रिधि व्यवस्थायों की माफतु ।

अनंत ची

इण्डियन ऑपल कारपोरेशन लिमिटेड के पानवाही डिपो, जिला—प्रागज्योतिष्पुर से लाप-विष्णुनगृह चत्वपुर तक फरलेस औप्पल पाष्प लाइन लिखाना:—

राज्य—असम.

जिला—प्रागज्योतिषपर.

मौजा—पानबाड़ी

क्रम संख्या	गांव	पट्टा नं.	दाग नं.	एरिया			मंतव्य
				वि.	क.	ले.	
1	2	3	4	5	6	7	8
1. निज पानबाड़ी	2	4/ख	—	4	—	खेराज	मिथादी
	3	16/ख	—	3	1	पट्टा	जमीन
		17/ख	—	3	1		
	7	68/ख	—	2	6		

1	2	3	4	5	6	7	8
निज पानवाणी—		16	००/ख	—	४	—	
समाप्त		४६	११/ख	—	१	१५	
		६०	५७/ख	—	३	१६	
		६३	४५/ख	—	—	१२	
		६९	६९/ख	—	४	३	
		७२	६६/ख	—	२	६	
		८०	६२/ख	—	२	१०	
		४२	७३/ख	—	२	६	
		५९	७४/ख	—	१	१६	
		४४	३१४/ख	—	३	१६	
			३१५/ख	—	—	३	
		५१	३०९/ख	—	२	६	
		७०	३०६/ख	—	२	१३	
आंशिक योग =				८	४	१०	
२. निज पानवाणी		३	१५/ख	—	१	१४	खेराज एकसनिया
		४२	१३/ख	—	—	१७	पट्टा जमीन
			४६/ख	—	—	१०	
		४७	१४/ख	—	१	१७	
		४९	३०२/ख	—	—	११	
		२८	५६/ख	—	—	३	
आंशिक योग =				१	०	१२	

कुल—खेराज एकसनिया = १ विधा—०क—१२ ले.

खेराज मियादी = ८ विधा—४क—१० ले.

१० विधा—०क—२ले.

३. सिसामारी	१	८९/ख	—	—	१५	खेराज मियादी
	२	९१/ख	—	—	१२	पट्टा जमीन
	७	९२/ख	—	१	३	
		६९/ख	—	२	१३	
	८	९०/ख	—	१	१५	
		९३/ख	—	१	३	
	१३	३७/ख	—	३	२	
		६९/ख	—	१	०	
	१४	६७/ख	—	१	१५	
	१६	४२/ख	१	१	५	

आंशिक योग = ४ १ ५

1	2	3	4	5	6	7	8
4. मिसामारी		1	87/ख	—	—	17	खेराज एकसनिया
		3	82/ख	—	2	19	पट्टा जमीन
		7	80/ख	—	—	17	
		9	60/ख	—	1	3	
		18	81/ख	—	1	15	
			आंशिक योग—	1	2	11	
			कुल=खेराज एकसनिया—1	1 वि.	— 2 क.	— 11 ले.	
			खेराज मियादी—	4 वि.	— 1 क.	— 5 ले.	
				5 वि.	3 क.	16 ले.	
			पूर्ण योग=निज पानबारी—	10 वि.	0 क.	2 ले.	
			मिसामारी—	5 वि.	3 क.	16 ले.	
				15 वि.	3 क.	18 ले.	

क्रम संख्या	गांव	पट्टा नं.	दाग नं.	एरिया			मन्त्रम्
				वि.	क.	ले.	
1. गांव—मिसामारी		—	80/ख	—	1	7	सरकारी जमीन
मौजा—पानबारी		—	43/ख	—	—	10	
सर्किल—चन्दपुर		—	44/ख	—	1	2	
जिला—प्रागज्योतिष्पुर, असम		—	55/ख	—	—	8	
		—	83/ख	—	—	16	
		—	84/ख	—	—	15	
		—	85/ख	—	—	10	
		—	88/ख	—	—	3	
		—	45/ख	—	2	5	
		—	56/ख	—	2	5	
				2	0	1	
2. गांव—निज पानबारी		—	3/ख	—	—	10	
		—	61/ख	—	3	—	
		—	70/ख	—	1	2	
		—	301/ख	—	—	12	
		—	303/ख	1	1	10	
		—	304/ख	—	—	3	
		—	308/ख	—	—	3	
		—	352/ख	2	1	10	
		—	353/ख	1	1	2	
		—	140/ख	—	—	5	
				4	4	17	

1	2	3	4	5	6
3.	गांव—चम्पापुर बागिया	—	753/ख	1	3
		—	754/ख	—	3
		—	755/ख	—	10
		—	756/ख	—	18
		—	757/ख	—	1
		—	758/ख	—	5
		—	762/ख	—	4
		—	763/ख	—	2
		—	768/ख	—	1
		—	766/ख	—	3
		—	831/ख	—	3
				5	0
				0	12
		—	979/Kha + ga	2	3
				3	4
				7	3
				16	
क्रम संख्या		गांव	पट्टा नं.	दाग नं.	एरिया
					मत्तव्य
					बि. क. ले.
4.	गांव—मिसामारी नं. 2	—	42/ख	1	1
		—	46/ख	—	—
		—	57/ख	—	3
		—	58/ख	—	2
		—	59/ख	—	1
		—	60/ख	—	4
		—	61/ख	—	1
		—	62/ख	—	2
		—	63/ख	—	1
		—	64/ख	—	8
		—	65/ख	—	1
		—	67/ख—ग	—	5
				1	4
				6	2
				1	

कुल योग—

- (1) मिसामारी
- (2) निज पानबारी
- (3) चम्पापुर बागिया
- (4) मिसामारी नं. —2

6 बिधा	2 कथा	1 लैसा	2 बि	/0क	1 ले
			4 बि	4क	17 ले
			7 बि	3 क	16 ले
			6 बि	2 क	1 ले
			21 बि	0 क	15 ले

[सं. पी.—17021/11/87—एम के टी]

सी. ए.ल. गिरोता, अवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1987

S.O. 2831.—Whereas it appears to the Central Govt. that it is necessary in the public interest that for supply of Furnace Oil for expansion project (2nd 30 MW Unit) of M/s. Assam State Electricity Board, Chandrapur, Dist. Pragjyotishpur, Assam pipeline should be laid from proposed Furnace Oil Depot of M/s. Indian Oil Corpn. Ltd. (MD), Panbari Dist. Pragjyotishpur by M/s. Indian Oil Corpn. Ltd. (MD).

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority viz. Deputy Commissioner, Pragjyotishpur Distt., Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Laying of Furnace Oil pipeline from proposed IOC depot at Panbari to Chandrapur Thermal Power Station, Chandrapur Assam.

State-Assam		Dist. : Pragjyotishpur			Mouza-Panbari
SL.NO.	Gaon	Patta No.	Dag No.	Area	Remark
1.	Niz-Panbari	2	4/KHA	B—K—L 0—4—0	Kheraj Mayadi Patta land.
		3	16/KHA	0—3—1	
		7	17/KHA	0—3—1	
		7	68/KHA	0—2—6	
		16	60/KHA	0—4—0	
		46	11/KHA	0—1—15	
		60	57/KHA	0—3—16	
		63	45/KHA	0—0—12	
		69	69/KHA	0—4—3	
		72	66/KHA	0—2—6	
		80	62/KHA	0—2—10	
		42	73/KHA	0—2—6	
		59	74/KHA	0—1—16	
		44	314/KHA	0—3—16	
			315/KHA	0—0—3	
		51	309/KHA	0—2—6	
		70	306/KHA	0—2—13	
			SUB TOTAL	8—4—10	
2.	-do-	3	15/KHA	0—1—14	Kheraj Aksona Patta land
		42	13/KHA	0—0—17	
			46/KHA	0—0—10	
		47	14/KHA	0—1—17	
		49	302/KHA	0—0—11	
		28	56/KHA	0—0—3	
			SUB TOTAL	1—0—12	
			TOTAL : Kheraj Aksona Kheraj Mayadi	1B—OK—12L 8B—4K—10L	
				10B—0K—2L	

SL.No.	Gaon	Patta No.	Dag No.	Area	Remark
3.	Misamari	1	89/KHA	0—0—15	Kheraj Mayadi Patta land
		2	91/KHA	0—0—12	
			92/KHA	0—0—3	
			69/KHA	0—2—13	
		8	90/KHA	0—1—15	
			93/KHA	0—1—3	
		13	37/KHA	0—3—2	
			59/KHA	0—3—2	
		14	67/KHA	0—1—15	
		16	42/KHA	1—1—5	
			SUB TOTAL	4—1—5	
4.	-do-	1	87/KHA	0—0—17	Kheraj Aksona Patta land.
		3	82/KHA	0—2—19	
			80/KHA	0—0—17	
		9	60/KHA	0—1—3	
		18	81/KHA	0—1—15	
			SUB TOTAL	1—2—11	
			TOTAL =	Kheraj Aksona 1—2—11	
				Kheraj Mayadi 4—1—5	
	GRAND TOTAL		Niz Panbari	5B—3K—16L	
			Misamari	10B—OK—2L	
				5B—3K—16L	
				15B—3K—18L	

Note : 20 Lessa = 1 Katha
 5 Katha = 1 Bigha

SL.No.	Gaon	Patta No.	Dag No.	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6
				B—K—L	
1.	Vill. Misamari		40/KHA	0—1—7	Govt. land
	Mouza—Panbari				
	Circle—Chandrapuri		43/KHA	0—0—10	
	Dist. Pragjyoti		44/KHA	0—1—2	
	Shpur.				
	Assam		55/KHA	0—0—8	
			83/KHA	0—0—16	
			84/KHA	0—0—15	
			85/KHA	0—0—10	
			88/KHA	0—0—3	
			45/KHA	0—2—5	
			56/KHA	0—2—5	
2.	Vill. Niz Panbari			2—0—1	
		3/KHA		0—0—10	
		61/KHA		0—3—0	
		70/KHA		0—1—2	
		301/KHA		0—0—12	

Note : 20 Lessa = 1 Katha
5 Katha = 1 Bigha

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1987

क्रा० आ० 2852 :—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राइवेट अधिकारियों की बेदखली) अधिनियम 1971 (1971 का 40) की आरा 3 के अधीन प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा पेट्रोलियम रसायन सथा उर्बरक मंत्रालय में तारीख 27 दिसम्बर, 1984 की क्रा० आ० 281 संबद्धक अधिकृताना के अधिकारण में नीचे दी गई सारणी के कालम (2) में उल्लिखित अधिकारियों को जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के रैक के समकक्ष अधिकारी हैं, एतप्त्वारा उक्त अधिनियम के प्रयोगन से सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती हैं, जो उक्त अधिनियम की धारा या उसके अधीन प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे और उक्त सारणी के कालम 3 में तत्संबंधी प्रविष्टि में विविष्ट सरकारी स्थानों के संबंध में सम्पदा अधिकारियों को सौंपे गए कर्तव्यों का अपनी अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाओं के अन्दर पालन करेंगे।

सारणी

क्रम संख्या	अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों की विविधता और अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाएँ
(1)	(2)	(3)
1.	उप प्रबन्धक, (प्रशासन), इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) इंडियन आयल भवन, जनपथ, मई दिल्ली-110001	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन दिल्ली सेक्ट राज्य क्षेत्र और नवीन औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नौएडा), उत्तर प्रदेश के सरकारी स्थान।
2.	उप प्रबन्धक (प्रशासन) इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) गोहाटी रिफाइनरी डाकघर, मुनमाटी, गोहाटी (बस्त्र)	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन असम राज्य के अन्दर सरकारी स्थान।
3.	वरिष्ठ अनुरक्षण प्रबन्धक (सिविल) इंडियन आयल कारपोरेशन लि० गुजरात रिफाइनरी, डाकघर जराहर नगर, जिला बड़ोदा	इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन गुजरात राज्य के अन्दर सरकारी स्थान।
4.	उप प्रबन्धक (प्रशासन) इंडियन आयल कारपोरेशन लि०, हुलिया रिफाइनरी डाक-घर हुलिया ते०, रिफाइनरी, १ मिवनपुर, (पश्चिमी बंगाल)	इंडियन आयल कारपोरेशन लि० (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन पश्चिमी बंगाल राज्य के अन्दर सरकारी स्थान।
5.	कार्मिक एवं प्रशासन प्रबन्धक, इंडियन आयल कारपोरेशन लि०, मधुरा रिफाइनरी, इंडियन आयल कारपोरेशन लि० के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन उत्तर बाक बर मधुरा-281005 (उत्तर प्रदेश)	इंडियन आयल कारपोरेशन लि० के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन उत्तर प्रदेश राज्य के अन्दर सरकारी स्थान जिसमें नौएडा के स्थान शामिल नहीं होते।
6.	वरिष्ठ आवासी प्रबन्धक, इंडियन आयल कारपोरेशन लि० (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) ९-दीवार अमीर मली एवंथू, पार्क सर्केस, कलकत्ता-17	इंडियन आयल कारपोरेशन लि०, (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कलकत्ता में सरकारी स्थान।
7.	वरिष्ठ आवासी प्रबन्धक, इंडियन आयल कारपोरेशन लि० (रिफाइनरीज तथा पाइप-लाइन प्रभाग) जी-९, अमीर याकर जंग मार्ग पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे शान्दा (पूर्वी बंगाल-३)	इंडियन आयल कारपोरेशन लि० (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन बंगाल भारत में सरकारी स्थान।
8.	उप प्रबन्धक (प्रशासन) इंडियन आयल कारपोरेशन लि० (रिफाइनरीज तथा पाइप-लाइन प्रभाग) बरोडी रिफाइनरी, जिला बैगुसराय (बिहार)	इंडियन आयल कारपोरेशन लि० (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन बिहार राज्य में सरकारी स्थान।

[फाइल सं० बार-25015/82/84-ओ०आर०-१]

ओ.पी. अप्रबाल, अबर सचिव

New Delhi, the 21st September, 1987

S.O. 2852—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers No. S.O. 281 dated the 27th December 1984 the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (2) of the Table below, being officers of equivalent rank of gazetted officers of the Government to be estate officers for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdictions in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Designation of Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction.
(1)	(2)	(3)
1.	Deputy Manager (Administration), Indian Oil Corporation Ltd. (Refineries & Pipelines Division), Indian Oil Bhawan, Janpath New Delhi-110001.	Public premises under the administrative control of Indian Oil Corporation Limited, (Refineries & Pipelines Division) with in the Union Territory of Delhi and New Okhla Industrial Development Authority (NOIDA) of the State of Uttar Pradesh.
2.	Deputy Manager (Administration), Indian Oil Corporation Ltd., (Refineries & Pipelines Division), Gauhati refinery, Post Office Noonmati, Gauhati (Assam).	Public premises under the administrative control of Indian Oil Corporation Limited (Refineries & Pipelines Division) with in the State of Assam.
3.	Senior Maintenance Manager (Civil) Indian Oil Corporation Limited, Gujarat Refinery, Post Office, Jawaharnagar, Distt. Baroda.	Public premises under the administrative control of Indian Oil Corporation Limited, (Refineries & Pipelines Division) with in the state of Gujarat.
4.	Deputy Manager, (Administration), Indian Oil Corporation Ltd., Haldia Refinery Post Office, Haldia Oil Refinery/District Midnapore (West Bengal).	Public premises under the administrative control of Indian Oil Corporation Limited, (Refineries and Pipelines Division) with in the State of West Bengal.
5.	Personnel and Administration Manager, Indian Oil Corporation Ltd., Mathura Refinery, Post Office, Mathura-281005. (Uttar Pradesh).	Public premises under the Administrative control of Indian Oil Corporation Limited, within the state of Uttar Pradesh, except for the New Okhla Industrial Development Authority (NOIDA) area.
6.	Chief Resident Manager, Indian Oil Corporation Limited (Refineries and Pipelines Division) 9, Syed Amir Ali Avenue, Park Circus, Calcutta-17.	Public premises under the administrative control of Indian Oil Corporation Limited (Refineries and Pipelines Division) with in the city of Calcutta.
7.	Resident Manager, Indian Oil Corporation Limited (Refineries and Pipelines Divisions), G/9, Ali Yavar Jung Marg, 9, Western Express Highway, Bandra (East) Bombay-400 051	Public premises under the administrative control of Indian Oil Corporation Limited (Refineries and Pipelines Division) with in the city of Bombay.
8.	Deputy Manager, (Administration) Indian Oil Corporation Limited, (Refineries and Pipelines Division) Barauni Refinery, Distt. Begusarai (Bihar).	Public premises under the administrative control of Indian Oil Corporation Limited, (Refineries and Pipelines Division) with in the state of Bihar.

[F. No R-25015/82/84-OR-I]

O.P. AGARWAL, Under Secy.

भारत भौतिक पूर्ति मंत्रालय

(नगरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक भूर्णे

पट्टी विस्तीर्ण, 18 सितम्बर, 1987

का. वा. 2853—भौतिक विकास मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) को भारत के राजपत्र के भाग 2, बंड 3 उपबंड (2) दिनांक 1971-11-06 में प्रकाशित अधिसूचना संस्था एसपी 5034 दिनांक 1971-10-14 में भारतीय मानक संस्था अधिसूचित करती है कि भारतीय भौतिक सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात की नलियों की मानक मुद्राएँ के विजाइल संसोधित किया गया है। भारतीय मूद्रों के संसोधित विजाइल संस्थानों के भारतीय विवरण सहित निम्नलिखित अनुसूची में दिए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) अधिनियम 1952 भौतिक वने नियमों तथा विनियमों के व्यवस्था के लिए ये मानक मूद्रे 1985-09-01 से लागू होगी।

अनुमति

कम संख्या मानक मुद्रण का डिजाइन इसाई/उत्पाद को श्रेणी संबंधित भारतीय मानक ही संख्या या नामक गुहर के दिजाइन का सांख्यिक विवरण

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. देविका अनुबंध-I	योगिक व सामान्य हैंडी- नियरो कार्यों के लिए इस्पात की नियमित	IS : 3601—01984 योगिक व सामान्य हैंडीनियरो कार्यों के लिए इस्पात की नियमित (पहला पुनरीकाश)	IS : 3601—01984 योगिक व सामान्य हैंडीनियरो कार्यों के लिए इस्पात की नियमित (पहला पुनरीकाश)	"ISI" लगाने का संबंधित भारतीय मानक संख्या के अनुसार- शाम वो स्टम्प (2) में लिखाई गई नीली धीरे परस्पर संबंधित अनुमति में बनाया गया हो, डिजाइनों के नियम के अनुसार भोजनोपकारों के ऊपर संबंधित भारतीय मानकों की संख्या तथा नीचे संबंधित दो लेजिगेशन अंकित हों।

[सं. सं. एमटी/ 13 : 9

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES
(Department of Civil Supplies)
BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 18th September, 1987

S.O. 2853.—In partial modification of the then Ministry of Industrial Development (Indian Standards Institution) notification number S.O. 5034 dated 1971-10-14 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3 Sub-section (ii) dated 1971-11-06, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the design of the Standard

Mark for steel tubes for mechanical and general engineering purposes has been revised. The revised designs of the standard Marks together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the designs are given in the following Schedule.

These Standard Marks for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1985-09-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	 	Steel tubes for mechanical and general engineering purposes.	IS : 3601—1984 Specification for steel tubes for mechanical and general engineering purposes (first revision)	The monograms of the Indian Standard Institution, consisting of letters, 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the relevant grade designation being subscribed under the bottom side of the monograms as indicated in the designs.

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1987

का. आ. 2854—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणग्र मूहर) अधिनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वे प्रमाणग्र मूहर लाइसेंस जिनके विवरण निम्नसूचित अनुसूची में दिए गए हैं। कालम 6 में दी गई तारीख से गतावधि हो गए हैं या उनका नवीकरण रद्द हो गया है।

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस सं.	लाइसेंसधारी	IS : संस्था	जिस राजपत्र में लाइसेंस स्वीकृति की सूचना छपी और उसका एस द्वारा संक्षय दिया	टिप्पणियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
गतावधि लाइसेंस					
1. सीएम/एल- 0002004 1956-10-24	श्री दिग्बिजय सीमेंट क. लि., सिक्का (जामनगरहोकर) गुजरात	IS : 269-1976	एस.आर.प्रो. 2679 तिथि 1956-11-17	1980-10-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
2. सीएम/एल- 0012916 1959-06-23	अलकली एंड केमिकल कार्पोरेशन, आफ इंडिया लि., कलकत्ता-7	IS : 632-1978	एस.आर.प्रो. 2679 तिथि 1956-11-17	1982-10-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
3. सीएम/एल- 0034118 1961-09-02	मैसूर हेमेक्टीस-इन्सर्क. (आन्ध्र), विजयवाडा (आ.प्र.)	IS : 561-1978	एस.प्रो. 2447 तिथि 1961-10-14	1982-08-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
4. सीएम/एल- 0048937 1962-12-26	भारंड ब्रादर्स-एंड क. प्रा. लि., पाना (महाराष्ट्र)	IS : 325-1978	एस.प्रो. 241 तिथि 1963-01-26	1983-01-15 के बाद नवीकरण है।	
5. सीएम/एल- 0049030 1962-12-26	भारंड ब्रादर्स-एंड क. प्रा. लि., पाना (महाराष्ट्र)	IS : 996-1984	—यथोपरि--	1983-01-15 के बाद गतावधि है।	
6. सीएम/एल- 0071326 1964-06-29	सांगनेरिया क. प्रा. लि., कलकत्ता	IS : 1977-1975	एस.प्रो. 2590 तिथि 1964-09-01	1981-10-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
7. सीएम/एल- 0178445 1968-09-10	चालिया रोलिंग मिल्स प्रा.लि., कलकत्ता	IS : 278-1978	एस.प्रो. 3958 तिथि 1968-11-09	1981-09-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
8. सीएम/एल- 0219736 1970-01-01	ए.जे. नेपेज एंड सन्स कोलीन- 682018 (केरल)	IS : 10(भाग 4)-1976	एस.प्रो. 771 तिथि 1970-02-28	1982-06-30 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया अब उसी लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
9. सीएम/एल- 0271637 1971-07-16	शिव दुर्गा आयरलन बर्कर प्रा. लि., हावड़ा (पश्चिम बंगाल)	IS : 1538 (भाग 1 से 23)-1976	एस.प्रो. 3780 तिथि 1971-10-16	1983-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
10. सीएम/एल- 0333330 1973-02-22	भारत आयरलन बर्कर, बैंगालम	IS : 1726-1974	एस.प्रो. 1553 तिथि 1973-06-02	1983-02-28 के बाद गतावधि है।	
11. सीएम/एल- 0362741 1973-12-06	भारत आयरलन बर्कर, बैंगालम (कर्नाटक) -- 590001	IS : 5455-1969	एस.प्रो. 1603 तिथि 1975-05-24	1982-12-15 के बाद गतावधि है।	
12. सीएम/एल- 0368480 1974-01-25	स्टार स्टील प्रा. लि., बड़ौदा	IS : 1977-1975	एस.प्रो. 2016 तिथि 1975-06-28	1980-11-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
13. सीएम/एल- 0394653 1974-09-02	इंडियन टिम्बर इंडस्ट्रीजल अटोमेजे पट्टा, जाकर चलकुड़ी, जिला तिचुर, (केरल राज्य)	IS : 10(भाग 3)- 1974	एस.प्रो. 1762 तिथि 1976-05-29	1981-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, प्रौद्योगिकी और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14. सीएम/एल- 0396051 1974-09-23	मोहमिना पंटरप्राइजेस, धोन, जिला कर्नाटक (आ.प्र.)	IS : 561-1978	एस.ओ. 1782 तिथि 1976-05-29	1982-05-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
15. सीएम/एल- 0411728 1974-12-31	मुकेश आरयल एंड स्टील वर्क्स लि., बांगे (महाराष्ट्र)	IS : 1875-1978	एस.ओ. 2286 तिथि 1976-07-03	1982-05-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
16. सीएम/एल- 0419441 1975-01-30	मनकार्म फोर्ड, हुबली	IS : 2052-1979	एस.ओ. 2465 तिथि 1976-07-10	1983-01-31 के बाद गतावधि है।	
17. सीएम/एल- 0420527 1975-02-10	रेलिम हंडिया लि., फार्टिसाइजर्स एंड पेस्टीमाइक्स डिविजन, हावड़ा-711106	IS : 2567-1978	एस.ओ. 2175 तिथि 1976-07-10	1983-02-15 के बाद गतावधि है।	
18. सीएम/एल- 0431330 1975-04-14	फोटोफोन प्राइवेट लिमिटेड, ब्रम्प्टन-400072	IS : 4497-1979	एस.ओ. 3550 तिथि 1976-10-09	1983-04-15 के बाद गतावधि है।	
19. सीएम/एल- 0468656 1975-09-29	श्रीजय पुलवराइजर्स, गुजरात	IS : 564-1975	एस.ओ. 832 तिथि 1977-03-19	1982-09-30 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
20. सीएम/एल- 0477758 1975-10-31	गणीकाल्करल डिस्कस (हंडिया) लि., नामिक	IS : 4336 (भाग 1) —1972	एस.ओ. 1148 तिथि 1977-04-16	1982-01-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
21. सीएम/एल- 0489765 1975-12-12	श्री विजयदुर्गा पुलवराइजर्स मिल्स, बल्लारी (कर्नाटक)	IS : 561-1978	एस.ओ. 3083 तिथि 1977-10-08	1983-02-28 के बाद गतावधि है।	
22. सीएम/एल- 0508642 1976-03-18	जय श्री प्लास्टिक्स, बलकला	IS : 4984-1972	एस.ओ. 12 तिथि 1979-01-06	1983-02-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
23. सीएम/एल- 0511833 1976-04-19	श्री मंत्रनाय पुलवराइजर्स, बंगलोर-560022 (कर्नाटक)	IS : 633-1975	एस.ओ. 314 तिथि 1979-01-27	1983-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
24. सीएम/एल- 0545244 1976-05-30	निर्मला हड्डीज़, कोअम्बर्टर (नमिलनाडु)	IS : 325-1978	एस.ओ. 3548 तिथि 1979-10-20	1979-08-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
25. सीएम/एल- 0560947 1976-10-29	यू.सा.डी.एल.फार्म्सी डाकघर गांगांगा, जिला 24 परगाना	IS : 2596-1964	एस.ओ. 3550 तिथि 1979-10-20	1982-10-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
26. सीएम/एल- 0563041 1976-11-05	गजस्थान पेंट्स, जयपुर (राजस्थान)	IS : 419-1967	एस.ओ. 3761 तिथि 1979-11-17	1982-11-15	
27. सीएम/एल- 0566353 1976-11-21	नवमानी एंड कॉर्प., कोअम्बर्टर, (नमिलनाडु)	IS : 325-1978	एस.ओ. 3761 तिथि 1979-11-17	1982-12-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
28. सीएम/एल- 0588262 1977-02-08	हिन्दुस्थान रेटिंग मिल्स, डाकघर एक्सिपासाल, जिला जलपाइयूरी (प. ब.)	IS : 226-1975	एस.ओ. 731 तिथि 1980-03-22	1982-01-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
29. सीएम/एल- 0606339 1977-04-25	युनिवर्सल इलेक्ट्रिकल्स लि., जोका, 24 परगाना (प. ब.)	IS : 3231-1965	एस.ओ. 786 तिथि 1980-03-29	1982-04-30 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
30. सीएम/एल- 0608545 1977-05-04	कोप हेल्थ प्रॉडक्ट्स प्रा. लि., गाजियाबाद (यू.पी.)	IS : 5281-1979	एस.ओ. 283 तिथि 1981-01-24	1983-05-15 के बाद गतावधि है।	
31. सीएम/एल- 0624038 1977-07-12	भारत पेस्टीमाइक्स इंडस्ट्रीज, प्रा. लि., अहमदाबाद (गुजरात)	IS : 7122-1973	एस.ओ. 754 तिथि 1981-03-07	1981-07-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
32. सीएम/एल-0652447 1977-11-07	बी.डी. स्टील कास्टिंग लि., कायरसर, जिला थाणे (महाराष्ट्र)	IS : 6915-1978	एम.ओ. 1223 तिथि 1981-04-18	1982-05-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
33. सीएम/एल-0666155 1978-01-13	श्री राम स्टील रोलिंग मिल्स, थाणे (महाराष्ट्र)	IS : 226-1975	एम.ओ. 1615 तिथि 1981-05-30	1982-05-05 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
34. सीएमसी/एम-0666357 1978-01-13	एस.ए.सी.सी.सी.रोलिंग मिल्स, थाणे	IS : 1977-1975	—यथोपरि—	1982-01-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
35. सीएम/एल-0696265 1978-03-31	इंडस्ट्रियल मेटल इंजिनीरिंग डाकघर भयस्तर, जिला थाणे (महाराष्ट्र)	IS : 1660 (भाग 1) —1967	एम.ओ. 1664 तिथि 1981-06-06	1981-04-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
36. सीएम/एल-0717449 1978-08-21	नव काइब्रो लाइसेंस, पुणे (महाराष्ट्र)	IS : 5225-1969	एम.ओ. 2180 तिथि 1981-08-15	1982-08-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
37. सीएम/एल-0720438 1978-09-11	मिट्टीजन पेंटस, अमृतसर, (पंजाब)	IS : 419-1967	एम.ओ. 2215 तिथि 1981-08-22	1982-09-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
38. सीएम/एल-0724547 1978-09-25	मॉर्टन प्रॉडक्ट्स, बम्बई	IS : 371-1979	एम.ओ. 2215 तिथि 1981-08-22	1981-09-30 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
39. सीएम/एल-0739961 1978-12-07	शब्दलक कार्पोरेशन आफ इंडिया, गोडिया (महाराष्ट्र)	IS : 868-1956	एम.ओ. 2278 तिथि 1981-08-29	1982-12-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
40. सीएम/एल-0747458 1979-01-11	लिवर्टी स्टील्स प्रा. लि., भिवानी, जिला थाणे	IS : 226-1975	एम.ओ. 2277 तिथि 1981-08-29	1982-01-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
41. सीएम/एल-0753857 1979-02-09	युनिकर्मल स्टील इंडस्ट्रीज, थाणे, बहाराष्ट्र राज्य	IS : 226-1975	एम.ओ. 2310 तिथि 1981-09-15	1983-02-28 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
42. सीएम/एल-0755255 1979-02-21	न्यू कम्पीयर स्टील रोलिंग प्रिल्स, जम्मूतवी	IS : 1977-1975	एम.ओ. 2310 तिथि 1981-09-05	1983-02-28 के बाद गतावधि है।	
43. सीएम/एल-0757663 1979-02-28	रोलिंस इंडिया लि., (फॉलिनाइजर एंड पेस्ट्रीमाइज्म डिविजन), मद्रास	IS : 2682-1966	—यथोपरि—	1983-02-28 के बाद गतावधि है।	
44. सीएम/एल/0760450 1978-03-09	अमम पेट्रो कोमिकल्स लि., नाम्बरण डाकघर पट्टूर, जिला डिब्रुगढ़ (असम)	IS : 848-1974	एम.ओ. 2385 तिथि 1981-10-03	1983-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
45. सीएम/एल-0761856 1979-03-12	प्लाइवूल प्रॉडक्ट्स इंडिया, कलकत्ता	IS : 10 (भाग 4)- 1976	—यथोपरि—	1983-03-15 के बाद गतावधि है।	
46. सीएम/एल-0764660 1979-03-22	कम्पनीटी इंजीनियरिंग वर्से, त्रिबन्द्रम	IS : 3062-1974	एम.ओ. 2585 तिथि 1981-01-03	1983-03-31 के बाद गतावधि है।	
47. सीएम/एल-0785171 1979-07-13	कृष्ण मेटल इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	IS : 1786-1979	एम.ओ. 3443 तिथि 1981-12-26	1982-07-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
48. सीएम/एल-0789171 1979-07-31	विजय टेंकम एंड बेसमेंट प्रा. लि., बम्बई- 400072	IS : 3575-1977	एस.ओ. 3443 तिथि 1981-12-26	1982-08-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
49. सीएम/एल-0791461 1979-08-06	लिवर्टी स्टील्स प्रा. लि., भिवानी, जिला थाणे	IS : 1977-1975	एस.ओ. 3446 तिथि 1981-12-26	1982-08-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
50. सीएम/एल-0802945 1979-09-27	लोकल यांत्रीटर्स, अस्वाला कैट (हरियाणा)	IS:3055 (भाग 1) 1977	एस०प्र० 1972 तिथि 1982-05-15	1982-10-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
51. सीएम/एल-0812241 1979-11-07	सेवन हिल्स एंट्रो केमिकल्स नरसरावपेट-522602, जिला गुरुद्वार (आ० प्र०)	IS:561-1978	एस०प्र० 1832 तिथि 1982-05-22	1982-11-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
52. सीएम/एल-0822143 1979-12-20	कम्प्युनिटि ईजी० वक्स, फ्लिवेन्म-695019 (केरल)	IS:1970 (भाग 1) 1974	एस०प्र० 2320 तिथि 1982-07-03	1982-12-31 के बाद गतावधि है।	
53. सीएम/एल-0828256 1980-01-02	स्टैंडर्ड कंसलिडेंस प्रा० लि०, गुडगांव (हरियाणा)	IS:3196-1974	एस०प्र० 3104 तिथि 1982-09-04	1982-12-31 के बाद नवीकरण स्थ- गित हो गया अब, लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
54. सीएम/एल-0835758 1980-01-31	पायलट हैंडिया, जलधर सिटी	IS:2834-1964	-यथोपरि	1982-01-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
55. सीएम/एल-0846157 1980-03-10	फास्टनर्स एंड फामसं, बंगलोर	IS:280-1978	एस०प्र० 4452 तिथि 1983-12-10	1982-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
56. सीएम/एल-0852051 1980-03-26	योगीका मिनरल्स केमिकल्स, बड़ोदरा (गुजरात)	IS:2567-1978	-यथोपरि	1983-03-31 के बाद गतावधि है।	
57. सीएम/एल-0852253 1980-03-26	राज टेको इंटरप्राइजेज, सिकम्परायाद, जिला, बुलबशहर (उ० प्र०)	IS:8249-1978	-यथोपरि	1983-03-31 के बाद गतावधि है।	
58. सीएम/एल-0857364 1980-03-31	बंगल आर्क स्टील लि० बाकपर जिला, पुरतिया	IS:8825-1978	एस०प्र० 4452 तिथि 1983-12-10	1983-04-15 के बाद गतावधि है।	
59. सीएम/एल-0858467 1980-03-31	नेल्लीमर्ला बृट मिल्स क०, जिला विजयनगरम् (आ०प्र०)	IS:1943-1964	-यथोक्त-	1983-04-15 के बाद गतावधि है।	
60. सीएम/एल-0870962 1980-06-04	संकबेरी ईजी० कार्पोरेशन, झारधारा, जिला मिर्जापुर (प० व०)	IS:1239 (भाग 1)- 1979	एस०प्र० 4459 तिथि 1983-12-10	1982-05-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
61. सीएम/एल-0884168 1980-07-29	मैशाल एंट्रो केमिकल्स, पटना-800013 (बिहार)	IS:2568-1978	एस०प्र० 4533 तिथि 1983-12-17	1982-08-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
62. सीएम/एल-0885268 1980-07-30	युविसलर्स ईंटील इंडस्ट्रीज, थाणा, (महाराष्ट्र)	IS:1977-1975	-यथोपरि	1982-08-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
63. सीएम/एल-0889579 1980-08-18	सेंट्रीन हौजरी मिल्स, तिरुपुर	IS:4964-1980	एस०प्र० 4531 तिथि 1983-12-17	1982-08-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
64. सीएम/एल-0900440 1980-09-24	जितन कलीनिकल यांत्रीटर्स क०, (हंडिया) प्रा० लि०, सुरेन्द्र नगर (गुजरात)	IS:3055 (भाग 1)- 1977	एस०प्र० 4614 तिथि 1983-12-24	1981-09-30 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
65. सीएम/एल-0906048 1980-10-10	प्रशोक ईंजीनियरिंग प्रा० लि०, भद्रोला, बाकपर सोहसराय, नालाड्या	IS:226-1975	एस०प्र० 4613 तिथि 1983-12-24	1982-10-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
66. सीएम/एल-0910443 1980-10-30	-यथोपरि	IS:1886-1979	एस०प्र० 4613 तिथि 1983-12-24	1982-11-15 के बाद नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
67. सीएम/एल-0918297 1980-11-28	भारत स्टील इंडस्ट्रीज, हैदराबाद	IS:226-1975	एस०ओ० 644 तिथि 1984-03-03	1982-12-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
68. सीएम/एल-0921751 1980-12-10	मेसुर बायर एंड मेटल इंडस्ट्रीज, बंगलोर	IS: 4800 (भाग 7-9) 1971	एस०ओ० 1591 तिथि 1984-05-12	1981-12-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
69. सीएम/एल-0922652 1980-12-11	न्यू एंडवास एंड कैम्पटरी, भागरा (उ० प्र०)	IS: 1689 (भाग 1)- 1978 :1989(भा० 2)- 1978	—यथोपरि	1981-12-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
70. सीएम/एल-0925759 1980-12-24	एपक्स मिल्स एंड कैमिकल्स, याडीबर, शाकधर बोडालो जिला वेज महल्प (गुजरात)	IS: 2567-1978	—यथोपरि	1983-01-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
71. सीएम/एल-0927763 1980-12-31	स्टील कॉर्पोरेशन और्क पंजाब कपूरथला (पंजाब)	IS: 1977-75	—यथोपरि—	1983-01-25 के बाद गति विधि है।	
72. सीएम/एल-0927763 1980-12-31	अशोक कुडम हैदराबाद,- 500013 (आंध्र प्रदेश)	IS: 7287-1974	—यथोपरि	1082-01-15 के बाद गतावधि है।	
73. सीएम/एल-0933051 1981-01-23	न्यू केमी इंडस्ट्रीज प्रा० लि० बम्बई	IS: 2569-1978	एस०ओ० 1830 तिथि 1984-06-09	1983-01-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
74. सीएम/एल-0939063 1981-02-30	मोदी स्टील (प्रो. मोदी इंड० : लि.,) मोदी नगर, जिला गजियाबाद (उ० प्र०)	IS: 1875—1978	एस. ओ. 4241 तिथि 1984-12-08	1983-02-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
75. सीएम/एल-0944561 1981-02-16	मोडिल ऐक्जिप (प्रा०) लि., कानपुर (उ० प्र०)	IS: 7406 (भाग 2) —1980	—यथोपरि—	1983-02-28 के बाद गतावधि है।	
76. सीएम/एल-0947264 1981-02-26	कानपुर प्लास्टिक्स प्रा० लि., कानपुर (उ० प्र०)	—यथोपरि—	एस. ओ. 4241 तिथि 1984-12-08	1983-02-28 के बाद गतावधि है।	
77. सीएम/एल-0949167 1981-03-04	सुपर फोर्जिस एंड स्टील्स (सेल्स) प्रा० लि., कलकत्ता	IS: 3748-1978	एस. ओ. 320 तिथि 1985-01-26	1982-03-15 के बाद नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
78. सीएम/एल-0949268 1981-03-04	सुपर फोर्जिस एंड स्टील्स (सेल्स) प्रा० लि., कलकत्ता-7000001	IS: 3749-1978	—यथोपरि—	1982-03-15 के बाद नवीकरण स्थ- गित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
79. सीएम/एल-0950152 1981-03-06	एम. सी. मोबसी एंड कंप्रा० लि., कलकत्ता	IS: 281—1973	एस०ओ० 320 तिथि 1985-01-26	1983-03-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
80. सीएम/एल-0951053 1981-03-10	समिता इंकस एंड पेन्ट्स मैन्यू० भृगुबाबाद	IS: 1222—1973	—यथोपरि—	1983-03-15 के बाद गतावधि है।	
81. सीएम/एल-0952762 1981-03-12	प्रभात मैच फैक्टरी एट्ट्युरुम	IS: 2653—1964	—यथोपरि—	1982-07-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
82. सीएम/एल-0953663 1981-03-16	तिंगइनिया मैटल एंड स्टील इंड०, नासिक	IS: 228—1975	—यथोपरि—	1982-03-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
83. सीएम/एल-959978 1981-03-26	एस्टील मैच क०, (ए यूनिट आफ एंडिया मैच क०, प्रा०. लि. सदूचे (तमिलनाडू)	IS: 2653—1964	—यथोपरि—	1983-03-15 के बाद गतावधि है।	
84. सीएम/एल-0960963 1981-03-30	वायवरो मैर्किन (इंडिया) प्रा० लि., हावड़ा (पं. बं.)	IS: 1601—1060	एस.ओ. 320 तिथि 1985-01-26	1982-03-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
85. सीएम/एल-0961157	मामतराय स्टील इंडस्ट्रीज 1981-03-30	प्रा. लि., शाक्षर नेंगापेट, जिला कटक (उडीसा)	IS : 226--1975	एस०ओ० 320 तिथि 1985-01-26	1982-04-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
86. सीएम/एल-0968575	-यथोपरि-- 1981-05-11		IS : 1977--1975	एस०ओ० 326 तिथि 1985-01-26	1982-05-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
87. सीएम/एल-0968777	भारत पुस्तकालय मिल्स 1981-05-13	प्रा. लि., भावनगर (गुजरात)	IS : 7122--1973	--यथोपरि--	1982-05-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि में गतावधि है।
88. सीएम/एल-0989684	रोड्साम री-सोलिंग मिल्स 1981-08-21	ईसी-ओनलाइन, जिला रोड्साम	IS : 1977--1975	एस०ओ० 747 तिथि 1985-02-23	1982-08-31 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
89. सीएम/एल-0992673	विजय केमिकल एंड टायरेट 1981-08-31	वफसी, मद्रास-600007 (तमिलनाडू)	IS : 3959--1978	एस०ओ० 747 तिथि 1985-02-23	1981-09-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
90. सीएम/एल-0997784	फाइन इंक बर्स, नई दिल्ली 1981-09-21		IS : 1222--1973	एस०ओ० 1015 तिथि 1985-06-09	1981-09-30 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
91. सीएम/एल-0002514	श्री कार्म केमिकल्स (प्रा.) 1981-10-22	लि., गुन्डूर (आं. प्र.)	IS : 633--1975	एस०ओ० 1014 तिथि 1985-03-09	1982-10-32 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
92. सीएम/एल-0006118	--यथोपरि-- 1981-11-02		IS : 561--1975	एस०ओ० 1016 तिथि 1985-03-09	1982-11-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
93. सीएम/एल-1006219	--यथोपरि-- 1981-11-02		IS : 4323--1967	--यथोपरि--	1982-11-15 के बाद नवीकरण स्थगित हो गया, अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
94. सीएम/एल-1018327	राणा स्टील, महाराष्ट्र 1981-12-11		IS : 226-1975	एस०ओ० 1021 तिथि 1985-03-09	1982-12-15 के बाद गतावधि है।
95. सीएम/ए-1023924	दिग्ल इंडिग बोर्ड कं.	यमुना नगर 1981-12-29	IS : 10 (भाग 3)-1971	यथोपरि	1983-01-15 के बाद गतावधि है।
96. सीएम/एल-1027227	नगरजून एंड स्टील कार्पो., 1982-01-11	गुन्डूर, जिला	IS : 8487-1977	एस०ओ० 1295 तिथि 1985-03-30	1983-01-31 के बाद गतावधि है।
97. सीएम/एल-1028431	कवल साइटिकल प्रोडक्शन 1982-01-12	प्रा.लि., देहरादून	IS : 3055 (भाग 1)--एस०ओ० 1295 तिथि 1977	1985-03-30	1983-01-31 के बाद गतावधि है।
98. सीएम/एल-1036632	ईगल पेंट एंड पिपिंटेंट इंडस्ट्रीज 1982-02-10	(प्रा.) लि., इलाहाबाद (प्रा.)	IS : 2074-1979	एस०ओ० 1397 तिथि 1985-04-06	1983-02-15 के बाद गतावधि है।
99. सीएम/एल-104522	हिंतेन एंड कै., धनबाद		IS : 9182 (भाग 1)- 1979	--यथोपरि--	1983-02-28 के बाद गतावधि है।
100. सीएम/एल-1040623	हिंतेन एंड कै., धनबाद		IS : 9182 (भाग 2) 1979	--यथोपरि--	1983-02-28 के बाद गतावधि है।
101. सीएम/एल-1044934	जी.आर. स्टील्स एंड एलायस 1982-02-26	प्रा. लि., बंगलोर	IS : 1786--1979	एस०ओ० 1397 तिथि 1985-04-06	1983-03-15 के बाद गतावधि है।
102. सीएम/एल-1048736	चन्द्र रिफाइनरीज जिला 1982-02-27	नजीबाबाद	IS : 7401-1974	--यथोपरि--	1983-03-15 के बाद गतावधि है।
103. सीएम/एल-1047839	पूना एबड मैन्यु. प्रा. लि., 1982-03-07	पुणे	IS : 1891--1978	1406 तिथि 1985-04-06	1983-03-15 के बाद गतावधि है।
104. सीएम/एल-1054230	बतरा आयरन एंड स्टील बर्स, 1982-03-15	मुम्हरी, जिला कुर्का, (म.प्र.)	IS : 1977--1975	एस०ओ०, 1406 तिथि 1985-04-06	1983-03-31 के बाद गतावधि है।
105. सीएम/एल-1055232	पेट्रोकेम वैक्स इंडस्ट्रीज, बंगलोर 1982-03-15		IS : 4654-1974	- यथोपरि-	1983-06-31 के बाद गतावधि है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
106.	सीएम/एल-1059036 गुजरात वैगफिन प्रा. लि. 1982-03-19	कलोल (गुजरात)	IS : 7401-1974	एम.ओ. 1406 तिथि 1985-04-06	1983-03-31 के बाद गतावधि है।
107.	सीएम/एल-1065134 जे. के. पेन्ट इंडस्ट्रीज, दिल्ली 1982-04-12		IS : 419-1967	एम.ओ. 1635 तिथि 1985-04-20	1983-04-15 के बाद गतावधि है।
108.	सीएम/एल-1088045 विश्व इंजी. वर्से, जलंधर 1982-06-05		IS : 1879 भाग 1 गे 10)---1975	एम.ओ. 5598 तिथि 1985-12-11	1983-06-15 के बाद गतावधि है।
					के बाद गतावधि
गतावधि लाइसेंस:					
109.	सीएम/एल-0357243 एस्कोर्ट लि., फरीदाबाद- 1973-10-19	121002 (हरियाणा)	IS : 5423-1969	एम.ओ. 1556 तिथि 1975-05-17	1984-04-30
110.	सीएम/एल-0419845 गोवन हैंडस्ट्रीज कार्पोरेशन, 1975-02-10	नई दिल्ली	IS : 1554 (भाग 1) --1976	एम.ओ. 2473 तिथि 1976-07-10	1983-03-31
111.	सीएम/एल-0434740 वर्गलक्ष्मी इंजीनियरिंग एक्स्प्लॉरर्स, 1975-04-25	चिनौल जिला (आ.प.)	IS : 325-1978	एम.ओ. 3550 तिथि 1976-10-09	1983-04-30
112.	सीएम/एल-0434841 कर्मगियल मर्थिसिंज एजेंसी, 1975-04-25	कलकत्ता-700001	IS : 1938-1974	एम.ओ. 3550 तिथि 1976-10-09	1983-04-30
113.	सीएम/एल-0504937 ब्रॉडेन केबल इंड., दिल्ली- 1976-03-01	110052	IS : 1554 (भाग 1) 1976	एम.ओ. 12 तिथि 1979-01-06	1983-03-31
114.	सीएम/एल-0509545 ट्राटा केमिकल्स लि., ओड़- 1976-03-29	मेडन-361350 (गुजरात)	IS : 1311-1966	एम.ओ. 12 तिथि 1979-01-06	1983-04-30
115.	सीएम/एल-0510326 ब्र. सुरक्षा एंजी. (हंडी. 1976-03-31	इंजिनियर)	IS : 5852-1977	एम.ओ. 12 तिथि 1979-01-06	1983-04-30
		कानपुर-208010 (उ.प.)			
116.	सीएम/एल-513433 कोरोत हैंडस्ट्रीज, 1976-04-19	कलकत्ता-700006 (पश्चिमी बंगाल)	IS : 4174-1977	एम.ओ. 314 तिथि 1979-01-27	1983-04-15
117.	सीएम/एल-0515235 फोर्म स्लोयड कार्पो. प्रा. लि. 1976-04-28	नई दिल्ली-110019	IS : 1476-1979	एम.ओ. 314 तिथि 1979-01-27	1983-04-30
118.	सीएम/एल-0573348 छवलना कार्पोरेशन, 1976-12-21	बापी-396191 (गुजरात)	IS : 634-1965	एम.ओ. 3762 तिथि 1979-11-17	1983-03-15
119.	सीएम/एल-0597970 तान्त्रिकी इम्फली रंगवाला, 1977-03-22	बंबई-400011, महाराष्ट्र	IS : 5346-1975	एम.ओ. 787 तिथि 1980-03-29	1983-03-31
120.	सीएम/एल-0673152 हैंटरनैशनल एजेंसी (हंडिया), 1978-01-31	कलकत्ता-700061	IS : 4323-1967	एम.ओ. 1615 तिथि 1981-05-30	1983-02-15
121.	सीएम/एल-0685260 हेयरसर्स इंडियन, 1976-03-14	मद्राश-600026 (त. ता.)	IS : 1061-1975	एम.ओ. 1664 तिथि 1981-06-06	1983-03-15
122.	सीएम/एल-0696969 बी.प.न. भास्कर एंड संस., 1978-06-20	फरीदाबाद-121003 (हरियाणा)	IS : 458-1971	एम.ओ. 1664 तिथि 1981-06-06	1983-03-31
123.	सीएम/एल-0690859 नैनल कार्बन कं., 1978-03-29	कलकत्ता-700002 (प. बंगाल)	IS : 203-1972	—यथोपरि—	1983-04-30
124.	सीएम/एल-0767868 एक्सेल हैंडस्ट्रीज लि., 1979-03-30	भावनगर, गुजरात)	IS : 4344-1978	एम.ओ. 2585 तिथि 1981-10-03	1983-04-15
125.	सीएम/एल-0768261 नैनल इन्डिस्ट्रिकल इंड., लि., 1979-03-30	ब्रम्हपुर्ण-400012 (महाराष्ट्र)	IS : 7538-1975	—यथोपरि—	1983-04-15
126.	सीएम/एल-0770049 राम किशन इस्पात लि., 1979-04-09	महाराष्ट्र	IS : 6914-1978	एम.ओ. 2974 तिथि 1981-10-31	1983-04-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
127. सीएम/एन-0770150	राम किंग इस्पात वि. 1979-04-09	महाराष्ट्र	IS : 6915-1978	एस.ओ. 2974 1981-10-31	1983-04-15
128. सीएम/एल-0771657	सूर फायर इंजिनियर्स कं. 1979-04-20	प्रा. वि., कलकत्ता-700015	IS : 4989-1974	—योपरि—	1983-04-30
129. सीएम/एन-0778570	विकाकर इंजीनियर्स लि., 1979-03-30	वजीरपुर, दिल्ली	IS : 1239 (भाग 1) 1979	एस.ओ. 3147 तिथि 1981-11-21	1983-05-31
130. सीएम/एन-0826659	लीप इंडस्ट्रीजल एमिकेट लि., 1980-02-07	इताशाबाद	IS 2576-1975	एस.ओ. 3445 तिथि 1983-10-02	1983-02-15
131. सीएम/एन-0837358	मुपर इंडस्ट्रीज, नौएशा, 1980-02-20	अहमदाबाद	IS 564-1975	एस.ओ. 3445 तिथि 1982-10-02	1983-02-28
132. सीएम/एन-0841349	चाइंडियल हॉजरीज, सिल्पुर- 1980-02-27	6380C4	IS 4964-1980	—योपरि—	1983-03-15
133. सीएम/एन-0847765	वि इडि वन एलुमिनियम 1980-03-14	केतकपुर लि., फरीशाबाद 121003 (हरियाणा)	IS 694-1974	एस.ओ. 4452 तिथि 1983-10-10	1983-03-31
134. सीएम/एन-0849365	मीनाक्षी स्टील रि. रोलिंग 1980-03-19	मिल्स, बंगलौर-560029	IS 226-1975	एस.ओ. 4452 तिथि 1983-12-10	1983-03-31
135. सीएम/एन-0850653	रत्नहरी रोलिंग मिल्स, मायर- 1980-03-25	वाडा, जिला इंदौर	IS 1786-1979	एस.ओ. 4452 तिथि 1983-12-10	1983-03-31
136. सीएम/एन-0853962	वि गोदा स्टील रोलिंग मिल एंड 1980-03-31	प. लाई इंडस्ट्रीज गोदा- 403504	IS 226-1975	—योपरि—	1983-03-31
137. सीएम/एन-085661	मीना स्टील्स लि., उन्नाब 1980-03-31		IS 6915-1978	एस.ओ. 4452 तिथि 1983-12-10	1983-04-15
138. सीएम/एल-0858265	डी. के. इंजीनियरिंग वन, 1980-03-31	कानपुर-208022 (उ. प्र.)	IS 5852-1977	—योपरि—	1983-04-15
139. सीएम/एल-0858368	अग्रवाल केमिकल इंडस्ट्रीज, 1980-03-31	जिला बिजनीर (उ. प्र.)	IS 4654-1974	—योपरि—	1983-04-15
140. सीएम/एन-0863460	ब्राइट केबल्स, दिल्ली-110052 1980-04-07		IS 1554 (भाग 1) -1976	एस.ओ. 4453 तिथि 1983-12-10	1983-04-15
141. सीएम/एन-0863864	सिल्ह स्टील रि-रोलिंग मिल्स, 1980-04-16	मद्रास-600081	IS 226-1975	—योपरि—	1983-04-30
142. सीएम/एब-0952358	बैलमुरगर फैक्ट्री 1981-03-11	कोयम्बाटू-642007	IS: 325-1978	एस.ओ. 320 तिथि 1985-01-26	1983-03-31
143. सीएम/एल-9953360	महाराष्ट्र स्टील रोलिंग मर्स, 1981-03-16	तांगपार-440008	IS: 226-1975	—योपरि—	1983-03-31
144. सीएम/एल-0954261	प्रान्तम्ब हेलेस्ट्रो मेकेनीकल एक्स्सेस, IS 4250-1967 1981-03-71	बंबई-400003		एस.ओ. 320 तिथि 1985-01-26	1983-03-31
145. सीएम/एन-0955766	वायनेमिक कन्ट्रोल्स कं. प्रा. वि IS 148-1968 1981-03-20	अहमदाबाद-380024		एस.ओ. 320 तिथि 1985-01-26	1983-03-31
146. सीएम/एल-0961965	संदीप मेटल एक्सेस औ रंगाबाद IS 398 (भाग 1) 1981-04-03	(महाराष्ट्र)	2) - 1976	एस.ओ. 323 तिथि 1985-01-26	1983-04-15
147. सीएम/एल-0964264	श्री. एम. आटो इंडिया, 1981-04-22	जिला सोमीपुर (हरियाणा)	IS 1135-1973	एस.ओ. 323 तिथि 1985-01-26	1983-04-30
148. सीएम/एल-0971160	स्टैर्क मेटल एक्सेस प्रा. वि., 1981-05-22	नई दिल्ली-110028	IS 398 (भाग 1 और 2)- 1976	—योपरि—	1983-05-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
149. सी.एम/एस-0972768	मैट नीफल्ड केबल जिला गाँविया- 1981-05-27	IS 1554 (भाग 1) एस. ओ. 326 तिथि माद (उ. प्र.) -1976	1985-01-26		1983-05-31
150. सी.एम/एस-0976069	प्लास्टोकेम गाँवियावाद 1981-06-22	IS 4985-1968	एस. ओ. 545 तिथि 1985-02-09		1983-06-15
151. सी.एम/एस-1039335	इलेक्ट्रोमेट्स (हस्तिया) प्रा.लि., 1982-02-17	IS 804-1967 24 परगना (पश्चिम बंगाल)	एस. ओ. 1397 तिथि 1985-04-06		1983-02-28
152. सी.एम/एस-1041625	हुमा इंडस्ट्रीज, बंबई-400015	IS 4246-1978	एस. ओ. 1397 तिथि 1985-04-06		1983-03-15
153. सी.एम/एस-1053329	मोदी इलेक्ट्रिक मैनू. क. 1982-03-12	IS 398 (भाग 1)- एस. ओ. 1406 तिथि मद्रास-600018	1985-04-06		1985-03-15
154. सी.एम/एस-1055838	नागपुर कैडक्टर्स प्रा.लि., 1982-03-15	IS 398 (भाग 2)- नागपुर-440028	-यथोपरि-		1983-03-31
155. सी.एम/एस-1058036	दि.टी. स्टेट वैटनस मैनु. एंड 1982-03-18	IS 10 (भाग 3)- स्टोल्स कार्पो. ग्राफ शूटार जिला जसपार्हगुड़ी	-यथोपरि-		1983-03-31
156. सी.एम/एस-1064839	मार्डेन इंडिप्रियल एंड रेस्ट्राइंजेज, 1982-04-12	IS 2512-1967 नई दिल्ली-110064	एस. ओ. 1635 तिथि 1985-04-20		1983-04-15
157. सी.एम/एस-1065235	फरीदाबाद बेटल उद्योग प्रा.लि. IS 3196-1974 1982-04-13	फरीदाबाद (हस्तिया)	एस. ओ. 1635 तिथि 1985-04-20		1983-04-15
158. सी.एम/एस-1078244	जैन प्लास्टिक गाँवियावाद (उ.प्र.) IS 4985-1968 1982-05-14		एस. ओ. 3996 तिथि 1985-08-24		1983-05-15
159. सी.एम/एस-1081738	गज केबल प्रा.लि., नौण्डा, 1982-05-20	IS 1554 (भाग 1)- जिला गाँवियावाद -1976	-यथोपरि-		1983-05-31
160. सी.एम/एस-1081940	माज्जा केबल क., गांधी नगर, 1982-05-20	IS 694-1977 दिल्ली-110030	-यथोपरि-		1983-05-31
161. सी.एम/एस-1088449	प्लास्टिक कला उद्योग बंबई- 1982-06-08	IS 4985-1968 400059	एस. ओ. 5598 तिथि 1985-12-14		1983-05-31
162. सी.एम/एस-1090941	डी. वी. कागज उद्योग प्रा.लि. IS 1551-1976 1982-06-17	जिला गाँवियावाद (उ.प्र.)	-यथोपरि-		1983-06-15
163. सी.एम/एस-1092137	मीरे उद्योग विनियोग लि., 1982-06-18	IS 4246-1978 फरीदाबाद (हस्तिया)	-यथोपरि-		1983-06-15
164. सी.एम/एस-1095648	न्यू मैट्रेन्स जूट मिल्स क. लि., 1982-06-29	IS 3790-1966 जिला 24 परगना (प.बं.)	एस. ओ. 5598 तिथि 1985-12-14		1983-04-30

[सं. सी.एम.डी/13:14)]

बी.प.न. सिंह, अपर महानिदेशक

New Delhi the 22nd September, 1987

S.O. 2854.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in Column 6:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Licensee	IS : No.	S.O. No. & Date of the Gazette Notifying Grant of Licence	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
LICENCES LAPSED					
1. CM/L-0002004 1956-10-24	Shree Digivijay Cement Co. Ltd., Sikka (Via Jamnagar) (Gujarat)		IS : 269—1976	S.R.O. 2679 dated 1956-11-17	Renewal was deferred after 1980-10-15; the licence now stands lapsed after that date

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	CM/L-0012916 1959-06-23	Alkali & Chemicals Corpn. of India Ltd., Calcutta-7	IS : 632—1978	—	Renewal was deferred after 1982-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
3.	CM/L-0034118 1961-09-02	Mysore Insecticides Co. (Andhra), Vijayawada (A.P.)	IS : 561—1978	S.O. 2447 dated 1961-10-14	Renewal was deferred 1982-08-31; the licence now stands lapsed after that date.
4.	CM/L-0048937 1962-12-26	Bhangar Bros & Co. Pvt. Ltd, Thana (Maharashtra)	IS : 325—1978	S.O. 241 dated 1963-01-26 -do-	Lapsed after 1983-01-15
5.	CM/L-0049030 1962-12-26	Bhangar Bros. & Co. Pvt. Ltd., Thana (Maharashtra)	IS : 996—1964		Lapsed after 1983-01-15
6.	CM L-0071326 1964-06-29	Sanganeria Co. Pvt. Ltd., Calcutta	IS : 1977—1975	S.O. 2590 dated 1964-08-01	Renewal was deferred after 1981-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
7.	CM/L-0178445 1968-09-10	Chaliha Rolling Mills Pvt. Ltd., Calcutta	IS : 278—1978	S.O. 3958 dated 1968-11-09	Renewal was deferred after 1981-09-15; the licence now stands lapsed after that date.
8.	CM/L-0219736 1970-01-01	A.J. Lopez & Sons, Cochin-682018 (Kerala)	IS : 10 (Part IV)- 1976	S.O. 771 dated 1970-02-28	Renewal was deferred after 1982-06-30; the licence now stands lapsed after that date.
9.	CM/L-0271637 1971-07-16	Shiva Durga Iron Works Pvt. Ltd., Howrah (West Bengal)	IS : 1538 (Part I to XXIII)— 1976	S.O. 3780 dated 1971-10-16	Renewal was deferred after 1983-03-15; the licence now stands lapsed after that date.
10.	CM/L-0333330 1973-02-22	Bharat Iron Works, Belgaum	IS : 1726—1974	S.O. 1553 dated 1973-06-02	Lapsed after 1983-02-28
11.	CM/L-0362741 1973-12-06	Bharat Iron Works, Belgaum (Karnataka)-590001	IS : 5455—1969	S.O. 1603 dated 1975-05-24	Lapsed after 1982-12-15
12.	CM/L-0368480 1974-01-25	Star Steel Pvt. Ltd., Baroda	IS : 1977—1975	S.O. 2016 dated 1975-06-28	Renewal was deferred after 1980-11-15; the licence now stands lapsed after that date.
13.	CM/L-0394653 1974-09-02	Indian Timber Industrials, Attathode Patta, P.O. Chalakudy, Distt. Trichur, (Kerala State)	IS : 10(Part III)—1974	S.O. 1762 dated 1976-05-29	Renewal was deferred after 1981-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
14.	CM/L-0390051 1974-09-23	Mohsina Enterprises, Dhone, Kurnool Distt (A.P.)	IS : 561—1978	-do-	Renewal was deferred after 1982-09-30; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15.	CM/L-0411728 1974-12-31	Mukand Iron & Steel Works Ltd., Thana (Maharashtra)	IS : 1875—1978	S.O. 2286 dated 1976-07-03	Renewal was deferred after 1982-05-31; the licence now stands lapsed after that date.
16.	CM/L-0419441 1975-01-30	Sunfarm Feeds, Hubli	IS : 2052—1979	S.O. 2465 dated 1976-07-10	Lapsed after 1983-01-31
17.	CM/L-0420527 1975-02-10	Rallis India Ltd., (Fertilizers & Pesticides Division) Howrah-711106	IS : 2567—1978	S.O. 2473 dated 1976-07-10	Lapsed after 1983-02-15
18.	CM/L-0431330 1974-04-14	Photophone Private Limited, Bombay-400072	IS : 4497—1979	S.O. 3550 dated 1976-10-09	Lapsed after 1983-04-15
19.	CM/L-0468656 1975-09-29	Vijaya Pulverisers, Guntur	IS : 564—1975	S.O. 832 dated 1977-03-19	Renewal was deferred after 1982-09-30; the licence now stands lapsed after that date.
20.	CM/L-0477758 1975-10-31	Agricultural Discs (India) Ltd., Nasik	IS : 4366 (Part I)—1972	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Renewal was deferred after 1982-01-31; the licence now stands lapsed after that date.
21.	CM/L-0489765 1975-12-12	Sri Vijaydurga Pulverising Mills, Bellary (Karnataka)	IS : 561—1978	S.O. 3083 dated 1977-10-08	Lapsed after 1983-02-28
22.	CM/L-0508642 1976-03-18	Jayshree Plastics, Calcutta	IS : 4984—1972	S.O. 12 dated 1979-01-06	Renewal was deferred after 1983-02-15; the licence now stands lapsed after that date.
23.	CM/L-0511833 1976-04-19	Sree Manjunatha Pulverisers, Bangalore-560022 (Karnataka)	IS : 633—1975	S.O. 314 dated 1979-01-27	Renewal was deferred after 1983-03-15; the licence now stands lapsed after that date.
24.	CM/L-0545244 1976-08-30	Nirmala Industries, Coimbatore (Tamilnadu)	IS : 325—1978	S.O. 3548 dated 1979-10-20	Renewal was deferred after 1979-08-31; the licence now stands lapsed after that date.
25.	CM/L-0560947 1976-10-29	Ureka Electric Company, P.O. Garia Distt. 24 Parganas	IS : 2596—1964	S.O. 3550 dated 1979-10-20	Renewal was deferred after 1982-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
26.	CM/L-0563044 1976-11-05	Rajasthan Paints, Jaipur (Rajasthan)	IS : 419—1967	S.O. 3761 dated 1979-11-17	Renewal was deferred after 1982-11-15; the licence now stands lapsed after that date.
27.	CM/L-0566353 1976-11-24	Navamani & Co., Coimbatore (Tamilnadu)	IS : 325—1978	-do-	Renewal was deferred after 1982-12-15; the licence now stands lapsed after that date.
28.	CM/L-0588262 1977-02-08	Hindustan Rolling Mills, P.O. Ektiasal, Distt. Jalpaiguri (W.B.)	IS : 226—1975	S.O. 731 dated 1980-03-22	Renewal was deferred after 1982-01-31; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29. CM/L-0606339 1977-04-25	Universal Electrics Ltd., Joka, 24 Parganas (W. Bengal)	IS : 3231—1965	S.O. 786 dated 1980-03-29	Renewal was deferred after 1982-04-30; the licence now stands lapsed after that date.	
30. CM/L-0608545 1977-05-04	Crop Health Products Pvt. Ltd., Ghaziabad (U.P.)	IS : 5281—1979	S.O. 283 dated 1981-01-24	Lapsed after 1983-05-15	
31. CM/L-0624038 1977-07-12	Bharat Pesticides Industries Pvt. Ltd., Ahmedabad (Gujarat)	IS : 7122—1973	S.O. 754 dated 1981-03-07	Renewal was deferred after 1981-07-15; the licence now stands lapsed after that date.	
32. CM/L-0652447 1977-11-07	B.D. Steel Castings Ltd., Boisar, Distt. Thana (Maharashtra)	IS : 6915—1978	S.O. 1223 dated 1981-04-18	Renewal was deferred after 1982-05-15; the licence now stands lapsed after that date.	
33. CM/L-0866155 1978-01-13	Shree Ram Steel Rolling Mills, Thana (Maharashtra)	IS : 226—1975	S.O. 1615 dated 1981-05-30	Renewal was deferred after 1982-01-15; the licence now stands lapsed after that date.	
34. CM/L-0666357 1978-01-13	Esskay Steel Rolling Mills, Thana	IS : 1977—1975	-do-	Renewal was deferred after 1982-01-31; the licence now stands lapsed after that date.	
35. CM/L-0696265 1978-03-31	International Metal Industries, P.O. Bhayandar, Distt. Thana (Maharashtra)	IS : 1660 (Part I)—1967	S.O. 1664 dated 1981-06-06	Renewal was deferred after 1981-04-15; the licence now stands lapsed after that date.	
36. CM/L-0717449 1978-08-21	Nav Fibro Plastics, Pune (Maharashtra)	IS : 5225—1969	S.O. 2180 dated 1981-08-15	Renewal was deferred after 1982-08-31; the licence now stands lapsed after that date.	
37. CM/L-0720438 1978-09-11	Citizen Paints, Amritsar (Punjab)	IS : 419—1967	S.O. 2215 dated 1981-08-22	Renewal was deferred after 1982-09-15; the licence now stands lapsed after that date.	
38. CM/L-0724547 1978-09-25	Modern Products, Bombay	IS : 371—1979	-do-	Renewal was deferred after 1981-09-30; the licence now stands lapsed after that date.	
39. CM/L-0739964 1978-12-07	Shellac Corporation of India, Gondia (Maharashtra)	IS : 868—1956	S.O. 2276 dated 1981-08-29	Renewal was deferred after 1982-12-15; the licence now stands lapsed after that date.	
40. CM/L-0747458 1979-01-11	Liberty Steels Pvt. Ltd., Bhiwani, Distt. Thana	IS : 226—1975	S.O. 2277 dated 1981-08-29	Renewal was deferred after 1982-01-15 the licence now stands lapsed after that date.	
41. CM/L-0753857 1979-02-09	Universal Steel Industries, Thana, Maharashtra State	IS : 226—1975	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Renewal was deferred after 1983-02-28; the licence now stands lapsed after that date.	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
42. CM/L-0755255 1979-02-21	New Kashmir Steel Rolling Mills, Jammu Tawi	IS : 1977—1975	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Lapsed after	1983-02-28
43. CM/L-0757663 1979-02-28	Rallis India Ltd., (Fertilizers & Pesticides Division), Madras	IS : 2682—1966	-do-	Lapsed after	1983-02-28
44. CM/L-0760450 1979-03-09	Assam Petro Chemicals I.ltd. Namrup P.O., Parbatur Distt. Dibrugarh (Assam)	IS : 848 —1974	S.O. 2585 dated 1981-10-03	Renewal was deferred after 1983-03-15; the licence now stands lapsed after that date.	
45. CM/L-0761856 1979-03-12	Plywood Products India Calcutta	IS : 10 (Part IV) 1976	-do-	Lapsed after	1983-03-15
46. CM/L-0764660 1979-03-22	Community Engineering Works, Trivandrum	IS : 3062 —1974	-do-	Lapsed after	1983-03-31
47. CM/L-0785769 1979-07-13	Krishna Metal Industries, Hyderabad	IS : 1786—1979	S.O. 3443 dated 1981-12-26	Renewal was deferred after 1982-07-15; the licence now stands lapsed after that date.	
48. CM/L-0789171 1979-07-31	Vijay Tanks & Vessels Pvt. Ltd., Bombay-400072	IS : 3575—1977	-do-	Renewal was deferred after 1982-08-15; the licence now stands lapsed after that date.	
49. CM/L-0791461 1979-08-06	Liberty Steels Pvt. Ltd., Bhiwani, Distt. Thana	IS : 1977—1975	S.O. 3446 dated 1981-12-26	Renewal was deferred after 1982-08-15; the licence now stands lapsed after that date.	
50. CM/L-0802945 1979-09-27	Lokan Thermometers, Ambala Cantt (Haryana)	IS : 3055 (Part I)—1977	S.O. 1772 dated 1982-05-15	Renewal was deferred after 1982-10-15; the licence now stands lapsed after that date.	
51. CM/L-0812241 1979-11-07	Seven Hills Agro Chemicals, Narasaraopet-522602 Distt. Guntur (A.P.)	IS : 561—1978	S.O. 1832 dated 1982-05-22	Renewal was deferred after 1982-11-15; the licence now stands lapsed after that date.	
52. CM/L-0822143 1979-12-20	Community Engg. Works, Trivandrum-695019 (Kerala)	IS : 1970 (Part I)—1974	S.O. 2320 dated 1982-07-03	Lapsed after	1982-12-31
53. CM/L-0828256 1980-01-02	Standard Cylinders Pvt. Ltd., Gurgaon (Haryana)	IS : 3196—1974	S.O. 3104 dated 1982-09-04	Renewal was deferred after 1982-12-31; the licence now stands lapsed after that date.	
54. CM/L-0835758 1980-01-31	Pilot India, Jullunder City	IS : 2834—1964	-do-	Renewal was deferred after 1982-01-31 the licence now stands lapsed after that date.	
55. CM/L-0846157 1980-03-10	Fasteners & Farmers, Bangalore	IS : 280—1978	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1982-03-15; the licence now stands lapsed after that date.	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
56.	CM/L-0852051 1980-03-26	Yomico Minerals & Chemicals, Vadodara (Gujarat)	IS : 2567—1978 S.O. 4452 dated 1983-12-10		Lapsed after 1983-03-31
57.	CM/L-0852253 1980-03-26	Raj Techo Enterprises, Sikandrabad, Distt. Balandshar (U.P.)	IS : 8249—1976 -do-		Lapsed after 1983-03-31
58.	CM/L-0857364 1980-03-31	Bengal Arc Steel Ltd. P.O. Distt. Purulia	IS : 6915—1978 -do-		Lapsed after 1983-04-15
59.	CM/L-0858467 1980-03-31	Nellimarra Jute Mills Co. Ltd., Distt. Vizianagaram (Andhra Pradesh)	IS : 1943—1964 -do-		Lapsed after 1983-04-15
60.	CM/L-0870962 1980-06-04	Sakbery Engg. Corporation, Jhargram, Distt. Midnapur (W.B.)	IS : 1239 (Part I) dated 1979 S.O. 4459 dated 1983-12-10		Renewal was deferred after 1982-05-31; the licence now stands lapsed after that date.
61.	CM/L-0884165 1980-07-29	National Agro Chemicals, Patna-800013 (Bihar)	IS:2568 —1978 S.O. 4533 dated 1983-12-17		Renewal was deferred after 1982-08-15; the licence now stands lapsed after that date.
62.	CM/L-0885268 1980-07-30	Universal Steel Industries Thana, (Maharashtra)	IS:1977- 1975 -do-		Renewal was deferred after 1982-08-15; the licence now stands lapsed after that date.
63.	CM/L-0889579 1980-08-18	Centwin Hosiery Mills, Tirupur	IS:4964- 1980 S.O.4531 dated 1983-12-17		Renewal was deferred after 1982-08-31; the licence now stands lapsed after that date
64.	CM/L-0900440 1980-09-24	Jintan Clinical Thermometer Co. (India) Pvt. Ltd., Surendra-nagar (Gujarat)	IS:3055 (Part I) dated 1983-12-24 1977		Renewal was deferred after 1981-09-30; the licence now stand lapsed after that date.
65.	CM/L-0906048 1980-10-10	Ashok Engineering (Bihar) Pvt. Ltd., Sahokhur, P.O. Sohsarai, Nalanda	IS:226- 1975 S.O.4613 dated 1983-12-24		Renewal was deferred after 1982-10-15; the licence now stand lapsed after that date.
66.	CM/L-0910443 1980-10-30	Ashok Engineering (Bihar) Pvt. Ltd., Sahokr, P.O. Sohsarai, Nalanda	IS:1786 -1979 -do-		Renewal was deferred after 1982-11-15; the licence now stands lapsed after that date.
67.	CM/L-0918257 1980-11-28	Bharat Steel Industries, Hyderabad	IS:226- 1975 S.O.644 dated 1984-03-03		Renewal was deferred after 1982-12-15; the licence now stands lapsed after that date.
68.	CM/L- 0921751 1980-12-10	Mysore Wire & Metal Industries Bangalore	IS:4800(Part IX)—1971 S.O.1591 dated 1984-05-12		Renewal was deferred after 1981-12-15; the licence now stands lapsed after that date.
69.	CM/L-0922652 1980-12-11	New Advance Shoe Factory, Agra (U.P.)	IS:1989 (Part I)—1978 IS:1989 (Part II)—1978 S.O.1591 dated 1984-05-12		Renewal was deferred after 1981-12-31; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
70.	CM/L—0925759 1980-12-24	Apex Minerals & Chemicals, Khadivar, Post Bodali, Dist. Panchmahals (Gujarat)	IS:2567—1978	S.O. 1591 dated 1984-05-12	Renewal was deferred after 1983-01-15; the licence now stands lapsed after that date. Lapsed after 1983-01-15.
71.	CM/L—0927460 1980-12-31	Steel Corporation of Punjab, Kapurthala (Punjab)	IS:1977—1975	-do-	Lapsed after 1983-01-15.
72.	CM/L—0927763 1980-12-31	Asoka Foods, Hyderabad-500013 (Andhra Pradesh)	IS:7187—1974	-do-	Lapsed after 1983-01-15
73.	CM/L—0933051 1981-01-23	New Chemi Industries Pvt. Ltd., Bombay.	IS:2569—1978	S.O.1830 dated 1984-06-09	Renewal was deferred after 1983-01-31; the licence stands lapsed after that date.
74.	CM/L—0939063 1981-02-03	Modi Steels (Prop. Modi Ind. Ltd.; Modinagar, Distt., Guaziabad (U.P.))	IS:1875—1978	S.O.4241 dated 1984-12-08	Renewal was deferred after 1983-02-15; the licence now stands lapsed after that date. Lapsed after 1983-02-28.
75.	CM/L—0944561 1981-02-16	Bonded Packaging (P) Ltd., Kanpur (U.P.)	IS:7406(Part II)—1980	-do-	Lapsed after 1983-02-28.
76.	CM/L—0947264 1981-02-26	Kanpur Plastipack Pvt. Ltd., Kanpur (U.P.)	-do-	S.O.4241 dated 1984-12-08	Lapsed after 1983-02-28.
77.	CM/L—0949167 1981-03-04	Super Forgings & Steels (Sales) P. Ltd., Calcutta	IS:3748—1978	S.O.320 dated 1985-01-26	Renewal was deferred after 1982-03-15; the licence now stands lapsed after that date.
78.	CM/L—0949268 1981-03-04	Super Forgings & Steel (Sales) Pvt. Ltd., Calcutta-700001	IS:3749—1948	-do-	Renewal was deferred after 1982-03-15; the licence now stands lapsed after that date.
79.	CM/L—0950152 1981-03-06	M.C. Mowjee & Co. Pvt. Ltd, Calcutta	IS:281—1973	-do-	Renewal was deferred after 1983-03-15; the licence now stands lapsed after that date.
80.	CM/L—0951053 1981-03-10	Smita Inks & Paints Mfg., Ahmedabad	IS:1222—1973	-do-	Lapsed after 1983-03-15.
81.	CM/L—0952762 1981-03-12	Prabhat Match Factory Ettayapuram	IS:2653—1964	-do-	Renewal was deferred after 1982-04-31; the licence now stands lapsed after that date.
82.	CM/L—0953663 1981-03-16	Tigrania Metal & Steel Ind., Nasik	IS:226—1975	-do-	Renewal was deferred after 1982-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
83.	CM/L—0959978 1981-03-26	Excel Match Company, (A Unit of Asia Match Co. Pvt. Ltd, Sattue (Tamil Nadu))	IS:2653—1964	-do-	Lapsed after 1983-03-15.
84.	CM/L—0960963 1981-03-30	Vibromachines (India) Pvt. Ltd., Howrah (W.B.)	IS:1601—1960	-do-	Renewal was deferred after 1982-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
85.	CM/L—0961157 1981-03-30	Samantaray Steel Inds., Pvt. Ltd., P.O. Telengapenth, Distt. Cuttack (Orissa)	IS:226—1975	S.O.320 dated 1985-01-26	Renewal was deferred after 1982-04-15; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
86.	CM/L—0968575 1981-05-11	Samantaray Steel Ind. Pvt. Ltd., P.O. Telengapenth, Distt. Cuttack (Orissa)	IS:1977—1975	S.O.326 dated 1985-01-26	Renewal was deferred after 1982-05-31; the licence now stands lapsed after that date.
87.	CM/L—0968777 1988-05-13	Bharat Pulverising Mills Pvt. Ltd., Bhavnagar (Gujarat)	IS:7122—1973	-do-	Renewal was deferred after 1982-05-31; the licence now stands lapsed after that date.
88.	CM/L—0989684 1981-08-21	Rohtas Re-rolling Mills, Dehri-on Sone, Distt. Routas	IS:1977—1975	S.O.747 dated 1985-02-23	Renewal was deferred after 1982-08-31: the licence now stands lapsed after that date.
89.	CM/L—0992673 1981-08-31	Vijaya Chemical & Toilet Works, Madras-600004 (Tamil Nadu)	IS:3959—1978	-do-	Renewal was deferred after 1982-09-15; the licence now stands lapsed after that date.
90.	CM/L—0997784 1981-09-21	Fin Ink Works, New Delhi.	IS:1222—1973	S.O.1015 dated 1985-03-09	Renewal was deferred after 1982-09-30; the licence now stands lapsed after that date.
91.	CM/L—1002514 1981-10-22	Shree Farm Chemicals (P) Ltd., Guntur (A.P.)	IS:633—1975	S.O.1014 dated 1985-03-09	Renewal was deferred after 1982-10-31; the licence now stands lapsed after that date.
92.	CM/L—1006118 1981-11-02	Shree Farm Chemicals (P) Ltd., Guntur (A.P.)	IS:561—1975	S.O.1016 dated 1985-03-09	Renewal was deferred after 1982-11-15; the licence now stands lapsed after that date.
93.	CM/L—1006219 1981-11-02	Shree Farm Chemicals (P) Ltd., Cuntur (A.P.)	IS:4323—1967	-do-	Renewal was deferred after 1982-11-15: the licence now stands lapsed after that date.
94.	CM/L—1018327 1981-12-11	Rana Steels, Saharanpur	IS:226—1975	S.O.1021 dated 1985-03-09	Lapsed after 1982-12-15
95.	CM/L—1022924 1981-12-29	Dhingal Drawing Board Co., Yamuna Nagar	IS:10 (Part III)—1974	-do-	Lapsed after 1983-01-15
96.	CM/L—1027227 1982-01-11	Nagarjuna Agro & Steel Corpn., Guntrur Dist.	IS:8487—1977	S.O.1295 dated 1985-03-30	Lapsed after 1983-01-31
97.	CM/L—1028431 1982-01-12	Kanwal Scientific Production Pvt. Ltd., Dehradun	IS:3055 (Part I)—1977	-do-	Lapsed after 1983-01-31
98.	CM/L—1036632 1982-02-10	Eagal Paint & Pigment Industries (P) Ltd. Allahabad	IS:2074—1979	S.O.1397 dated 1985-04-06	Lapsed after 1983-02-15
99.	CM/L—1040522 1982-02-22	Hiten & Co., Dhanbad	IS:9182 (Part I)—1979	-do-	Lapsed after 1983-02-28
100.	CM/L—1040623 1982-02-22	Hiten & Co., Dhanbad	IS:9182 (Part II)—1979	-do-	Lapsed after 1983-02-28
101.	CM/L—1044934 1982-02-26	G.R. Steels & Alloys Pvt. Ltd., Bangalore	IS:1786—1979	-do-	Lapsed after 1983-03-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
102.	CM/L—1046736 1982-02-27	Chandra Refineries, Distt. Najibabad	IS:7401—1974	S.O. 1397 dated 1985-04-06	Lapsed after 1983-03-15
103.	CM/L—1047839 1982-03-07	Poona Rubber Mfgs. Pvt. Ltd., Pune	IS:1891—1978	S.O.1406 dated 1985-04-06	Lapsed after 1983-03-15
104.	CM/L—1054230 1982-03-14	Batra Iron & Steel Works Kumhari, Distt. Durg (M.P.)	IS:1977—1975	S.O.1406 dated 1985-04-06	Lapsed after 1983-03-31
105.	CM/L—1055232 1982-03-15	Petrochem Wax Industries Bangalore	IS:4654—1974	-do-	Lapsed after 1983-03-31
106.	CM/L—1059038 1982-03-19	Gujarat Paraffin Pvt. Ltd. Kalol (N. Gujarat)	IS:7401—1974	-do-	Lapsed after 1983-03-31
107.	CM/L—1065134 1982-04-12	Jay Kay Paint Industries, Delhi	IS:419—1967	S.O.1635 dated 1985-04-20	Lapsed after 1983-04-15
108.	CM/L—1088045 1982-06-05	Bimal Engg. Works, Jalandhar	IS:1879 (Part I to X)—1975	S.O.5598 dated 1985-12-14	Lapsed after 1983-06-15
LICENCES DEFERRED					DEFERRED AFTER
109.	CM/L—0357243 1973-10-19	Escorts Ltd., Faridabad- 121002 (Haryana)	IS:5423—1969	S.O.1556 dated 1975-05-17	1983-04-30
110.	CM/L—0419845 1975-02-10	Govan Industries Corporation, New Delhi	IS:1554 (Part F)—1976	S.O.2473 dated 1976-07-10	1983-03-31
111.	CM/L—0434740 1975-04-25	Varalakshmi Engineering Works, Chittor Distt. (A.P.)	IS:325—1978	S.O.3550 dated 1976-10-09	1983-04-30
112.	CM/L—0434841 1975-04-25	Commercial Services Agency, Calcutta-700001	IS:1938—1974	-do-	1983-04-30
113.	CM/L—0504937 1976-03-01	Promain Cable Inds. Delhi-110052	IS:1554 (Part I)—1976	S.O.12 dated 1979-01-06	1983-03-31
114.	CM/L—0509543 1976-03-29	Tata Chemicals Ltd., Okhamandal-361350 (Gujarat)	IS:1311—1966	S.O.12 dated 1979-01-06	1983-04-30
115.	CM/L—0510326 1976-03-31	The Super Tannery (Engg. Division) Kanpur-208010 (U.P.)	IS:5852—1977	-do-	1983-04-30
116.	CM/L—0513433 1976-04-19	Corone Industries, Calcutta-700006 (West Bengal)	IS:4174—1977	S.O.314 dated 1979-01-27	1983-04-15
117.	CM/L—515235 1976-04-28	Fedders Lloyd Corp. Pvt. Ltd., New Delhi- 110019	IS:1476—1979	-do-	1983-04-30
118.	CM/L—0572348 1976-12-24	Inventa Corporation, Vapi-396191 (Gujarat)	IS:634—1965	S.O.3762 dated 1979-11-17	1983-03-15
119.	CM/L—0597970 1977-03-22	Taherally Esufally Rangwalla, Bombay- 400011 Maharashtra	IS:5346—1975	S.O.787 dated 1980-03-29	1983-03-31
120.	CM/L—0673152 1978-01-31	International Agency (India) Calcutta-700061	IS:4323—1967	S.O.1615 dated 1981-05-30	1983-02-15
121.	CM/L—0685260 1978-03-14	Hearlers India Madras-600026 (TN)	IS:1061—1975	S.O.1664 dated 1981-06-06	1983-03-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
122.	CM/L—0686969 1978-03-20	B.N. Bhaskar & Sons, Faridabad-121003 (Haryana)	IS:458—1971	S.O.1664 dated 1981-06-06	1983-03-31
123.	CM/L—0690859 1978-03-29	National Carbon Co. Calcutta-700002 (West Bengal)	IS:203—1972	-do-	1983-04-30
124.	CM/L—0767868 1979-03-30	Excel Industries Ltd., Bhavnagar (Gujarat)	IS:4344—1978	S.O.2585 dated 1981-10-03	1983-04-15
125.	CM/L—0768264 1979-03-30	National Electrical Inds. Ltd., Bombay- 400012 (Maharashtra)	IS:7538—1975	-do-	1983-04-15
126.	CM/L—0770049 1979-04-09	Ram Kishan Ispat Ltd., Maharashtra	IS:6914—1978	S.O.2974 dated 1981-10-31	1983-04-15
127.	CM/L—0770150 1979-04-09	-do-	IS:6915—1978	-do-	1983-04-15
128.	CM/L—0771657 1979-04-20	Sur Fire Equipment Co. Pvt. Ltd., Calcutta- 700015	IS:4989—1974	-do-	1983-04-30
129.	CM/L—0778570 1979-05-30	Diwakar Engineers Ltd., Wazirpur, Delhi	IS:1239(Part I)—1979	S.O.3147 dated 1981-11-21	1983-05-31
130.	CM/L—0836659 1980-02-07	Geep Industrial Syndi- cate Ltd., Allahabad	IS:2576—1975	S.O.3445 dated 1982-10-02	1983-02-15
131.	CM/L—0837358 1980-02-20	Super Industries, Naroda, Ahmedabad	IS:564—1975	S.O.3445 dated 1982-10-02	1983-02-28
132.	CM/L—0841349 1980-02-27	Ideal Hosieries, Tirupur-638604	IS:4964—1980	-do-	1983-03-15
133.	CM/L—0847765 1980-03-14	The Indian Aluminium Cables Ltd., Faridabad- 121003 (Haryana)	IS:694—1977	S.O.4452 dated 1983-12-10	1983-03-31
134.	CM/L—0849365 1980-03-19	Meenakshi Steel Rerol- ling Mills, Bangalore- 560029	IS:226—1975	S.O.4452 dated 1983-12-10	1982-03-31
135.	CM/L—0850653 1980-03-25	Ratanhari Rolling Mills, Magarwara, Distt. Unnao	IS:1786—1979	S.O.4452 dated 1983-12-10	1983-03-31
136.	CM/L—0853962 1980-03-31	The Goa Steel Rolling Mill & Allied Industries Goa-403504	IS:226—1975	-do-	1983-03-31
137.	CM/L—0854661 1980-03-31	Meena Steels Ltd., Unnao	IS:6915—1978	-do-	1983-04-15
138.	CM/L—0858265 1980-03-31	Dec Key Engineering Works, Kanpur-208022 (U.P.)	IS:5852—1977	-do-	1983-04-15
139.	CM/L—0858366 1980-03-31	Agarwal Chemical Industries, Dist. Bijnore (U.P.)	IS:4654—1974	-do-	1983-04-15
140.	CM/L—0863460 1980-04-07	Bright Cables, Delhi- 110052	IS:1554(Part I)—1976	S.O.4453 dated 1983-12-10	1983-04-15
141.	CM/L—0863864 1980-04-16	Singh Steel Re-rolling Mills, Madras-600081	IS:226—1975	-do-	1983-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
142.	CM/L—0952358 1981-03-11	Velmurugar Factory, Coimbatore-641007	IS:325—1978	S.O.320 dated 1985-01-26	1983-03-31
143.	CM/L—0953360 1981-03-16	Maharashtra Steel Rolling Mills, Nagpur- 440008	IS:226—1975	-do-	1983-03-31
144.	CM/L—0954261 1981-03-17	Ansons Electro Mechanical Works, Bombay-400003	IS:4250—1967	S.O.320 dated 1985-01-26	1983-03-31
145.	CM/L—0955768 1981-03-20	Dynamic Controls Co. Pvt. Ltd., Ahmedabad- 380024	IS:2148—1968	-do-	1983-03-31
146.	CM/L—0961965 1981-04-03	Sundeep Metal Works Aurangabad (Maharashtra)	IS:398 (Part I & II)—1976	S.O.323 dated 1985-01-26	1983-04-15
147.	CM/L—0964264 1981-04-22	B.M. Auto India, Distt. Sonepat (Haryana)	IS:1135—1973	-do-	1983-04-30
148.	CM/L—0971160 1981-05-22	Standard Metal Wires (P) Ltd., New Delhi- 110028	IS:398 (Part I & II)—1976	S.O.326 dated 1985-01-26	1983-05-15
149.	CM/L—0972768 1981-05-27	Mansfield Cables Distt. Ghaziabad (U.P.)	IS:1554 (Part I)—1976	S.O.326 dated 1985-01-26	1983-05-31
150.	CM/L—0976069 1981-06-12	Plastochem Ghaziabad	IS:4985—1968	S.O.545 dated 1985-02-09	1983-06-15
151.	CM/L—1039335 1982-02-17	Electrometal (India) Pvt. Ltd., 24 Parganas West Bengal	IS:804—1967	S.O.1397 dated 1985-04-06	1983-02-28
152.	CM/L—1041625 1982-02-26	Hansa Industries, Bombay-400015	IS:4246—1978	-do-	1983-03-15
153.	CM/L—1053329 1982-03-12	Modi Electric Mfg. Co. Madras-600018	IS:399 (Part I)—1976	S.O.1406 dated 1985-04-06	1983-03-15
154.	CM/L—1055838 1982-03-15	Nagpur Conductors Pvt. Ltd., Nagpur-440028	IS:398 (Part II)—1976	-do-	1983-03-31
155.	CM/L—1058036 1982-03-18	The Tea-Ghest Battens Mfg. & Sales Corpn. of Bhutan Distt. Jalpaiguri	IS:10 (Part III)—1974	-do-	1983-03-31
156.	CM/L—1064839 1982-04-12	Modern Industries Enterprises, New Delhi- 110064	IS:2312—1967	S.O.1635 dated 1985-04-20	1983-04-15
157.	CM/L—1065235 1982-04-13	Faridabad Metal Udyog Pvt. Ltd., Faridabad (Haryana)	IS:3196—1974	S.O.1635 dated 1985-04-20	1983-04-15
158.	CM/L—1078244 1982-05-14	Jain Plastics, Ghaziabad (U.P.)	IS:4985—1968	S.O.3996 dated 1985-08-24	1983-05-15
159.	CM/L—1081738 1982-05-20	Raj Cables Pvt. Ltd., Noida Distt. Ghaziabad	IS:1554 (Part I)—1976	S.O.3996 dated 1985-08-24	1983-05-31
160.	CM/L—1081940 1982-05-20	Mazda Cable Co., Ghandhi Nagar, Delhi-110030	IS:694—1977	-do-	1983-05-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
161.	CM/L—1088449 1982-06-08	Plastic Kala Udyog, Bombay-400059	IS:4985—1968	S.O.5598 dated 1985-12-14	1983-05-31
162.	CM/L—1090941 1982-06-17	Dee Pee Kagaj Udyog Pvt. Ltd., Distt. Ghaziabad (U.P.)	IS:1551—1976	S.O.5598 dated 1985-12-14	1983-06-15
163.	CM/L—1092137 1982-06-18	Mauria Udyog Viniyog Ltd., Faridabad (Haryana)	IS:4246—1978	-do-	1983-06-15
164.	CM/L—1095648 1982-06-29	New Central Jute Mills Co. Ltd., Distt. 24 Parganas (W.B.)	IS:3790—1966	S.O.5598 dated 1985-12-14	1983-04-30

[No. CMD/13 : 14]

B. N. SINGH, Addl. Director General

का, आ. 2855:—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विहन) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 821 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका फरवरी 1986 में नवीकरण किया गया है;

अनुसूची

क्रम संख्या	सी एम/एल	वैध	भारतीय मानक
संख्या	में	तक	विशिष्ट की पद संख्या

(1)	(2)	(3)
1.	0005111	1987-01-31
2.	0007822	1987-01-31
3.	0015821	1986-01-31
4.	0020814	1987-02-15
5.	0022616	1987-01-15
6.	0027222	1986-03-15
7.	0037629	1986-01-15
8.	0052928	1987-01-31
9.	0069844	1987-01-15
10.	0075233	1987-01-15
11.	0078845	1986-12-15
12.	0083434	1987-01-31
13.	0088444	1986-11-30
14.	0091029	1986-11-30
15.	0098144	1986-12-31
16.	0098750	1987-01-31
17.	0098952	1987-01-31
18.	0099853	1986-02-15
19.	0110916	1987-01-31
20.	0115219	1987-01-31
21.	0118427	1986-02-28
22.	0122822	1987-02-15
23.	0123117	1987-01-31
24.	0131924	1987-01-15

(1)	(2)	(3)
25.	0135326	1986-12-31
26.	0147838	1987-01-31
27.	0148840	1987-01-31
28.	0149438	1987-02-28
29.	0151627	1987-01-15
30.	0160628	1987-01-15
31.	0162733	1987-01-31
32.	0163836	1987-02-15
33.	0171532	1987-12-15
34.	0171633	1985-12-15
35.	0173334	1987-01-15
36.	0177746	1986-03-31
37.	0181737	1986-10-31
38.	0187850	1986-12-31
39.	0188347	1986-12-31
40.	0188953	1986-01-15
41.	0200311	1987-01-31
42.	0214423	1987-01-15
43.	0217429	1986-02-15
44.	0217732	1986-12-31
45.	0221319	1987-01-15
46.	0223828	1987-01-31
47.	0223929	1987-01-31
48.	0224830	1987-02-15
49.	0224931	1987-02-15
50.	0227028	1986-02-28
51.	0228131	1986-12-31
52.	0230118	1986-04-30
53.	0237738	1987-02-15
54.	0253736	1986-03-01
55.	0261836	1987-01-31
56.	0261937	1986-01-01
57.	0271132	1986-01-31
58.	0272841	1986-12-31
59.	0274643	1987-02-15
60.	0283543	1987-06-30
61.	0284444	1987-02-28
62.	0285749	1986-12-31
63.	0286650	1987-01-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
64.	0286751	1987-02-15	119.	0420123	1987-02-15
65.	0287854	1986-01-31	120.	0420325	1986-06-30
66.	0288755	1987-01-31	121.	0421125	1987-02-15
67.	0292241	1987-02-15	122.	0421226	1896-02-15
68.	0294144	1987-02-28	123.	0421731	1987-02-28
69.	0294245	1986-12-15	124.	0423634	1986-02-28
70.	0295045	1986-12-31	125.	0423735	1987-02-28
71.	0298657	1987-02-15	126.	0430631	1986-12-31
72.	0318536	1987-01-31	127.	0440735	1987-02-15
73.	0322325	1986-11-30	128.	0460943	1987-01-15
74.	0324228	1987-02-28	129.	0464345	1986-11-30
75.	0331023	1987-01-31	130.	0469961	1985-10-01
76.	0331326	1987-01-31	131.	0470037	1985-10-01
77.	0332530	1987-02-15	132.	0473548	1986-12-31
78.	0343131	1987-01-31	133.	0473649	1986-12-31
79.	0358346	1986-12-31	134.	0473952	1986-12-31
80.	0359550	1986-12-31	135.	0474146	1986-02-15
81.	0361234	1987-01-31	136.	0476049	1986-12-31
82.	0362034	1986-12-15	137.	0477253	1986-10-31
83.	0366749	1987-01-15	138.	0478356	1986-12-15
84.	0368854	1987-01-31	139.	0480949	1986-11-30
85.	0369654	1987-01-31	140.	0482852	1986-11-15
86.	0370235	1987-01-31	141.	0484452	1986-11-30
87.	0371641	1987-02-15	142.	0484957	1986-11-30
88.	0371944	1987-02-15	143.	0485050	1986-11-30
89.	0372037	1987-02-15	144.	0491651	1986-12-31
90.	0372845	1987-02-28	145.	0494051	1987-02-28
91.	0381543	1987-02-15	146.	0494152	1986-01-16
92.	0381644	1987-02-15	147.	0494556	1987-02-28
93.	0382848	1987-01-15	148.	0495659	1987-01-15
94.	0382949	1987-01-31	149.	0496257	1987-01-31
95.	0383042	1987-01-31	150.	0497057	1987-01-31
96.	0383648	1987-01-31	151.	0497865	1987-01-31
97.	0383749	1987-01-31	152.	0497966	1987-01-31
98.	0389357	1987-01-31	153.	0498160	1987-01-31
99.	0390140	1987-01-31	154.	0498261	1987-01-15
100.	0401321	1987-01-31	155.	0499061	1987-02-28
101.	0401725	1987-01-31	156.	0499667	1987-02-15
102.	0401927	1986-10-31	157.	0500121	1987-01-31
103.	0402929	1986-11-15	158.	0500222	1987-02-15
104.	0406028	1986-11-30	159.	0501224	1987-02-15
105.	0408739	1987-01-31	160.	0501931	1987-02-15
106.	0410019	1987-02-28	161.	0502024	1987-02-28
107.	0411122	1986-12-31	162.	0503026	1987-02-28
108.	0414532	1986-12-15	163.	05040281	1987-02-28
109.	0415231	1987-01-31	164.	0505030	1987-01-15
110.	0415332	1987-01-31	165.	0506133	1987-01-15
111.	0415534	1987-01-31	166.	0506335	1987-01-15
112.	0416031	1986-01-31	167.	0507640	1986-12-31
113.	0416132	1986-03-01	168.	0517946	1987-01-31
114.	0416435	1987-01-31	169.	0518443	1986-12-15
115.	0416536	1987-01-31	170.	0537952	1986-12-31
116.	0417639	1987-01-31	171.	0550439	1987-01-31
117.	0418338	1987-01-31	172.	0554144	1986-09-30
118.	0419946	1987-01-31	173.	0557453	1987-02-28

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
174.	0559760	1986-10-31	229.	0667965	1987-01-31
175.	0563755	1987-02-28	230.	0668260	1987-01-15
176.	0570748	1987-01-15	231.	0668462	1987-01-15
177.	0572146	1987-01-15	232.	0670045	1987-01-31
178.	0572752	1987-02-28	233.	0670247	1987-01-31
179.	0575758	1986-12-31	234.	0670752	1987-01-31
180.	0576356	1987-01-15	235.	0671451	1987-02-28
181.	0577156	1986-2-15	236.	0671653	1987-01-31
182.	0578966	1986-12-31	237.	0672352	1987-02-15
183.	0579261	1987-01-15	238.	0672554	1977-01-31
184.	0580953	1987-01-15	239.	0673051	1987-02-28
185.	0581551	1987-01-15	240.	0673758	1987-01-31
186.	0581753	1987-01-31	241.	0673960	1987-02-15
187.	0582755	1987-01-15	242.	0674760	1987-02-15
188.	0582957	1987-01-15	243.	0674861	1987-02-15
189.	0583151	1987-01-31	244.	0675358	1987-02-15
190.	0583353	1987-01-15	245.	0675762	1987-02-15
191.	0583858	1987-01-31	246.	0676764	1987-02-28
192.	0585862	1987-02-15	247.	0676966	1987-02-28
193.	0585963	1987-02-15	248.	0677261	1987-02-28
194.	0587159	1987-01-31	249.	0677665	1987-02-28
195.	0588565	1987-02-15	250.	0677867	1987-02-28
196.	0589062	1987-02-15	251.	0679972	1987-02-28
197.	0589163	1987-02-15	252.	0680048	1987-02-28
198.	0589264	1987-02-15	253.	0684258	1987-02-15
199.	0591352	1987-02-15	254.	0684359	1986-12-31
200.	0592859	1987-02-28	255.	0684460	1986-12-31
201.	0593053	1987-01-31	256.	0684561	1986-12-31
202.	0593154	1987-01-15	257.	0687567	1986-12-31
203.	0593558	1987-02-28	258.	0691356	1986-03-31
204.	0593659	1987-02-28	259.	0697469	1987-02-28
205.	0594156	1987-02-28	260.	0715243	1987-01-31
206.	0594257	1987-02-15	261.	0724446	1987-01-15
207.	0596463	1987-02-28	262.	0729860	1987-02-15
208.	0597566	1987-02-28	263.	0732041	1986-11-15
209.	0600024	1987-02-28	264.	0735855	1986-11-30
210.	0607139	1986-12-15	265.	0737152	1987-01-15
211.	0607442	1986-11-30	266.	0737960	1987-01-15
212.	0612233	1986-12-31	267.	0738558	1987-02-15
213.	0633746	1986-06-30	268.	0742246	1986-06-30
214.	0637855	1986-07-2	269.	0745353	1987-01-15
215.	0639051	1986-09-15	270.	0745959	1987-01-15
216.	0646452	1987-02-15	271.	0747155	1987-01-15
217.	0647151	1987-02-28	272.	0747660	1987-01-15
218.	0651647	1985-11-15	273.	0748662	1987-01-31
219.	0655049	1987-01-31	274.	0749159	1987-01-31
220.	0658257	1986-12-15	275.	0749967	1987-01-31
221.	0658863	1986-12-31	276.	0751449	1987-02-15
222.	0660547	1987-02-15	277.	0751651	1986-02-15
223.	0662349	1986-12-31	278.	0751752	1987-02-15
224.	0664656	1987-01-15	279.	0752855	1987-02-15
225.	0665557	1987-02-28	280.	0753554	1987-02-28
226.	0666054	1987-01-15	281.	0754253	1987-02-28
227.	0666963	1987-01-31	282.	0756762	1987-02-28
228.	0667864	1987-01-31			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
283.	0756863	1987-02-28	338.	0928462	1987-01-15
284.	0756964	1986-03-01	339.	0928765	1987-01-15
285.	0757461	1987-02-28	340.	0930954	1987-01-15
286.	0757764	1987-02-28	341.	0931451	1987-01-31
287.	0779370	1987-01-31	342.	0931552	1987-01-31
288.	0792362	1986-08-15	343.	0932554	1987-01-31
289.	0794568	1987-01-31	344.	0933152	1987-01-31
290.	0798071	1986-09-15	345.	0933758	1987-01-31
291.	0803240	1987-01-31	346.	0933960	1987-01-31
292.	0811744	1986-11-15	347.	0934154	1987-01-31
293.	0812645	1986-11-15	348.	0934255	1987-01-31
294.	0814043	1987-02-28	349.	0935661	1986-02-15
295.	0819053	1987-01-31	350.	0935863	1987-02-15
296.	0821848	1986-12-15	351.	0935964	1987-02-15
297.	0827860	1987-01-15	352.	0936259	1986-06-15
298.	0827961	1987-01-15	353.	0936360	1987-02-15
299.	0829359	1986-11-30	354.	0936461	1987-05-15
300.	0830445	1986-01-15	355.	0936764	1987-02-15
301.	0830748	1987-01-15	356.	0936966	1987-02-15
302.	0831144	1987-01-15	357.	0937261	1987-02-15
303.	0831346	1987-01-15	358.	0937766	1987-01-31
304.	0831649	1986-02-01	359.	0937867	1987-02-15
305.	0833249	1986-11-30	360.	0938061	1987-06-30
306.	0833754	1987-01-31	361.	0938465	1987-02-15
307.	0833956	1987-01-31	362.	0938869	1987-02-15
308.	0834150	1987-01-31	363.	0938970	1987-02-15
309.	0834352	1987-01-31	364.	0939164	1987-02-15
310.	0834857	1987-01-31	365.	0940149	1987-02-15
311.	0834958	1987-02-15	366.	0940250	1987-02-15
312.	0835152	1986-02-01	367.	0940654	1987-02-15
313.	0835253	1987-01-31	368.	0940755	1987-02-15
314.	0835455	1987-01-31	369.	0941050	1987-02-15
315.	0836053	1987-02-15	370.	0941757	1987-02-15
316.	0836558	1987-02-15	371.	0941858	1987-02-15
317.	0837257	1987-02-28	372.	0943458	1987-02-15
318.	0837459	1987-02-28	373.	0943963	1987-02-28
319.	0869169	1986-10-15	374.	0944056	1987-02-28
320.	0891364	1987-02-28	375.	0944258	1987-02-28
321.	0893772	1986-08-31	376.	0944965	1987-02-28
322.	0896879	1987-01-15	377.	0946161	1986-02-28
323.	0897477	1987-01-15	378.	0946868	1986-03-01
324.	0904145	1987-01-15	379.	0947365	1986-03-01
325.	0908052	1986-10-31	380.	0972162	1985-05-31
326.	0911546	1986-11-15	381.	0972869	1986-05-31
327.	0912245	1986-11-30	382.	0980565	1986-07-15
328.	0918661	1986-12-15	383.	0980868	1986-07-15
329.	0920143	1986-12-15	384.	1003112	1985-11-01
330.	0920244	1986-12-15	385.	1003617	1986-10-31
331.	0920345	1986-12-15	386.	1006724	1985-11-15
332.	0921347	1986-12-15	387.	1011414	1986-11-30
333.	0922955	1985-12-15	388.	1012214	1986-12-15
334.	0926458	1987-01-15	389.	1014016	1986-12-15
335.	0927157	1987-01-15	390.	1014117	1986-12-15
336.	0927258	1987-01-15	391.	1015624	1986-11-30

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
392.	1016828	1986-12-15	447.	1035830	1987-02-15
393.	1017729	1986-12-15	448.	1036531	1987-02-15
394.	1018933	1987-01-31	449.	1037028	1987-02-15
395.	1019632	1986-01-01	450.	1037230	1987-02-15
396.	1020112	1986-12-31	451.	1038131	1987-02-28
397.	1020314	1986-12-15	452.	1038232	1987-01-31
398.	1022116	1986-12-31	453.	1038636	1987-02-28
399.	1023219	1987-01-15	454.	1038737	1987-01-15
400.	1023623	1987-01-15	455.	1039335	1987-02-28
401.	1024019	1987-01-15	456.	1039537	1987-02-28
402.	1024120	1987-01-15	457.	1040320	1987-02-28
403.	1024221	1987-01-31	458.	1042627	1987-02-28
404.	1024625	1987-01-15	459.	1047132	1986-03-31
405.	1024928	1987-01-15	460.	1047637	1986-03-15
406.	1025122	1987-01-15	461.	1049439	1986-02-28
407.	1025324	1987-02-15	462.	1051729	1986-03-15
408.	1025425	1987-01-15	463.	1053228	1986-10-31
409.	1026023	1987-01-15	464.	1070531	1986-12-31
410.	1026629	1987-01-15	465.	1079347	1987-02-15
411.	1027631	1987-01-31	466.	1093846	1987-01-31
412.	1027732	1987-01-31	467.	1095850	1986-07-15
413.	1027833	1987-01-31	468.	1097955	1986-07-15
414.	1027934	1987-01-31	469.	1107528	1986-08-15
415.	1028128	1987-01-31	470.	1117733	1986-09-30
416.	1028330	1987-01-31	471.	1119535	1987-02-15
417.	1028532	1987-01-31	472.	1132022	1987-02-28
418.	1028633	1987-01-31	473.	1132224	1985-12-01
419.	1028936	1987-02-15	474.	1133125	1986-11-30
420.	1029029	1987-02-15	475.	1133731	1986-11-30
421.	1029130	1987-02-15	476.	1135533	1986-11-30
422.	1029231	1987-02-15	477.	1136838	1986-12-15
423.	1029534	1987-02-15	478.	1137234	1985-12-15
424.	1030115	1987-02-15	479.	1140021	1987-01-31
425.	1030317	1987-02-15	480.	1140829	1986-12-31
426.	1030620	1986-02-15	481.	1141023	1986-12-31
427.	1030822	1987-02-15	482.	1142227	1986-12-31
428.	1030923	1987-02-15	483.	1144332	1986-12-31
429.	1031016	1987-02-15	484.	1145132	1986-12-31
430.	1031117	1087-02-15	485.	1146437	1987-01-15
431.	1031319	1987-02-15	486.	1147843	1987-01-15
432.	1031925	1987-02-15	487.	1148037	1987-01-15
433.	1032018	1987-06-30	488.	1148340	1987-01-15
434.	1032220	1987-02-15	489.	1148643	1987-01-15
435.	1032321	1987-02-15	490.	1148845	1987-01-15
436.	1032523	1987-02-15	491.	1149443	1986-01-15
437.	1032624	1987-02-15	492.	1149544	1987-01-15
438.	1032826	1987-02-15	493.	1149746	1987-01-31
439.	1033323	1987-02-15	494.	1149948	1987-01-31
440.	1033727	1987-01-31	495.	1153232	1987-05-31
441.	1034426	1987-02-15	496.	1153333	1987-05-31
442.	1034830	1987-01-31	497.	1153434	1987-01-31
443.	1035226	1987-02-15	498.	1153535	1987-01-31
444.	1035327	1987-02-15	499.	1153636	1987-02-15
445.	1035428	1987-02-15	500.	1153838	1987-01-31
446.	1035933	1987-02-15	501.	1153939	1987-01-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
502.	1154032	1987-01-31	558.	1227437	1986-12-31
503.	1154133	1986-02-15	559.	1229037	1986-08-31
504.	1154638	1987-02-15	560.	1231024	1987-02-28
505.	1154739	1987-02-25	561.	1232026	1986-09-15
506.	1154840	1987-02-15	562.	1242534	1986-10-15
507.	1155236	1987-02-15	563.	1251434	1986-11-30
508.	1156238	1987-02-15	564.	1252840	1986-12-15
509.	1156440	1987-02-15	565.	1253034	1986-12-15
510.	1157240	1987-02-15	566.	1253236	1986-12-15
511.	1157341	1987-02-15	567.	1253438	1986-12-15
512.	1157745	1987-02-15	568.	1254238	1986-12-15
513.	1157846	1987-02-15	569.	1254844	1986-12-15
514.	1158040	1987-02-15	570.	1255442	1986-12-15
515.	1158141	1987-02-15	571.	1256343	1986-12-15
516.	1158242	1987-02-15	572.	1256747	1986-12-15
517.	1158444	1987-02-15	573.	1257042	1986-12-15
518.	1158545	1987-01-31	574.	1257446	1986-12-31
519.	1158646	1987-02-15	575.	1257749	1986-12-31
520.	1159042	1987-03-31	576.	1257850	1986-12-31
521.	1159143	1987-03-31	577.	1257951	1986-12-31
522.	1159345	1987-03-31	578.	1258145	1986-12-31
523.	1159547	1987-02-15	579.	1258448	1986-12-31
524.	1159951	1987-02-15	580.	1259147	1986-12-31
525.	1160128	1987-02-15	581.	1259349	1986-12-31
526.	1154133	1986-02-15	582.	1261538	1986-12-31
527.	1160532	1987-02-15	583.	1262136	1987-01-15
528.	1160633	1987-02-15	584.	1262237	1987-01-15
529.	1160734	1987-02-15	585.	1262338	1986-12-31
530.	1160936	1986-02-15	586.	1262540	1987-01-15
531.	1161130	1987-02-15	587.	1262641	1987-01-15
532.	1161231	1986-02-15	588.	1262742	1987-01-15
533.	1161534	1987-02-15	589.	1263037	1987-01-15
534.	1161635	1987-02-15	590.	1263138	1987-01-15
535.	1162132	1987-02-28	591.	1263340	1987-01-15
536.	1162233	1987-02-28	592.	1263542	1987-01-15
537.	1162334	1987-02-28	593.	1263643	1987-01-15
538.	1162738	1987-02-28	594.	1263744	1987-01-15
539.	1163033	1986-03-01	595.	1263845	1987-01-15
540.	1163134	1987-02-15	596.	1263946	1987-01-15
541.	1163538	1987-02-28	597.	1264544	1987-01-15
542.	1164136	1987-02-15	598.	1264645	1987-01-15
543.	1164742	1987-02-15	599.	1264847	1987-01-15
544.	1165340	1987-02-28	600.	1265445	1987-01-15
545.	1165744	1987-02-28	601.	1266447	1987-01-15
546.	1166140	1987-02-28	602.	1267853	1987-01-31
547.	1166241	1987-02-28	603.	1267247	1987-01-31
548.	1167041	1987-02-28	604.	1267348	1987-01-31
549.	1167950	1986-12-31	605.	1267752	1987-12-31
550.	1169651	1987-02-28	606.	1267853	1987-01-31
551.	1173036	1987-01-31	607.	1268148	1987-01-31
552.	1176951	1986-04-15	608.	1268249	1987-01-31
553.	1194650	1986-06-15	609.	1268451	1987-01-31
554.	1196957	1986-06-15	610.	1268552	1987-01-31
555.	1198658	1986-05-15	611.	1268754	1987-01-31
556.	1207734	1986-07-15	612.	1268855	1986-01-31
557.	1210319	1986-12-15	613.	1268956	1987-01-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
614.	1269352	1987-01-31	670.	1323433	1986-07-15
615.	1269655	1987-01-31	671.	1324334	1986-07-15
616.	1269857	1987-01-31	672.	1324435	1986-07-15
617.	1269958	1987-01-31	673.	1345342	1986-09-10
618.	1270337	1987-01-31	674.	1346546	1986-10-15
619.	1270640	1987-01-31	675.	1352743	1986-12-15
620.	1270741	1987-01-31	676.	1355345	1986-12-15
621.	1270842	1987-01-31	677.	1355951	1986-12-31
622.	1271440	1987-01-31	678.	1356145	1986-12-31
623.	1271520	1987-01-31	679.	1356246	1986-12-31
624.	1271541	1987-01-31	680.	1357046	1986-12-31
625.	1271642	1987-01-31	681.	1357753	1986-01-15
626.	1271844	1987-01-31	682.	1357955	1987-01-15
627.	1272139	1987-01-31	683.	1358250	1987-01-15
628.	1272240	1987-01-31	684.	1358654	1987-01-15
629.	1272341	1987-01-31	685.	1358937	1987-01-15
630.	1273141	1987-01-15	686.	1359050	1987-01-15
631.	1273646	1987-02-15	687.	1359151	1987-01-15
632.	1273848	1987-01-31	688.	1359252	1987-01-15
633.	1274446	1987-02-15	689.	1359757	1987-01-15
634.	1274547	1987-02-15	690.	1360237	1987-01-15
635.	1274850	1987-02-15	691.	1360439	1987-01-15
636.	1275044	1987-02-15	692.	1360641	1987-01-15
637.	1275448	1987-02-15	693.	1360742	1987-01-15
638.	1275549	1987-02-15	694.	1360843	1987-01-15
639.	1276046	1987-02-15	695.	1360944	1987-01-15
640.	1276147	1987-02-15	696.	1361037	1987-01-15
641.	1276248	1987-02-15	697.	1361643	1987-01-15
642.	1276651	1987-01-31	698.	1361744	1987-01-15
643.	1276652	1987-01-31	699.	1361845	1987-01-15
644.	1276753	1987-02-15	700.	1361946	1987-01-15
645.	1276854	1987-02-15	701.	1362039	1987-01-15
646.	1277250	1986-03-01	702.	1362140	1987-01-15
647.	1278252	1987-02-28	703.	1362544	1987-01-15
648.	1278656	1987-02-15	704.	1362746	1987-01-15
649.	1278858	1987-02-28	705.	1362948	1987-01-15
650.	1279153	1986-02-28	706.	1363041	1987-01-15
651.	1279254	1987-02-28	707.	1363142	1987-01-15
652.	1279456	1987-02-28	708.	1363243	1987-01-15
653.	1279557	1987-02-28	709.	1363344	1987-01-15
654.	1279658	1987-02-28	710.	1363647	1987-01-15
655.	1279759	1986-03-01	711.	1363748	1987-01-15
656.	1280239	1987-02-28	712.	1363849	1987-01-31
657.	1280744	1987-02-15	713.	1363950	1987-01-31
658.	1280946	1987-02-15	714.	1364043	1987-01-15
659.	1281039	1987-02-15	715.	1364144	1986-01-15
660.	1282041	1987-02-28	716.	1364245	1987-01-15
661.	1282445	1987-02-28	717.	1364346	1987-01-30
662.	1282546	1987-02-28	718.	1364447	1987-01-15
663.	1282647	1987-02-28	719.	1364548	1987-01-15
664.	1283649	1986-02-28	720.	1364649	1987-01-15
665.	1283851	1987-02-28	721.	1364851	1987-01-15
666.	1290141	1986-03-15	722.	1364952	1987-01-15
667.	1292347	1986-03-31	723.	1365045	1987-01-15
668.	1298258	1986-03-31	724.	1365348	1987-01-15
669.	1315939	1986-06-15	725.	1365449	1987-01-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
726.	1365752	1987-02-28	782.	1374955	1987-02-28
727.	1365853	1987-01-31	783.	1376050	1987-03-15
728.	1365954	1987-01-31	784.	1376151	1987-02-28
729.	1366047	1986-02-01	785.	1376555	1987-02-28
730.	1366148	1987-01-31	786.	1377052	1987-02-28
731.	1366350	1987-01-31	787.	1377456	1987-02-28
732.	1366653	1987-01-31	788.	1377961	1987-02-15
733.	1366754	1987-01-31	789.	1378155	1987-02-28
734.	1366855	1987-01-31	790.	1378357	1987-02-29
735.	1367150	1987-01-31	791.	1379056	1987-02-28
736.	1367251	1987-01-31	792.	1379258	1987-02-28
737.	1367554	1987-01-31	793.	1379359	1987-02-28
738.	1367655	1987-01-31	794.	1379662	1987-02-28
739.	1367758	1986-02-01	795.	1379864	1986-03-01
740.	1367857	1986-02-01	796.	1379965	1986-02-28
741.	1367958	1987-01-31	797.	1380445	1987-02-15
742.	1368051	1987-01-31	798.	1380748	1987-02-28
743.	1368152	1987-01-31	799.	1380849	1987-02-28
744.	1368253	1987-01-31	800.	1380950	1987-04-15
745.	1368354	1986-02-01	801.	1381043	1987-02-28
746.	1368455	1986-02-01	802.	1381851	1987-02-28
747.	1368657	1987-01-31	803.	1382247	1987-02-28
748.	1368758	1987-01-31	804.	1382550	1987-02-28
749.	1368960	1986-01-31	805.	1382651	1986-02-28
750.	1369154	1987-01-31	806.	1382752	1986-02-28
751.	1369255	1987-01-31	807.	1382853	1886-02-28
752.	1369356	1986-12-31	808.	1383047	1986-02-28
753.	1369558	1987-01-31	809.	1383148	1987-02-28
754.	1369659	1987-01-31	810.	1383249	1987-02-28
755.	1369760	1986-02-01	811.	1383350	986-03-01
756.	1369861	1986-02-01	812.	1383653	987-02-28
757.	1369962	1987-02-28	813.	1383956	987-02-28
758.	1370139	1987-01-31	814.	1384150	987-02-28
759.	1370240	1987-01-31	815.	1384554	1987-02-28
760.	1370745	1987-02-15	816.	1385253	1987-02-15
761.	1370846	1987-02-15	817.	1385758	1987-02-28
762.	1370947	1987-02-15	818.	1385859	1987-02-28
763.	1371242	1987-02-15	819.	1386154	1987-02-28
764.	1371444	1987-02-15	820.	1386255	1987-02-28
765.	1371545	1987-02-15	821.	1387560	1987-07-15
766.	1371646	1987-02-15			
767.	1371949	1987-02-15			
768.	1372244	1987-02-15			
769.	1372356	1987-02-15			
770.	1272547	1987-02-15			
771.	1372951	1987-02-15			
772.	1373044	1987-02-15			
773.	1373245	1987-02-15			
774.	1373246	1987-02-15			
775.	1373549	1987-02-15			
776.	1373751	1987-02-15			
777.	1373852	1987-02-15			
778.	1374046	1987-02-15			
779.	1374450	1987-02-15			
780.	1374551	1987-02-15			
781.	1374652	1987-02-15			

S.O. 2355.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 821 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of February 1986:

SCHEDULE

Sl.	CM/L No.	Valid upto
(1)	(2)	(3)
1.	0005111	1987-01-31
2.	0007822	1987-01-31
3.	0015821	1986-01-31
4.	0020814	1987-02-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
5.	0022616	1987-01-15	60.	0283543	1987-06-30
6.	0027222	1986-03-15	61.	0284444	1987-02-28
7.	0037629	1986-01-15	62.	0285749	1986-12-31
8.	0052928	1987-01-31	63.	0286650	1978-01-15
9.	0069844	1987-01-15	64.	0286751	1987-02-15
10.	0075233	1987-01-15	65.	0288854	1986-01-31
11.	0078845	1986-12-15	66.	0288755	1987-01-31
12.	0083434	1987-01-31	67.	0292241	1987-02-15
13.	0088444	1986-11-30	68.	0294144	1987-02-28
14.	0091029	1986-11-30	69.	0294245	1986-12-15
15.	0098144	1986-12-31	70.	0295045	1986-12-31
16.	0098750	1987-01-31	71.	0298657	1987-02-15
17.	0098952	1987-01-31	72.	0318536	1987-01-31
18.	0099853	1986-02-15	73.	0322325	1986-11-30
19.	0110916	1987-01-31	74.	0324228	1987-02-28
20.	0115219	1987-01-31	75.	0331023	1987-01-31
21.	0118427	1986-02-28	76.	0331326	1987-01-31
22.	0122822	1987-02-15	77.	0332530	1987-02-15
23.	0123117	1987-01-31	78.	0343131	1987-01-31
24.	0131924	1987-01-15	79.	0358346	1986-12-31
25.	0135326	1986-12-31	80.	0359550	1986-12-31
26.	0147838	1987-01-31	81.	0361234	1987-01-31
27.	0148840	1987-01-31	82.	0362034	1986-12-15
28.	0149438	1987-02-28	83.	0366749	1987-01-15
29.	0151627	1987-01-15	84.	0368854	1987-01-31
30.	0160628	1987-01-15	85.	0369654	1987-01-31
31.	0162733	1987-01-31	86.	0370235	1987-01-31
32.	0163836	1987-02-15	87.	0371641	1987-02-15
33.	0171532	1985-12-15	88.	0371944	1987-02-15
34.	0171633	1985-12-15	89.	0372037	1987-02-15
35.	0173334	1987-01-15	90.	0372845	1987-02-28
36.	0177746	1986-03-31	91.	0381543	1987-02-15
37.	0181737	1986-01-31	92.	0381644	1987-02-15
38.	0187850	1986-12-31	93.	0382848	1987-01-15
39.	0188347	1986-12-31	94.	0382949	1987-01-31
40.	0188953	1986-01-15	95.	0383042	1987-01-31
41.	0200311	1987-01-31	96.	0383648	1987-01-31
42.	0214423	1987-01-15	97.	0383749	1987-01-31
43.	0217429	1986-02-15	98.	0389357	1987-01-31
44.	0217732	1986-12-31	99.	0390140	1987-01-31
45.	0221319	1987-01-15	100.	0401321	1987-01-31
46.	0223828	1987-01-31	101.	0401725	1987-01-31
47.	0223929	1987-01-31	102.	0401927	1986-10-31
48.	0224830	1987-02-15	103.	0402929	1986-11-15
49.	0224931	1987-02-15	104.	0406028	1986-11-30
50.	0227028	1987-02-28	105.	0408739	1987-01-31
51.	0228131	1986-12-31	106.	0410019	1987-02-28
52.	0230118	1986-04-30	107.	0411122	1986-12-31
53.	0237738	1987-02-15	108.	0414532	1986-12-15
54.	0253736	1986-03-01	109.	0415231	1987-01-31
55.	0261836	1987-01-31	110.	0415332	1987-01-31
56.	0261937	1986-01-01	111.	0415534	1987-01-31
57.	0271132	1986-01-31	112.	0416031	1986-01-31
58.	0272841	1986-12-31	113.	0416132	1986-03-01
59.	0274643	1987-02-15			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
114.	0416435	1987-01-31	169.	0518443	1986-12-15
115.	0416536	1987-01-31	170.	0537952	1986-12-31
116.	0417639	1987-01-31	171.	0550439	1987-01-31
117.	0418338	1987-01-31	172.	0554144	1986-09-30
118.	0419946	1987-01-31	173.	0557453	1987-02-28
119.	0420123	1987-02-15	174.	0559760	1986-10-31
120.	0420325	1986-06-30	175.	0565755	1987-02-28
121.	0421125	1987-02-15	176.	0570748	1987-01-15
122.	0421226	1986-02-15	177.	0572146	1987-01-15
123.	0421731	1987-02-28	178.	0572752	1987-02-28
124.	0423634	1986-02-28	179.	0575758	1986-12-31
125.	0423735	1987-02-28	180.	0576356	1987-01-15
126.	0430631	1986-12-31	181.	0577156	1986-12-15
127.	0440735	1987-02-15	182.	0578966	1986-12-31
128.	0460943	1987-01-15	183.	0579261	1987-01-15
129.	0464345	1986-11-30	184.	0580953	1987-01-15
130.	0469961	1985-10-01	185.	0581551	1987-01-15
131.	0470037	1985-10-01	186.	0581753	1987-01-31
132.	0473548	1986-12-31	187.	0582755	1987-01-15
133.	0473649	1986-12-31	188.	0582957	1987-01-15
134.	0473952	1986-12-31	189.	0583151	1987-01-31
135.	0474146	1987-02-15	190.	0583353	1987-01-15
136.	0476049	1986-12-31	191.	0583858	1987-01-31
137.	0477253	1986-10-31	192.	0585862	1987-02-15
138.	0478356	1986-12-15	193.	0585963	1987-02-15
139.	0480949	1986-11-30	194.	0587159	1987-01-31
140.	0482852	1986-11-15	195.	0588565	1987-02-15
141.	0484452	1986-11-30	196.	0589062	1987-02-15
142.	0484957	1986-11-30	197.	0589163	1987-02-15
143.	0485050	1986-11-30	198.	0589264	1987-02-15
144.	0491651	1986-12-31	199.	0591352	1987-02-15
145.	0494051	1987-02-28	200.	0592859	1987-02-28
146.	0494152	1986-01-16	201.	0593053	1987-01-31
147.	0494556	1987-02-28	202.	0593154	1987-01-15
148.	0495659	1987-01-15	203.	0593558	1987-02-28
149.	0496257	1987-01-31	204.	0593659	1987-02-28
150.	0497057	1987-01-31	205.	0594156	1987-02-28
151.	0497865	1987-01-31	206.	0594257	1987-02-15
152.	0497966	1987-01-31	207.	0596463	1987-02-28
153.	0498160	1987-01-31	208.	0597566	1987-02-28
154.	0498261	1987-01-15	209.	0600024	1987-02-28
155.	0499061	1987-02-28	210.	0607139	1986-12-15
156.	0499667	1987-02-15	211.	0607442	1986-11-30
157.	0500121	1987-01-31	212.	0612233	1986-12-31
158.	0500222	1987-02-15	213.	0633746	1986-06-30
159.	0501224	1987-02-15	214.	0637855	1986-02-28
160.	0501931	1987-02-15	215.	0639051	1986-09-15
161.	0502024	1987-02-28	216.	0646452	1987-02-15
162.	0503026	1987-02-28	217.	0647151	1987-02-28
163.	05040281	1987-02-28	218.	0651647	1985-11-15
164.	0505030	1987-01-15	219.	0655049	1987-01-31
165.	0506133	1987-01-15	220.	0658257	1986-12-15
166.	0506335	1987-01-15	221.	0658863	1986-12-31
167.	0507640	1986-12-31	222.	0660547	1987-02-15
168.	0517946	1987-01-31	223.	0662349	1986-12-31
			224.	0664656	1987-01-15

(1)	(2)	(3)	1	2	3
225.	0665557	1987-02-18	280	0753554	1987-02-28
226.	0666054	1987-01-15	281	0754253	1987-02-28
227.	0666963	1987-01-11	282	0756762	1987-02-28
228.	0667864	1987-01-11	283	0756863	1987-02-28
229.	0667965	1987-01-11	284	0756964	1987-03-01
230.	0668260	1987-01-15	285	0757461	1987-02-28
231.	0668462	1987-01-15	286	0757764	1987-02-28
232.	0670045	1987-01-11	287	0779370	1987-01-31
233.	0670247	1987-01-11	288	0792362	1987-08-15
234.	0670752	1987-01-11	289	0794568	1987-01-31
235.	0671451	1987-02-18	290	0798071	1987-09-15
236.	0671653	1987-01-11	291	0803240	1987-01-31
237.	0672352	1987-02-15	292	0811744	1987-11-15
238.	0672554	1987-01-31	293	0812645	1987-11-15
239.	0673051	1987-02-18	294	0814043	1987-02-28
240.	0673758	1987-01-31	295	0819053	1987-01-31
241.	0673960	1987-02-15	296	0821848	1987-10-15
242.	0674760	1987-02-15	297	0827860	1987-01-15
243.	0674861	1987-02-15	298	0827961	1987-01-15
244.	0675358	1987-02-15	299	0829359	1987-11-30
245.	0675762	1987-02-15	300	0830445	1987-01-15
246.	0676764	1987-02-28	301	0830748	1987-01-15
247.	0676966	1987-02-18	302	0831144	1987-01-15
248.	0677261	1987-02-18	303	0831346	1987-01-15
249.	0677665	1987-02-18	304	0831649	1987-02-01
250.	0677867	1987-02-18	305	0833249	1987-11-30
251.	0679972	1987-02-18	306	0833754	1987-01-31
252.	0680048	1987-02-18	307	0833956	1987-01-31
253.	0684258	1987-02-15	308	0834152	1987-01-31
254.	0684359	1986-12-31	309	0834352	1987-01-31
255.	0684460	1986-12-31	310	0834857	1987-01-31
256.	0684561	1986-12-31	311	0834958	1987-02-15
257.	0687567	1986-12-31	312	0835152	1987-02-01
258.	0691356	1986-03-31	313	0835253	1987-01-31
259.	0697469	1987-02-18	314	0835455	1987-01-31
260.	0715243	1987-01-31	315	0836053	1987-02-15
261.	0724446	1987-01-15	316	0836558	1987-02-15
262.	0729860	1987-02-15	317	0837257	1987-02-28
263.	0732041	1986-11-15	318	0837459	1987-02-28
264.	0735855	1986-11-30	319	0869169	1987-10-15
265.	0737152	1987-01-15	320	0911364	1987-02-28
266.	0737960	1987-01-15	312	0893772	1987-08-31
267.	0738558	1987-02-15	322	0896879	1987-01-15
268.	0742246	1986-06-30	323	897477	1987-01-15
269.	0745353	1987-01-15	324	0904145	1987-01-15
270.	0745959	1987-01-15	325	0908052	1987-10-31
271.	0747155	1987-01-15	326	0911546	1987-11-15
272.	0747660	1987-01-15	327	0912245	1987-11-30
273.	0748662	1987-01-31	328	0918661	1987-12-15
274.	0749159	1987-01-31	329	0920143	1987-12-15
275.	0749967	1987-01-31	330	0920244	1987-12-15
276.	0751449	1987-02-15	331	0920345	1987-12-15
277.	0751651	1987-02-15	332	0921347	1987-12-15
278.	0751752	1987-02-15	333	0922955	1987-12-15
279.	0752855	1987-02-15	334	0926458	1987-01-15

1	2	3	1	2	3
335.	0927157	1987-01-15	391.	1015624	1986-11-30
336.	0927258	1987-01-15	392.	1016828	1986-12-15
337.	0927561	1987-01-15	393.	1017729	1986-12-15
338.	0928462	1987-01-15	394.	1018933	1987-01-31
339.	0928765	1987-01-15	395.	1019632	1986-01-01
340.	0930954	1987-01-15	396.	1020112	1986-12-31
341.	0931451	1987-01-31	397.	1020314	1986-12-15
342.	0931552	1987-01-31	398.	1022116	1986-12-31
343.	0932554	1987-01-31	399.	1023219	1987-01-15
344.	0933152	1987-01-31	400.	1023623	1987-01-15
345.	0933758	1987-01-31	401.	1024019	1987-01-15
336.	0933960	1987-01-31	402.	1024120	1987-01-15
347.	0934154	1987-01-31	403.	1024221	1987-01-31
348.	0934255	1987-01-31	404.	1024625	1987-01-15
349.	0935661	1986-02-15	405.	1024928	1987-01-15
350.	0935863	1987-02-15	406.	1025122	1987-01-15
351.	0935964	1987-02-15	407.	1025324	1987-02-15
352.	0936259	1986-06-15	408.	1025425	1987-01-15
353.	0936360	1987-02-15	409.	1026023	1987-01-15
354.	0936461	1987-05-15	410.	1026629	1987-01-15
355.	0936764	1987-02-15	411.	1027631	1987-01-31
356.	0936966	1987-02-15	412.	1027732	1987-01-31
357.	0937261	1987-02-15	413.	1027833	1987-01-31
358.	0937766	1987-01-31	414.	1027934	1987-01-31
359.	0937867	1987-02-15	415.	1028128	1987-01-31
360.	0938061	1987-06-30	416.	1028330	1987-01-31
361.	0938465	1987-02-15	417.	1028532	1987-01-31
362.	0938869	1987-02-15	418.	1028633	1987-01-31
363.	0938970	1987-02-15	419.	1028936	1987-02-15
364.	0939164	1987-02-15	420.	1029029	1987-02-15
365.	0940149	1987-02-15	421.	1029130	1987-02-15
366.	0940250	1987-02-15	422.	1029231	1987-02-15
367.	0940654	1987-02-15	423.	1029534	1987-02-15
368.	0940755	1987-02-15	424.	1030115	1987-02-15
369.	0941050	1987-02-15	425.	1030317	1987-02-15
370.	0941757	1987-02-15	426.	1030620	1986-02-15
371.	0941858	1987-02-15	427.	1030822	1987-02-15
372.	0943458	1987-02-15	428.	1030923	1986-01-15
373.	0943963	1987-02-28	429.	1031016	1987-02-15
374.	0944056	1987-02-28	430.	1031117	1987-02-15
375.	0944258	1987-02-28	431.	1031319	1987-02-15
376.	0944965	1987-02-28	432.	1031925	1987-02-15
377.	0946161	1987-02-28	433.	1032018	1987-06-30
378.	0946868	1986-03-01	434.	1032220	1987-02-15
379.	0947365	1986-03-01	435.	1032321	1987-02-15
380.	0972162	1985-05-31	436.	1032523	1987-02-15
381.	0972869	1986-05-31	437.	1032624	1987-02-15
382.	0980565	1986-07-15	438.	1032826	1987-02-15
383.	0980868	1986-07-15	439.	1033323	1987-02-15
384.	1003112	1985-11-01	440.	1033727	1987-01-31
385.	1003617	1986-10-31	441.	1034426	1987-02-15
386.	1006624	1985-11-15	442.	1034830	1987-01-31
387.	1011414	1986-11-30	443.	1035226	1987-02-15
388.	1012214	1986-12-15	444.	1035327	1987-02-15
389.	1014016	1986-12-15	445.	1035428	1987-02-15
390.	1014117	1986-12-15	446.	1035933	1987-02-15

1	2	3	1	2	3
447.	1035630	1987-02-15	503.	1154133	1986-02-15
448.	1036531	1987-02-15	504.	1154638	1987-02-15
449.	1037028	1987-02-15	505.	1154739	1987-02-15
450.	1037230	1987-02-15	506.	1154840	1987-02-15
451.	1038131	1987-02-28	507.	1155236	1987-02-15
452.	1038232	1987-01-31	508.	1156238	1987-02-15
453.	1038636	1987-02-28	509.	1156440	1987-02-15
454.	1038737	1987-01-15	510.	1157240	1987-02-15
455.	1039335	1987-02-28	511.	1157341	1987-02-15
456.	1039537	1987-02-28	512.	1157745	1987-02-15
457.	1040320	1987-02-28	513.	1157846	1987-02-15
458.	1042627	1987-02-28	514.	1158040	1987-02-15
459.	1047132	1986-03-13	515.	1158141	1987-02-15
460.	1047637	1986-03-15	516.	1158242	1987-02-15
461.	1049439	1986-02-28	517.	1158444	1987-02-15
462.	1051729	1986-03-15	518.	1158545	1987-02-31
463.	1053228	1986-10-31	519.	1158646	1987-02-15
464.	1070531	1986-12-31	520.	1159042	1987-03-31
465.	1079347	1987-02-15	521.	1159143	1987-03-31
466.	1093846	1987-01-31	522.	1159345	1987-03-31
467.	1095850	1986-07-15	523.	1159547	1987-02-15
468.	1097955	1986-07-15	524.	1159951	1987-02-15
469.	1107528	1986-08-15	525.	1160128	1987-02-15
470.	1117733	1986-09-30	526.	1154133	1986-02-15
471.	1119535	1987-02-15	527.	1160532	1987-02-15
472.	1132022	1987-02-28	528.	1160633	1987-02-15
473.	1132224	1985-12-01	529.	1160734	1987-02-15
474.	1133125	1986-11-30	530.	1160936	1986-02-15
475.	1133731	1986-11-30	531.	1161130	1987-02-15
476.	1135533	1986-11-30	532.	1161231	1986-02-15
477.	1136838	1986-12-15	533.	1161534	1987-02-15
478.	1137234	1985-12-15	534.	1161635	1987-02-15
479.	1140021	1987-01-31	535.	1162132	1987-02-28
480.	1140829	1986-12-31	536.	1162233	1987-02-28
481.	1141023	1986-12-31	537.	1162334	1987-02-28
482.	1142227	1986-12-31	538.	1162738	1987-02-28
483.	1144332	1986-12-31	539.	1163033	1986-03-01
484.	1145132	1986-12-31	540.	1163134	1987-02-15
485.	1146437	1987-01-15	541.	1163538	1987-02-28
486.	1147843	1987-01-15	542.	1164136	1987-02-15
487.	1148037	1987-01-15	543.	1164742	1987-02-28
488.	1148340	1987-01-15	544.	1165340	1987-02-28
489.	1148643	1987-01-15	545.	1165744	1987-02-28
490.	1148845	1987-01-15	546.	1166140	1987-02-28
491.	1149443	1986-01-15	547.	1166241	1987-02-28
492.	1149544	1987-01-15	548.	1167041	1987-02-28
493.	1149746	1987-01-31	549.	1167950	1987-02-28
494.	1149948	1987-01-31	550.	1169651	1987-01-31
495.	1153232	1987-05-31	551.	1173036	1986-04-15
496.	1153333	1987-02-15	552.	1176951	1986-06-15
497.	1153434	1987-01-31	553.	1194650	1986-06-15
498.	1153535	1987-01-31	554.	1196957	1986-05-15
499.	1153636	1987-02-15	555.	1198658	1986-07-15
500.	1153838	1987-01-31	556.	1207734	1986-12-15
501.	1153939	1987-01-31	557.	1210319	1986-12-31
502.	1154032	1987-01-31	558.	1227437	1986-12-31

1	2	3	1	2	3
559.	1229037	1986-08-31	625.	1271642	1986-01-31
560.	1231024	1987-02-28	626.	1271844	1987-01-31
561.	1232026	1986-09-15	627.	1272139	1987-01-31
562.	1242534	1986-10-15	628.	1272240	1987-01-31
563.	1251434	1986-11-30	629.	1272341	1987-01-31
564.	1252840	1986-12-15	630.	1273141	1987-01-15
565.	1253034	1986-12-15	631.	1273646	1987-02-15
566.	1253236	1986-12-15	632.	1273848	1987-01-31
567.	1253438	1986-12-15	633.	1274446	1987-02-15
568.	1254238	1986-12-15	634.	1274547	1987-02-15
569.	1254844	1986-12-15	635.	1274850	1987-02-15
570.	1255442	1986-12-15	636.	1275044	1987-02-15
571.	1256343	1986-12-15	637.	1275448	1987-02-15
572.	1256747	1986-12-15	638.	1275549	1987-02-15
573.	1257042	1986-12-15	639.	1276046	1987-02-15
574.	1257446	1986-12-31	640.	1276147	1987-02-15
575.	1257749	1986-12-31	641.	1276248	1987-02-15
576.	1257850	1986-12-31	642.	1276551	1987-01-31
577.	1257951	1986-12-31	643.	1276652	1987-01-31
578.	1258145	1986-12-31	644.	1276753	1987-02-15
579.	1258448	1986-12-31	645.	1276854	1987-02-15
580.	1259147	1986-12-31	646.	1277250	1986-03-01
581.	1259349	1986-12-31	647.	1278252	1987-02-28
582.	1261538	1986-12-31	648.	1278656	1987-02-15
583.	1262136	1987-01-15	649.	1278858	1987-02-28
584.	1262237	1987-01-15	650.	1279153	1986-02-28
585.	1262338	1986-12-31	651.	1279254	1987-02-28
586.	1262540	1987-10-15	652.	1279456	1987-02-28
587.	1262641	1987-01-15	653.	1279557	1987-02-28
588.	1262742	1987-01-15	654.	1279658	1987-02-28
589.	1263036	1987-10-15	655.	1279759	1986-03-08
590.	1263138	1987-01-15	656.	1280239	1987-02-29
591.	1263340	1987-01-15	657.	1280744	1987-02-15
592.	1263542	1987-01-15	658.	1280947	1987-02-15
593.	1263643	1987-01-15	659.	1280139	1986-02-15
594.	1263744	1987-01-15	660.	1282041	1987-02-28
595.	1263845	1987-01-15	661.	1282445	1987-02-28
596.	1263946	1987-01-15	662.	1282546	1987-02-28
597.	1264544	1987-01-15	663.	1282647	1987-02-28
598.	1264645	1987-01-15	664.	1283649	1986-02-28
599.	1264847	1987-01-15	665.	1283851	1987-02-28
600.	1265445	1987-01-15	666.	1290141	1986-03-15
601.	1266447	1987-01-15	667.	1292347	1986-03-31
602.	1267853	1987-01-31	668.	1298258	1986-03-31
603.	1267247	1987-01-31	669.	1315939	1986-06-15
604.	1267348	1987-01-31	670.	1323433	1986-07-15
605.	1267752	1986-12-31	671.	1324334	1986-07-15
606.	1267853	1987-01-31	672.	1324435	1986-07-15
607.	1268148	1987-01-31	673.	1345342	1986-09-30
608.	1268249	1987-01-31	674.	1346546	1986-10-15
609.	1268451	1987-01-31	675.	1352743	1986-12-15
610.	1268552	1987-01-31	676.	1355345	1986-12-15
611.	1268754	1987-01-31	677.	1355951	1986-12-31
612.	1268855	1986-01-31	678.	1356145	1986-12-31
613.	1268956	1987-01-31	679.	1356246	1986-12-31
614.	1269352	1987-01-31	680.	1357046	1986-12-31
615.	1269655	1987-01-31	681.	1357753	1986-01-15
616.	1269857	1987-01-31	682.	1357955	1987-01-15
617.	1269958	1987-01-31	683.	1358250	1987-01-15
618.	1270337	1987-01-31	684.	1358654	1987-01-15
619.	1270640	1987-01-31	685.	1358957	1987-01-15
620.	1270741	1987-01-31	686.	1359050	1987-01-15
621.	1270842	1987-01-31	687.	1359151	1987-01-15
622.	1271440	1987-01-31	688.	1359252	1987-01-15
623.	1271520	1987-01-31	689.	1359757	1987-01-15
624.	1271541	1987-01-31	690.	1360237	1987-01-15

(1)	(2)	(3)	1	2	3
691.	1360439	1987-01-15	757.	1369962	1987-02-28
692.	1360641	1987-01-15	758.	1370139	1987-01-31
693.	1360742	1987-01-15	759.	1370240	1987-01-31
694.	1360843	1987-01-15	760.	1370745	1987-02-15
695.	1360944	1987-01-15	761.	1370846	1987-02-15
696.	1361037	1987-01-15	762.	1370947	1987-02-15
697.	1361643	1987-01-15	763.	1371242	1987-02-15
698.	1361744	1987-01-15	764.	1371444	1987-02-15
699.	1361845	1987-01-15	765.	1371545	1987-02-15
700.	1361946	1987-01-15	766.	1371646	1987-02-15
701.	1362039	1987-01-15	767.	1371949	1987-02-15
702.	1362140	1987-01-15	768.	1372244	1987-02-15
703.	1362544	1987-01-15	769.	1372356	1987-02-15
704.	1362746	1987-01-15	770.	1372547	1987-02-15
705.	1362948	1987-01-15	771.	1372951	1987-02-15
706.	1363041	1987-01-15	772.	1373044	1987-02-15
707.	1363142	1987-01-15	773.	1374145	1987-02-15
708.	1363243	1987-01-15	774.	1373246	1987-02-15
709.	1363344	1987-01-15	775.	1363549	1987-02-15
710.	1363647	1987-01-15	776.	1373751	1987-02-15
711.	1363748	1987-01-15	777.	1373852	1987-02-15
712.	1363849	1987-01-31	778.	1374046	1987-02-15
713.	1363950	1987-01-31	779.	1374450	1987-02-15
714.	1364043	1987-01-15	780.	1374551	1987-02-15
715.	1364144	1986-01-15	781.	1374652	1987-02-15
716.	1364245	1987-01-15	782.	1374955	1987-02-28
717.	1364346	1987-01-30	783.	1376050	1987-03-15
718.	1364447	1987-01-15	784.	1376151	1987-02-28
719.	1364548	1987-01-15	785.	1376555	1987-02-28
720.	1364649	1987-01-15	786.	1377052	1987-02-28
721.	1364851	1987-01-15	787.	1377456	1987-02-28
722.	1364952	1987-01-15	788.	1377961	1987-02-15
723.	1365045	1987-01-15	789.	1378155	1987-02-28
724.	1365348	1987-01-15	790.	1378357	1987-02-28
725.	1365449	1987-01-15	791.	1379056	1987-02-28
726.	1365752	1987-02-28	792.	1379258	1987-02-28
727.	1365853	1987-01-31	793.	1379359	1987-02-28
728.	1366954	1987-01-31	794.	1379662	1987-02-28
729.	1366047	1986-02-01	795.	1379864	1986-03-01
730.	1366148	1987-01-31	796.	1379965	1986-02-28
731.	1366350	1987-01-31	797.	1380445	1987-02-15
732.	1366653	1987-01-31	798.	1380748	1987-02-28
733.	1366754	1987-01-31	799.	1380849	1987-02-28
734.	1366855	1987-01-31	800.	1380950	1987-04-15
735.	1367150	1987-01-31	801.	1381043	1987-02-28
736.	1367251	1987-01-31	802.	1381851	1987-02-28
737.	1367554	1987-01-31	803.	1382247	1987-02-28
738.	1367655	1987-01-31	804.	1382550	1987-02-28
739.	1367756	1986-02-31	805.	1382651	1986-02-28
740.	1367857	1986-02-31	806.	1382752	1986-02-28
741.	1367958	1987-01-31	807.	1382853	1986-02-28
742.	1368051	1987-01-31	808.	1383047	1986-02-28
743.	1368152	1987-01-31	809.	1383148	1987-02-28
744.	1368253	1987-01-31	810.	1383249	1987-02-28
745.	1368354	1986-02-01	811.	1383350	1986-03-01
746.	1368455	1986-02-01	812.	1383653	1987-02-28
747.	1368657	1987-01-31	813.	1383956	1987-02-28
748.	1368758	1987-01-31	814.	1384150	1987-02-28
749.	1368960	1987-01-31	815.	1384554	1987-02-28
750.	1369154	1987-01-31	816.	1385253	1987-02-15
751.	1369255	1987-01-31	817.	1385758	1987-02-28
752.	1369356	1986-12-31	818.	1385859	1987-02-28
753.	1369558	1987-01-31	819.	1386154	1987-02-28
754.	1369659	1987-01-31	820.	1386255	1987-02-28
755.	1369760	1986-02-01	821.	1387560	1987-07-15
756.	1369861	1986-02-01			

भारतीय एवं नागरिक पूर्ति संकाय			(1)	(2)	(3)	
(नागरिक पूर्ति विभाग)			46.	0363541	1986-12-15	
भारतीय मानक धूरों			47.	0366749	1987-11-15	
नई दिल्ली, 21 मितम्बर, 1987			48.	0378958	1987-01-31	
का. आ. 2586—समय-समय पर मंशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 437 लाइसेंसों के अंदर नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका जनवरी, 1986 में नवीकरण किया गया है :			49.	0379152	1987-01-31	
अनुसूची			50.	0379354	1987-01-31	
क्रम संख्या सं.एम/एल	वैध	भारतीय मानक	51.	0382848	1987-01-15	
संख्या	स	तक	विशिष्टि की पद	52.	0398459	1986-09-30
			मंश्या	53.	0406028	1986-11-30
(1)	(2)		(3)	54.	0410625	1986-12-31
1.	0025117		1986-12-31	55.	0410827	1986-12-31
2.	0042420		1987-01-15	56.	0411324	1986-12-31
3.	0049434		1987-01-15	57.	0413530	1986-12-31
4.	0075233		1987-01-15	58.	0414532	1986-12-15
5.	0083434		1987-01-31	59.	0415029	1987-01-15
6.	0998750		1987-01-31	60.	0415231	1987-01-31
7.	0098952		1987-01-31	61.	0415332	1987-01-31
8.	0109426		1986-12-15	62.	0418641	1987-01-31
9.	0110916		1987-01-31	63.	0418944	1987-01-31
10.	0115219		1987-01-31	64.	0419542	1987-01-31
11.	0116221		1986-12-31	65.	0443337	1986-12-31
12.	0118629		1986-12-31	66.	0473548	1986-12-31
13.	0123117		1987-01-31	67.	0473649	1986-12-31
14.	0125326		1986-12-31	68.	0473952	1986-12-31
15.	0151526		1986-08-31	69.	0478356	1986-12-15
16.	0161327		1987-01-31	70.	0486557	1986-12-15
17.	0177746		1986-03-31	71.	0487660	1986-12-15
18.	0181737		1986-10-31	72.	0487761	1986-12-15
19.	0188246		1986-12-31	73.	0491853	1986-12-31
20.	0189551		1987-01-31	74.	0492249	1987-01-15
21.	0222018		1987-01-31	75.	0495558	1987-01-15
22.	0230118		1985-04-30	76.	0496762	1987-01-31
23.	0231322		1986-10-31	77.	0498160	1987-01-31
24.	0244230		1987-01-15	78.	0498261	1087-01-15
25.	0258342		1986-12-15	79.	0500121	1987-01-31
26.	0283846		1986-12-15	80.	0500323	1986-12-31
27.	0285749		1986-12-31	81.	0507640	1986-12-31
28.	288755		1986-01-31	82.	0517946	1987-01-31
29.	0290338		1986-12-31	83.	0550136	1986-12-31
30.	0295045		1986-11-31	84.	0554447	1986-09-15
31.	0297049		1987-01-15	85.	0555449	1987-01-31
32.	0312625		1986-11-30	86.	0559760	1986-10-31
33.	0322325		1986-11-30	87.	0567254	1986-11-30
34.	0324834		1986-12-15	88.	0569056	1986-12-15
35.	0326535		1986-12-31	89.	0569460	1986-11-30
36.	0326636		1986-12-31	90.	0570748	1987-01-15
37.	0331932		1987-01-31	91.	0573047	1986-12-31
38.	0343131		1986-11-31	92.	0573855	1986-12-31
39.	0354136		1986-12-31	93.	0575051	1986-12-31
40.	0356140		1986-12-15	94.	0575152	1986-12-31
41.	0358346		1986-12-31	95.	0575859	1986-12-31
42.	0359550		1986-12-31	96.	0579968	1987-01-15
43.	0360535		1986-11-30	97.	0580145	1987-01-15
44.	0362034		1986-12-15	98.	0580953	1987-01-15
45.	0363541		1986-12-15	99.	0581046	1987-01-15
				100.	0p81551	1987-01-15
				101.	0583050	1987-01-15
				102.	0583151	1987-01-31
				103.	0583858	1987-01-31
				104.	0585559	1987-01-15
				105.	0593053	1987-01-31
				106.	0648961	1986-11-30
				107.	0651950	1986-11-30
				108.	0655049	1987-01-31
				109.	0656354	1986-11-30
				110.	0658257	1986-12-15
				111.	0658762	1986-12-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
112.	0660244	1986-12-31	179.	0885975	1986-12-31
113.	0661751	1986-12-31	180.	0893772	1986-08-31
114.	0661953	1986-12-31	181.	0899077	1986-09-30
115.	0662046	1986-12-31	182.	0908658	1986-12-31
116.	0662349	1986-12-31	183.	0915049	1986-11-30
117.	0664252	1987-01-15	184.	0916354	1986-11-30
118.	0664353	1986-12-31	185.	0916960	1986-11-30
119.	0664656	1987-01-15	186.	0919057	1986-12-15
120.	0666054	1987-01-15	187.	0922248	1986-12-15
121.	0666963	1987-01-31	188.	0922450	1986-12-31
122.	0670550	1986-12-31	189.	0922854	1986-12-31
123.	0671653	1987-01-31	190.	0923149	1986-12-31
124.	0572857	1986-12-31	191.	0924050	1986-12-31
125.	0577362	1987-01-31	192.	0924151	1986-12-31
126.	0706949	1986-06-15	193.	0925860	1986-12-31
127.	0715142	1986-11-30	194.	0925961	1986-12-31
128.	0718249	1986-12-31	195.	0926054	1987-01-15
129.	0721238	1986-12-31	196.	0926357	1986-12-31
130.	0721440	1986-12-31	197.	0928159	1987-01-15
131.	0732243	1986-11-15	198.	0928664	1987-01-15
132.	0735855	1986-11-30	199.	0928967	1987-01-15
133.	0739156	1986-12-15	200.	0930247	1987-01-15
134.	0740545	1986-11-30	201.	0930651	1987-01-15
135.	0741547	1986-12-15	202.	0930752	1987-01-15
136.	0742751	1986-12-31	203.	0931047	1987-01-15
137.	0743147	1986-12-31	204.	0932554	1987-01-31
138.	0743248	1986-12-31	205.	0933960	1987-01-31
139.	0743349	1986-12-31	206.	0943155	1986-11-15
140.	0743753	1986-12-31	207.	0978578	1986-07-15
141.	0743854	1986-12-31	208.	0983066	1986-11-30
142.	0744351	1986-12-31	209.	0991570	1986-09-15
143.	0744654	1986-12-31	210.	1000914	1986-12-15
144.	0745555	1987-01-15	211.	1002716	1986-11-30
145.	0745656	1987-01-15	212.	1008021	1986-11-15
146.	0745858	1987-01-15	213.	1008526	1986-11-30
147.	0747054	1986-11-15	214.	1008627	1986-11-30
148.	0747155	1987-01-15	215.	1010816	1986-11-30
149.	0749159	1987-01-31	216.	1012921	1986-11-30
150.	0753150	1986-02-15	217.	1015119	1986-12-15
151.	0773863	1986-12-15	218.	1015725	1986-12-15
152.	0795368	1986-08-31	219.	1017628	1986-12-15
153.	0798071	1986-09-15	220.	1018024	1986-12-15
154.	0804242	1986-10-15	221.	1018832	1986-12-15
155.	0812342	1986-11-15	222.	1020011	1986-12-31
156.	0816653	1986-11-30	223.	1020112	1986-12-31
157.	0819053	1987-01-31	224.	1021114	1986-12-31
158.	0821040	1986-12-15	225.	1021518	1986-12-31
159.	0822244	1986-12-31	226.	1021619	1986-12-31
160.	0822648	1986-12-31	227.	1021922	1986-12-31
161.	0822749	1986-12-31	228.	1022015	1986-12-31
162.	0823549	1986-12-31	229.	1023724	1987-01-15
163.	0824551	1986-12-31	230.	1023825	1987-01-15
164.	0825755	1986-12-31	231.	1024120	1987-01-15
165.	0825957	1986-12-31	232.	1024322	1987-01-15
166.	0827355	1986-12-31	233.	1024524	1987-01-15
167.	0827860	1987-01-15	234.	1025122	1987-01-15
168.	0827961	1987-01-15	235.	1025728	1987-01-15
169.	0828458	1987-01-15	236.	1025930	1987-01-15
170.	0828862	1987-01-15	237.	1026225	1987-01-15
171.	0828963	1987-01-15	238.	1026742	1987-01-15
172.	0829460	1987-01-15	239.	1026932	1987-01-15
173.	0831346	1987-01-15	240.	1027429	1987-01-15
174.	0831447	1987-01-15	241.	1027631	1987-01-31
175.	0831952	1987-01-31	242.	1027732	1987-11-31
176.	0833956	1987-01-31	243.	1027833	1987-11-31
177.	0835354	1987-01-31	244.	1037735	1986-12-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
245.	1045633	1986-12-15	311.	1249548	1986-11-30
246.	1047637	1986-03-15	312.	1249750	1986-11-30
247.	1054028	1986-03-31	313.	1249851	1986-11-30
248.	1067441	1986-04-15	314.	1250937	1986-11-30
249.	1075238	1986-05-15	315.	1254743	1986-12-15
250.	1076543	1986-12-31	316.	1255139	1986-12-15
251.	1091539	1986-06-30	317.	1255240	1986-12-15
252.	1093846	1987-01-31	318.	1255745	1986-12-15
253.	1094242	1986-12-31	319.	1256545	1986-12-15
254.	1096650	1986-07-15	320.	1257345	1986-11-30
255.	1107528	1985-08-15	321.	1258044	1986-12-31
256.	1114323	1986-09-15	322.	1258650	1986-12-15
257.	1128435	1986-11-15	323.	1259046	1986-12-15
258.	1129336	1986-11-15	324.	1259147	1986-12-31
259.	1135331	1986-12-15	325.	1259753	1986-12-31
260.	1135432	1986-11-30	326.	1259955	1986-12-31
261.	1136030	1986-12-15	327.	1260839	1986-12-31
262.	1136232	1986-12-15	328.	1261639	1986-12-31
263.	1136737	1986-12-14	329.	1261942	1986-12-31
264.	1137739	1986-12-15	330.	1262136	1987-01-15
265.	1140526	1986-12-31	331.	1263239	1987-01-15
266.	1140930	1986-12-15	332.	1264039	1987-01-15
267.	1141326	1986-12-31	333.	1265142	1987-01-15
268.	1142227	1986-12-31	334.	1265243	1987-10-15
269.	1142429	1986-12-31	335.	1265344	1987-01-15
270.	1142530	1986-12-31	336.	1265445	1987-01-15
271.	1142732	1986-12-31	337.	1265546	1987-01-15
272.	1143532	1986-12-31	338.	1265647	1987-01-15
273.	1144029	1986-12-31	339.	1265748	1987-01-15
274.	1144130	1986-12-31	340.	1265849	1987-01-15
275.	1145334	1986-12-31	341.	1266245	1987-01-15
276.	1145738	1986-12-31	342.	1266346	1987-01-15
277.	1145839	1986-12-31	343.	1266649	1987-01-15
278.	1146235	1987-01-15	344.	1266750	1987-01-15
279.	1146336	1987-01-15	345.	1266851	1987-01-15
280.	1147035	1986-01-15	346.	1266952	1987-01-15
281.	1147641	1987-01-15	347.	1267045	1987-01-15
282.	1147742	1986-12-31	348.	1267146	1987-01-15
283.	1147944	1987-01-15	349.	1267348	1987-01-31
284.	1148340	1987-01-15	350.	1267449	1987-01-15
285.	1148845	1987-01-15	351.	1268350	1987-01-15
286.	1149140	1987-01-15	352.	1269049	1986-01-15
287.	1149544	1987-01-15	353.	1269352	1987-01-31
288.	1149645	1987-01-15	354.	1269554	1987-01-31
289.	1149746	1987-01-31	355.	1270640	1987-01-31
290.	1149847	1987-01-15	356.	1288760	1986-03-15
291.	1149948	1987-01-31	357.	1298258	1986-03-31
292.	1151026	1987-01-31	358.	1305128	1986-03-31
293.	1152432	1987-01-15	359.	1315636	1986-06-15
294.	1154234	1987-01-31	360.	1321429	1986-06-30
295.	1157442	1987-01-31	361.	1324334	1986-07-15
296.	1160229	1986-12-31	362.	1324435	1986-07-15
297.	1171133	1986-03-15	363.	1328443	1986-07-31
298.	1192848	1986-06-15	364.	1333840	1986-08-31
299.	1194650	1986-06-15	365.	1338648	1986-08-31
300.	1198759	1986-06-15	366.	1341031	1986-09-15
301.	1204223	1986-06-30	367.	1351640	1986-11-30
302.	1205124	1986-06-30	368.	1351741	1986-11-30
303.	1227437	1986-12-31	369.	1351842	1986-11-30
304.	1235537	1986-09-15	370.	1352137	1986-11-30
305.	1243940	1986-11-30	371.	1352440	1986-12-15
306.	1248243	1986-11-30	372.	1352844	1986-12-15
307.	1248950	1986-11-30	373.	1352945	1986-12-15
308.	1249043	1986-11-30	374.	1353846	1986-12-15
309.	1249144	1986-11-30	375.	1354545	1986-12-15
310.	1249245	1986-11-30	376.	1355345	1986-12-15

(1)	(2)	(3)	from time to time the Indian Standards Institution hereby notifies that 437 licences particulars of which are given in the following Schedule have been renewed during the month of January 1986		
			SI No.	CM/L No.	Valid upto
			(1)	(2)	(3)
377.	1355547	1986-12-15			
378.	1355648	1986-12-15			
379.	1356145	1986-12-31			
380.	1356549	1986-12-31			
381.	1356650	1986-12-31			
382.	1357147	1986-12-31	1.	0025117	1986-12-31
383.	1357551	1986-12-31	2.	0042420	1987-01-15
384.	1357652	1986-12-31	3.	0049434	1987-01-15
385.	1357854	1987-01-15	4.	0075233	1987-01-15
386.	1358048	1986-12-31	5.	0083434	1987-01-13
387.	1358149	1987-01-15	6.	0098750	1987-01-31
388.	1358351	1986-12-31	7.	0098952	1987-01-31
389.	1358452	1987-01-15	8.	0109426	1986-12-15
390.	1358553	1987-01-15	9.	0110916	1987-01-31
391.	1358957	1987-01-15	10.	0115219	1987-01-31
392.	1359050	1987-01-15	11.	0116221	1986-12-31
393.	1359151	1987-01-15	12.	0118629	1986-12-31
394.	1359252	1987-01-15	13.	0123117	1987-01-31
395.	1359353	1987-01-15	14.	0135326	1986-12-31
396.	1359454	1987-01-15	15.	0151526	1986-08-31
397.	1359555	1987-01-15	16.	0161327	1987-01-31
398.	1359656	1987-01-15	17.	0177746	1986-03-31
399.	1359858	1987-01-15	18.	0181737	1986-10-31
400.	1360035	1987-01-15	19.	0188246	1986-12-31
401.	1360136	1987-01-15	20.	0189551	1987-01-31
402.	1360540	1987-01-15	21.	0222018	1987-01-31
403.	1360641	1987-01-15	22.	0230118	1985-04-30
404.	1360944	1987-01-15	23.	0231322	1986-10-31
405.	1361037	1987-01-15	24.	0244230	1987-01-15
406.	1361138	1987-01-15	25.	0258342	1985-12-15
407.	1361239	1987-01-15	26.	0283846	1986-12-15
408.	1361441	1987-01-15	27.	0285749	1986-12-31
409.	1362140	1987-01-15	28.	288755	1986-01-31
410.	1362241	1987-01-15	29.	0290338	1986-12-31
411.	1362342	1987-01-15	30.	0295045	1986-11-31
412.	1362544	1987-01-15	31.	0297049	1987-01-15
413.	1362645	1987-01-15	32.	0312625	1986-11-30
414.	1363445	1987-01-15	33.	0322325	1986-11-30
415.	1363546	1987-01-15	34.	0324834	1986-12-15
416.	1363748	1987-01-15	35.	0326535	1986-12-31
417.	1363849	1987-01-31	36.	0326636	1986-12-31
418.	1363950	1987-01-31	37.	0331932	1987-01-31
419.	1364245	1987-01-15	38.	0343131	1986-11-31
420.	1364346	1987-09-30	39.	0354136	1986-12-31
421.	1364447	1987-01-15	40.	0356140	1968-12-15
422.	1364548	1987-01-15	41.	0358346	1986-12-31
423.	1365247	1987-01-15	42.	0359550	1986-12-31
424.	1365348	1987-01-15	43.	0360535	1986-11-30
425.	1365550	1987-01-15	44.	0362034	1986-12-15
426.	1365752	1987-02-28	45.	0363541	1986-12-15
427.	1365853	1987-01-31	46.	0364341	1986-12-31
428.	1366249	1987-01-41	47.	0366749	1987-11-15
429.	1366451	1987-01-31	48.	0378958	1987-01-31
430.	1366754	1987-01-31	49.	0379152	1987-01-31
431.	1366855	1986-01-31	50.	0379354	1987-01-31
432.	1367453	1987-01-31	51.	0382848	1987-01-15
433.	1368657	1987-01-31	52.	0398459	1986-09-30
434.	1368758	1987-01-31	53.	0406028	1986-11-30
435.	1368960	1987-01-31	54.	0410625	1986-12-13
436.	1369962	1987-02-28	55.	0410827	1986-12-31
437.	1370038	1987-01-15	56.	0411324	1986-12-31
			57.	0413530	1986-12-31

[No. CMD/13 : 12]

S. O. 2856.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955 as amended

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
58	0414532	1986-12-15	122	0670550	1986-12-31
59	0415029	1987-01-15	123	0671653	1987-01-31
60	0415231	1987-01-31	124	0672857	1986-12-31
61	0415332	1987-01-31	125	0677362	1987-01-31
62	0418641	1987-01-31	126	0706949	1986-06-15
63	0418944	1987-01-31	127	0715142	1986-11-30
64	0419542	1987-01-31	128	0718249	1986-12-31
65	0443337	1986-12-31	129	0721238	1986-12-31
66	0473548	1986-12-31	130	0721440	1986-12-31
67	0473649	1986-12-31	131	0732243	1986-11-15
68	0473952	1986-12-31	132	0735855	1986-11-30
69	0478356	1986-12-15	133	0739156	1986-12-15
70	0486557	1986-12-15	134	0740545	1986-11-30
71	0487660	1986-12-15	135	0741547	1986-12-15
72	0487761	1986-12-15	136	0742751	1986-12-31
73	0491853	1986-12-31	137	0743147	1986-12-31
74	0492249	1987-01-15	138	0743248	1986-12-31
75	0495558	1987-01-15	139	0743349	1986-12-31
76	0496762	1987-01-31	140	0743753	1986-12-31
77	0498160	1987-01-31	141	0743854	1986-12-31
78	0498261	1987-01-15	142	0744351	1986-12-31
79	0500121	1987-01-31	143	0744654	1986-12-31
80	0500323	1986-12-31	144	0745555	1987-01-15
81	0507640	1986-12-31	145	0745656	1987-01-15
82	0517946	1987-01-31	146	0745858	1987-01-15
83	0550136	1986-12-31	147	0747054	1986-11-15
84	0554447	1986-09-15	148	0747155	1987-01-15
85	0555449	1987-01-31	149	0749159	1987-01-15
86	0559760	1986-10-31	150	0753150	1986-02-15
87	0567254	1986-11-30	151	0773863	1986-12-15
88	0569056	1986-12-15	152	0795368	1986-08-31
89	0569460	1986-11-30	153	0798071	1986-09-15
90	0570748	1987-01-15	154	0804242	1986-10-15
91	0573047	1986-12-31	155	0812342	1986-11-15
92	0573855	1986-12-31	156	0816653	1986-11-30
93	0575051	1986-12-31	157	0819053	1987-01-31
94	0575152	1986-12-31	158	0821040	1986-12-15
95	0575859	1986-12-31	159	0822244	1986-12-31
96	0579968	1987-01-15	160	0822648	1986-12-31
97	0580145	1987-01-15	161	0822749	1986-12-31
98	0580953	1987-01-15	162	0823549	1986-12-31
99	0581046	1987-01-15	163	0824551	1986-12-31
100	0581551	1987-01-15	164	0825755	1986-12-31
101	0583050	1987-01-15	165	0825957	1986-12-31
102	0583151	1987-01-31	166	0827355	1986-12-31
103	0583858	1987-01-31	167	0827860	1987-10-15
104	0585559	1987-01-15	168	0827961	1987-01-15
105	0593053	1987-01-31	169	0828458	1987-01-15
106	0648961	1986-11-30	170	0828862	1987-01-15
107	0651950	1986-11-30	171	0828963	1987-01-15
108	0655049	1987-01-31	172	0829460	1987-01-15
109	0656354	1986-11-30	173	0831346	1987-01-15
110	0658257	1986-12-15	174	0831447	1987-01-15
111	0658762	1986-12-31	175	0831952	1987-01-31
112	0660244	1986-12-31	176	9833956	1987-01-31
113	0661751	1986-12-31			
114	0661953	1986-12-31			
115	0662046	1986-12-31			
116	0662349	1986-12-31			
117	0664252	1987-01-15			
118	0664353	1986-12-31			
119	0664656	1987-01-15			
120	0666054	1987-01-15			
121	0666963	1987-01-31			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
177	0835354	1987-01-31	234.	1025122	1987-01-15
178	0837661	1987-01-31	235.	1025728	1987-01-15
179	0885975	1986-12-31	236	1025930	1987-01-15
180	0893772	1986-08-31	237	1026225	1987-01-15
181	0899077	1986-09-30	238.	1026427	1987-01-15
182	0908658	1986-12-31	239.	1026932	1987-01-15
183	0915049	1986-11-30	240.	1027429	1987-01-15
184	0916354	1986-11-30	241.	1027631	1987-01-31
185	0916960	1986-11-30	242.	1027732	1987-11-31
186	0919057	1986-12-15	243.	1027833	1987-11-31
187	0922248	1986-12-15	244.	1037735	1962-12-31
188	0922450	1986-12-31	245.	1045633	1986-12-15
189	0922854	1986-12-31	246.	1047637	1986-03-15
190	0923149	1986-12-31	247.	1054028	1986-03-31
191	0924050	1986-12-31	248.	1067441	1986-04-15
192	0924151	1986-12-31	249.	1075238	1986-05-15
193	0925860	1986-12-31	250.	1076543	1986-12-31
194	0925961	1987-01-15	251.	1091539	1986-06-30
195	0926054	1987-01-15	252.	1093846	1987-01-31
196	0926357	1986-12-31	253.	1094242	1986-12-31
197	0928159	1987-01-15	254.	1096650	1986-07-15
198	0928664	1987-01-15	255.	1107528	1985-08-15
199	0928967	1987-01-15	256.	1114323	1986-09-15
200.	0930247	1987-01-15	257.	1128435	1986-11-15
201.	0930651	1987-01-15	258.	1129336	1986-11-15
202.	0930752	1987-01-15	259.	1135331	1986-12-15
203.	0931047	1987-01-15	260.	1135432	1986-11-30
204.	0932554	1987-01-31	261.	1136030	1986-12-15
205.	0933960	1987-01-31	262.	1136232	1986-12-15
206.	0943155	1986-11-15	263.	1136737	1986-12-14
207.	0978578	1986-07-15	264.	1137739	1986-12-15
208.	0983066	1986-11-30	265.	1140526	1986-12-31
209.	0991570	1986-09-15	266.	1140930	1986-12-15
210.	1000914	1986-12-15	267.	1141326	1986-12-31
211.	1002716	1986-11-30	268.	1142227	1986-12-31
212.	1008021	1986-11-15	269.	1142429	1986-12-31
213.	1008526	1986-11-30	270.	1142530	1986-12-31
214.	1008627	1986-11-30	271.	1142732	1986-12-31
215.	1010816	1986-11-30	272.	1143532	1986-12-31
216.	1012921	1986-11-30	273.	1144029	1986-12-31
217.	1015119	1986-12-15	274.	1144130	1986-12-31
218.	1015725	1986-12-15	275.	1145334	1986-12-31
219.	1017628	1986-12-15	276.	1145738	1986-12-31
220.	1018024	1986-12-15	277.	1145839	1986-12-31
221.	1018832	1986-12-15	278.	1146235	1987-01-15
222.	1020011	1986-12-31	279.	1146336	1987-01-15
223.	1020112	1986-12-31	280.	1147035	1986-01-15
224.	1021114	1986-12-31	281.	1147641	1987-01-15
225.	1021518	1986-12-31	282.	1147742	1986-12-31
226.	1021619	1986-12-31	283.	1147944	1987-01-15
227.	1021922	1986-12-31	284.	1148340	1987-01-15
228.	1022015	1986-12-31	285.	1148845	1987-01-15
229.	1023724	1987-01-15	286.	1149140	1987-01-15
230.	1023825	1987-01-15	287.	1149544	1987-01-15
231.	1024120	1987-01-15	288.	1149645	1987-01-15

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
289.	1149746	1987-01-31	345.	1266851	1987-01-15
290.	1149847	1987-01-15	346.	1266952	1987-01-15
291.	1149948	1987-01-31	347.	1267045	1987-01-15
292.	1151026	1987-01-31	348.	1267146	1987-01-15
293.	1152432	1987-01-15	349.	1267348	1987-01-31
294.	1154234	1987-01-31	350.	1267449	1987-01-15
295.	1157442	1987-01-31	351.	1268350	1987-01-15
296.	1160229	1986-12-31	352.	1269049	1986-11-15
297.	1171133	1986-03-15	353.	1269352	1987-01-31
298.	1192848	1986-06-15	354.	1269554	1987-01-31
299.	1194650	1986-06-15	355.	1270640	1987-01-31
300.	1198759	1986-06-15	356.	1288760	1986-03-15
301.	1204223	1986-06-30	357.	1298258	1986-03-31
302.	1205124	1986-06-30	358.	1305128	1986-03-31
303.	1227437	1986-12-31	359.	1315636	1986-06-15
304.	1235537	1986-09-15	360.	1321429	1986-06-30
305.	1243940	1986-11-30	361.	1324334	1986-07-15
306.	1248243	1986-11-30	362.	1324435	1986-07-15
307.	1248950	1986-11-30	363.	1328443	1986-07-31
308.	1249043	1986-11-30	364.	1333840	1986-08-31
309.	1249144	1986-11-30	365.	1338648	1986-08-31
310.	1249245	1986-11-30	366.	1341031	1986-09-15
311.	1249548	1986-11-30	367.	1351640	1986-11-30
312.	1249750	1986-11-30	368.	1351741	1986-11-30
313.	1249851	1986-11-30	369.	1351842	1986-11-30
314.	1250937	1986-11-30	370.	1352137	1986-11-30
315.	1254743	1986-12-15	371.	1352440	1986-12-15
316.	1255139	1986-12-15	372.	1352844	1986-12-15
317.	1255240	1986-12-15	373.	1352945	1986-12-15
318.	1255745	1986-12-15	374.	1353846	1986-12-15
319.	1256545	1986-12-15	375.	1354545	1986-12-15
320.	1257345	1986-11-30	376.	1355345	1986-12-15
321.	1258044	1986-12-31	377.	1355547	1986-12-15
322.	1258650	1986-12-15	378.	1355648	1986-12-15
323.	1259046	1986-12-15	379.	1356145	1986-12-31
324.	1259147	1986-12-31	380.	1356549	1986-10-31
325.	1259753	1986-12-31	381.	1356650	1986-12-31
326.	1259955	1986-12-31	382.	1357147	1986-12-31
327.	1260839	1986-12-31	383.	1357551	1986-12-31
328.	1261639	1986-12-3	384.	1357652	1986-12-31
329.	1261942	1986-12-31	385.	1357854	1987-01-15
330.	1261136	1987-01-15	386.	1358048	1986-12-31
331.	1263239	1987-01-15	387.	1358149	1987-01-15
332.	1264039	1987-01-15	388.	1358351	1986-12-31
333.	1265142	1987-01-15	389.	1358452	1987-01-15
334.	1265243	1987-01-15	390.	1358553	1987-01-15
335.	1265344	1987-01-15	391.	1358957	1987-01-15
336.	1265445	1987-01-15	392.	1359050	1987-01-15
337.	1265546	1987-01-15	393.	1359151	1987-01-15
338.	1265647	1987-01-15	394.	1359252	1987-01-15
339.	1265748	1987-01-15	395.	1359353	1987-01-15
340.	1265849	1987-01-15	396.	1359454	1987-01-15
341.	1266245	1987-01-15	397.	1359555	1987-01-15
342.	1266346	1987-01-15	398.	1359656	1987-01-15
343.	1266649	1987-01-15	399.	1359858	1987-01-15
344.	1266750	1987-01-15	400.	1360035	1987-01-15

(1)	(2)	(3)	संचार मंत्रालय
401.	1360136	1987-01-15	(दूरसंचार विभाग)
402.	1360540	1987-01-15	नई घिस्ली, 29 सितम्बर, 1987
403.	1360641	1987-01-15	
404.	1360944	1987-01-15	का०आ० 2857—स्थायी आदेश संख्या 627, विनांक 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के अंतर्गत III के पैरा (क) के अनुसार महानिवेशक, दूरसंचार विभाग ने यावतीरि टेलीफोन केन्द्र, कर्नाटक को सकिल में विनांक 17-10-1987 से प्रभावित दर प्रभावी लागू करने का निष्काय किया है।
405.	1361037	1987-01-15	[संख्या 5-7-87-पी०एच०बी०]
406.	1361138	1987-01-15	
407.	1361239	1987-01-15	
408.	1361441	1987-01-15	
409.	1362140	1987-01-15	
410.	1362241	1987-01-15	
411.	1362342	1987-01-15	MINISTRY OF COMMUNICATIONS
412.	1362544	1987-01-15	(Department of Telecommunications)
413.	1362645	1987-01-15	
414.	1363445	1987-01-15	New Delhi, the 29th September, 1987
415.	1363546	1987-01-15	S.O. 2857.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 17-10-87 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Yadgiri Telephone Exchange, Karnataka Telecom., Circle.
416.	1363748	1987-01-15	[No. 5-7/87-PHB]
417.	1363849	1987-01-31	
418.	1363950	1987-01-31	
419.	1364245	1987-01-15	
420.	1364346	1987-09-30	
421.	1364447	1987-01-15	
422.	1364548	1987-01-15	
423.	1365247	1987-01-15	
424.	1365348	1987-01-15	
425.	1365550	1987-01-15	
426.	1365752	1987-02-28	
427.	1365853	1987-01-31	
428.	1366249	1987-01-31	
429.	1366451	1987-01-31	
430.	1366754	1987-01-31	
431.	1366855	1986-01-31	
432.	1367453	1987-01-31	
433.	1368657	1987-01-31	
434.	1368758	1987-01-31	
435.	1368960	1987-01-31	
436.	1369962	1987-02-28	
437.	1370038	1987-01-15	

[No. CMD/13:12]

[No. 5-2/87-PHB]

P. R. KARRA, Asst. Director General (PHB)

हृषि भवान

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई घिस्ली 22 सितम्बर, 1987

का०आ० 2859.—मिर्ज खेलीकरण और विस्तृत मियम, 1962 का और संशोधन करने के लिये कलियन-नियमों का एक प्र.स्पष्ट हृषि दग्ध (येत्तोकरण द्वारा वित्तांकन) प्रविनियम 1937 (1937 का 1) की वाया 3 की प्रवेशानुसार भारत वरकार के हृषि भवान (ग्रामीण विकास विभाग) की प्रविनियमना स. का.पा. 284 तारीख 9 जनवरी, 1987 के अधीन भारत के राज्यों असाधारण वाया 2 वाह 3 उपलब्ध (ii) तारीख 31 जनवरी, 1987 के पृष्ठ 378—84 पर प्रकाशित किया गया था उस राज्यों की प्रविनियम जिसमें उपलब्ध प्रविनियमानुसार वित्तांकन द्वारा वित्तांकन की वित्तांकन की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से जिसकी उमसे प्रभावित होने की समाजना है आक्षेप और सुश्राव मार्गे गये थे।

धौर उत्तर राज्यपाल 16-2-1987 को जमता को उपलब्ध करा दिया गया था;

धौर केन्द्रीय वरकार ने जमता से प्राप्त आंकेपों और सुश्रावों पर विचार कर दिया है।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की आरा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचनीकरण और विनाशकम नियम 1962 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है इर्थात् :

निधम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम मिर्ज श्रेणीकरण और चिन्हांकन (संसोधन) नियम 1987 है।
 2. मिर्ज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम 1962 में—
(क) नियम 3 और 4 में “अनुसूची 1 से 5-ए” शब्दों अंक और प्रश्नर के स्थान पर “अनुसूची 1 से 5-ए” शब्द अंक और प्रश्नर रखे जायेंगे;
(ख) विद्यमान अनुसूची 1 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जायेगी अवधारिता:—

(अनुसूची 1 संलग्न) क—क

- (ग) अनुसूची 2 का रूप किया जायेगा;
 (घ) विद्यमान अनुसूची 3, 4 और 5 को क्रमशः अनुसूची 2, 3, और 4 के रूप में पुनः संछयाकृत किया जावेगा;
 (ड) विद्यमान अनुसूची 5-के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा:

३४

(च) विद्यमान अनसची 5खक के स्थान पर निम्नलिखित अनसची रखी जायेगी, प्रथम-

三一四

(४) विद्यमान अनुसूची ५-ग के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जायेगी, पृष्ठा १।

四一四

टिप्पण : मूल नियम भारत सरकार के खाद्य और कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) की अधिसूचना सं. फा.-1-12/61/ए.एम. (ii), तारीख 6-7-1962 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, छंड, 3 उपछंड (ii) तारीख 14-7-62 के का.आ. 2160 के रूप में पृष्ठ 2435—2442 पर प्रकाशित किये गये थे और तत्पचात् उन का निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया;

- (1) सरकार अधिसूचना सं. का. 17-3/63 ए.एम. तारीख 1-10-1963 भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 12-10-1963 के का.आ. 2892 के रूप में पृष्ठ 3691—3696 पर प्रकाशित किये गये।

(2) सरकार अधिसूचना सं. का. 17-3/64 ए.एम. तारीख 7-10-1964 भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 17-10-1964 के का.आ. 3652 के रूप में पृष्ठ 4095—4096 पर प्रकाशित किये गये;

(3) सरकारी अधिसूचना सं. का. 15-2/65 ए.एम. तारीख 10-3-1966 भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 19-3-1966 के का.आ. 836 के रूप में पृष्ठ 736—787 पर प्रकाशित किये गये।

(4) सरकार अधिसूचना सं. का. 1/70 ए.ए. तारीख 20-7-1970 के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 1-8-1970 के का.आ. 2579 के रूप में पृष्ठ 3321—3330 पर प्रकाशित किये गये।

[सं. का. 10 11/85-एम.आई.]

आर. होरो, अवर सचिव

कृष्णसंची—1

(नियम 3 और 4 देखिए)

वाणिज्यिक रूप से सन्तान के रूप में ज्ञात मिर्च के श्रेष्ठी प्रसिद्धान और क्वालिटी की परिभाषा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
स.आ.	सन्नम साधारण	चमकीला हल्का लाल	3 से.मी. से ऊपर और 5 से.मी. से कम	10	7	3	4	2	12	(ख) का अक्षर, तीखा पन और बौंज की मात्रा इतनी होगी जितनी उस किस्म के लिये प्रसामान्य है।
स.आ.	सन्नम अच्छी	कालेपन के साथ मन्द लाल	3 से.मी. से ऊपर और 5 से.मी. से कम	15	10	5	6	3	12	(ग) फूँदी, कीद्वारा की गई क्षति से मुक्त और अच्छी हालत में होगी तथा मानव उपभोग के लिये ठीक होगी
अद्विनिर्दिष्ट (एन एस)	सन्नम			5	12	(ख) केवल एक मौसम की चालू वर्ष की फसल होगी और बाह्य रंजक पदार्थों तेल और अन्य हारिकारक पदार्थों से मुक्त होगी।				

स्पष्टीकरण :—

(X) अविनिर्दिष्ट: एक नियमित श्रेणी नहीं है। यह केता को उन विनिर्दिष्ट श्रेणियों की पूर्ति करने के लिये है जो किन्हीं नियमित श्रेणियों के अन्तर्गत नहीं आती हैं। इसे केवल निर्धारित श्रेणीकरण के लिये केता से किसी विनिर्दिष्ट आदेश के विरुद्ध जिसमें क्वालिटी और अपेक्षित मात्रा दर्शित होगी, अनुज्ञात किया जायेगा।

लम्बाई : फली की लम्बाई की तर्जना, फल की नोक से वृत्ति बिन्दु तक, जहाँ जल जुड़ा है, की जायेगी। श्रेणीकरण में आकृतिक गलतियों के लिये उन कफिलों के लिये जो विनिरिट्ट लम्बाई के अन्तर्वर्त नहीं हैं, 5 प्रतिशत तक सूख्या सभी श्रियों में अनन्वात की जायेगी।

साबूत फलियाँ : साबूत फलियाँ वे हैं, जो साबूत फली की लम्बाई के 75 प्रतिशत या उससे अधिक तक साबूत

टूटी फलियां : टूटी फलियां वे फलियां हैं, जो आकार में ऐसे टुकड़ों में टूटी हुई हैं, जो साबूत फली के अन्तर्गत नहीं हैं।

बिखरे बीज : मिर्च की फलियों से निकले बीज, बिखरे बीज समझे जायेंगे।

क्षतिग्रस्त अपरंजित फलियाँ : क्षतिग्रस्त फलियाँ वे फलियाँ हैं, जो सारतः क्षतिग्रस्त हैं और क्षालिटी को प्रभावित करती हैं। वे फलियाँ, जिनके 25 प्रतिशत या अधिक तक बाहरी भाग पर भूरे, काले, सफेद और अन्य रंगीन धब्बे हैं, अपरंजित फलियाँ समझी जायेंगी। द्विजातीय पदार्थ : सभी बाह्य पदार्थ, जिनके अन्तर्गत टोपी के टकड़े और बिखरे ढंग भी हैं, द्विजातीय पदार्थ माने जायेंगे।

नमी के लिये लड़ाया: वर्षा जल के दोसरा अर्थात् 1 जन से 30 मिलिमीटर तक, 1 प्रतिवर्ष नमी की सहायता अनजात की जायेगी।/क

ख/‘अनसची—5

(नियम 3 और 4 देखिए)

इन नियमों की अनुसूची 1,2,3 और 4 के अन्तर्गत नहीं आने वाली और भारत में उत्पादित मिर्च की किसी कावालिटी का श्रेणी अभिधान और परिभ्रान्ति

श्रेणी अभिधान	विशेष लक्षण	साधारण लक्षण	
रंग	डंठल के बिना दूरी दूरी मिर्च फलियां भार भार के के आधार पर आधार पर प्रतिशत प्रतिशत	विखरे बीज भार के भार के अपरंजित आधार पर आधार पर के आधार पर प्रतिशत के आधार पर प्रतिशत	क्षतिप्रस्त आग्र विजातीय नमी भार के पदार्थ भार आधार पर के आधार पर प्रतिशत प्रतिशत

1	2	3	4	5	6	7	8	9
विशेष	किस्म का लक्षण	5	5	2	2	1	12	मिर्च-- (क) कैपिसिकम एन्नम एवं जाति के सुखे फल होते ।
साधारण	किस्म का लक्षण	10	7	3	4	2	12	(ख) लाक्षणिक आकार, रंग, लम्बाई, तीखापन और बीज की मात्रा उतनी होती जितनी सामान्य किस्म के लिये है ।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
अधिकारी	किस्म का लक्षण	15	10	5	6	3	12	(ग) बृश फूलों की कीट की वज्र से मृत और अच्छी हालत में होगी तथा मानव उपभोग के लिये ठीक होगी।
अधिनियमित*				5	6	3	12	(व) केवल, एक मौसम के वाले वर्ष की फसल होगी और बालू रंगक पदार्थों, तेल और अन्य किसी स्थानिकारक पदार्थ से मृत होगी। (क) प्रत्येक परेक्षण के रंग में एक समानता होगी और परेक्षण भीतर एक धैर्य में दूसरे धैर्य के रंग में भिन्नता नहीं होगी।

स्पष्टीकरणः

किस्मः

अधिनियमितः

सावृत फलियाः

टूटी हुई फलियाः

अतिप्रस्त और उपरजित फलियाः

विजातीय पदार्थः

नमीः

किस्म का नाम, श्रेणी अधिकारी भिन्नत लेवल पर पृथक रूप में स्टापित होगा।

नियमित श्रेणी नहीं है। पहले खेतों की उन विनियोग अपेक्षाओं की पूर्ति करने के लिये है, जो किन्तु नियमित श्रेणियों के अन्तर्गत नहीं आती हैं। इसे केवल नियान्त श्रेणीकरण के लिये फैला ले किसी विनियोग आदेश के विस्तृत जिसमें अपेक्षित भला और क्वालिटी दर्शन होगी अनुज्ञात किया जायेगा।

सावृत फलियों के अन्तर्गत वे फलियां हैं जो सावृत फली के 75 प्रतिशत या उसमें अधिक तक लम्बाई में अक्षत हैं। टूटी फलियों वे हैं जो आकार में ऐसे दृश्यों में टूटी हुई हैं, जो सावृत फली के अन्तर्गत नहीं शाती हैं। अतिप्रस्त फलियों वे फलियां हैं, जो सावृत अतिप्रस्त हैं और क्वालिटी को प्रभावित करती हैं। वे फलियां, जिनके 25 प्रतिशत या उसमें अधिक तक बाहरी भाग पर खुरे, काले, सफेद और अन्य रंगीन धब्बे हैं, अपरंजित फलियां समझी जायेगी।

सभी वाल्य पदार्थ, जिनके अन्तर्गत भिन्नी के टूकड़े और खिंचे डंडे भी हैं, विजातीय पदार्थ माने जायेगे। वर्षा अंतु के दौरान प्रथम् 1 जून से 30 सितम्बर, तक 1 प्रतिशत नमी की सहायता अनुज्ञात की जायेगी/ख*

ग “अनुसूची 5-वा

(नियम 3 और 4 देखिए)

भारत में उत्पादित डंडन रहित मिचौं के श्रेणी अधिकारी और क्वालिटी की परिभाषा

1. डंडन रहित मिचौं, उन मिचौं से प्राप्त की जाएगी, जो टॉपी भहित डंडों को निकालने के पश्चात् अनुसूची 1 से 5 में (अधिनियमित के सिवाय) किसी श्रेणी अधिकारी द्वारा उपर्याप्ति के अनुरूप है।

2. डंडन रहित मिचौं का श्रेणी अधिकारी उन्हीं विचौं के पन्तुसार होगा, जिनसे इन्हें निकाला गया है। सिवाय इस कि श्रेणी अधिकारी के पश्चात् “डंडन रहित” शब्द जोड़ दिया जाएगा।

3. डंडन सहित फलियों के लिए अधिकतम महावर्ता सीमा मधी श्रेणियों के लिए वापु गणना द्वारा 3 प्रतिशत होगी और टॉपी सहित फलियों के लिए गणना द्वारा 7 प्रतिशत होगी।/ग

प—“अनुसूची 5-ब

(नियम 3 और 4 देखिए)

भारत में उत्पादित छंटा विचौं के श्रेणी अनियन्त्रित और क्वालिटी हो परिभाषा

1. छंटी विचौं उन मिचौं से प्राप्त की जाएगी जो भूल से छंटल छाटने के पश्चात् किन्तु टॉपी अक्षत रखने के पश्चात् अनुसूची 1 से 5 में (अधिनियमित के सिवाय) किसी श्रेणी अधिकारी द्वारा उपर्याप्ति क्वालिटी के अनुरूप है।

2. छंटी हुई मिचौं का श्रेणी अधिकारी उन्हीं मिचौं के अनुसार होगा, जिनसे इन्हें प्राप्त किया गया है, सिवाय इसके कि श्रेणी अधिकारी के पश्चात् “छंटी हुई” शब्द जोड़ दिया जाएगा।

3. छंटल सहित फलियों की सभी श्रेणियों को लागू अधिकतम महावर्ता सीमा गणना में 3 प्रतिशत होगी।/ग

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 22nd September, 1987

S.O. 2859.—Whereas certain draft rules further to amend, the Chillies Grading and Marking Rules, 1962 were published as required by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), under the notification of the Government of India, Ministry of Agriculture, (Department of Rural Development) S.O. No. 284 dated 9th

January, 1987 at pages 378-384 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 31st January, 1987, inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby, before the expiry of the period of 45 days from the date on which the copies of the Gazette containing the said notification are made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 16-2-1987;

And whereas the objections and suggestions received by the Central Government from the public have been considered.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Chillies Grading and Marking Rules, 1962, namely :—

RULES

1. These rules may be called the Chillies Grading and Marking (Amendment) Rules, 1987.
2. In the Chillies Grading and Marking Rules, 1962,—
 - (a) In rules 3 and 4, for the words, figures and letter "Schedules I to V-C" the words, figures and the letter "Schedule I to V-B" shall be substituted;
 - (b) for the existing Schedule I, the following Schedule shall be substituted, namely :—(Schedule-I attached); A-A.
 - (c) the Schedule II shall be omitted;
 - (d) the existing Schedule III, IV and V shall be re-numbered as Schedule II, III and IV, respectively;
 - (e) for the existing Schedule V-A the following Schedule shall be substituted, namely:—B-B.
 - (f) for the existing schedule V-B, the following Schedule shall be substituted; namely :—C-C.
 - (g) for the existing Schedule V-C, the following Schedule shall be substituted; namely;—DD.

NOTE :—The principal rules were published under the notification of the Government of India, in the Ministry of Food & Agriculture (Deptt. of Agriculture) No. F. 1-12/61-AM(II), dated 6-7-1962 as S.O. 2160 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated 14-7-1962 at pages 2435-2442, and were subsequently amended by—

- (1) Government Notification No. F. 17-3/63 AM dated 1-10-1963 published as S.O. 2892 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 12-10-1963 at pages 3691-3696;
- (2) Government Notification No. F. 17-3/64 AM dated 7-10-1964 published as S.O. 3652 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 17-10-1964 at pages 4095-4096;
- (3) Government Notification No. F. 15-2/65 AM dated 10-3-1966 published as S.O. 836 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated 19-3-1986 at pages 786-787;
- (4) Government Notification No. F. 13-1-70, LA, dated 20-7-1970 published as S.O. 2579 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated 1-8-1970 at pages 3321-3330.

[No. F. 10-11/85-M.I]
R. HORO, Under Secy.

A/“SCHEDULE-I

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of Chillies and commercially known as Sannam

Special Characteristics											General Characteristics
Grade Designation	Trade Name	Colour	Length	Pods with out stalks, per cent	Broken Chillies per cent by weight	Loose seed per cent by weight	Damaged & dis-coloured goods per cent by weight	Foreign matter by weight	Moisture percent by weight		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
S.S. Sannam Special	Lightered Shinning	5 cm and above	5	5	2	2	1	12	Chillies shall :—		
S.G. Sannam General	Light red Shinning	above 3 cm & below 5 cm.	10	7	3	4	2	12	(a) be the dried ripe fruits belonging to the species <i>Capsicum annum</i> ;		
S.F. Sannam Fair	Blackish dull red	above 3 cm & below 5 cm.	15	10	5	6	3	12	(b) have shape, pungency and seed contents normal to the variety;		
Non *Sannam Specified—NS						5	12		(c) be free from mould, insect damage and be in sound condition and fit for human consumption;		
									(d) be current years crop belonging to one season only and shall be free from extraneous colouring matter, oil and other harmful substance.		

Explanations :

*NON SPECIFIED : is not a regular grade. It is provided to meet such specific requirements of the buyer which are not covered under any of the regular grades. It shall be allowed only for export grading against a specific order from the buyer indicating the quality and quantity required.

Schedule I Contd/- Length :	only for export grading against specific order from the buyer indicating the quality and quantity required. The length of the pods shall be reckoned from the tip of the fruit to the pedical point where the stalk is attached. For accidental errors in grading tolerance upto 5 per cent for pods not conforming to the specified length will be allowed in all grades.
Whole pods :	Whole pods include pods which are intact length wise to the extent of 75 per cent or more of the whole pods.
Broken pods :	Broken pods are pods which are broken into pieces of sizes not included under whole pods.
Loose seeds :	Seeds out of Chilli pods will be considered as loose seeds.
Damaged Discoloured Pods :	Damaged pods are those pods which are damaged materially affecting the quality pods having brown, black, white and other coloured patches covering 25 per cent or more surface area of pods will be considered as discoloured pods.
Foreign matter :	All extraneous matter including caly pieces and loose stalks will be treated as foreign matter.
Tolerance for moisture :	A tolerance of 1 per cent for moisture will be allowed during monsoon season i.e. 1st June to 30th September."/A

B/“SCHEDULE V

(See rules 3 & 4)

Grade designation and definition of the quality of Chillies varieties not covered by Schedule I, II, III and IV of these rules and produced in India

Grade designation	Colour	Special Characteristics							General Characteristics
		Pods without stalks percent by Wt. percent by Weight (Max.)	Broken Chillies percent by Wt. (Max.)	Loose seeds percent by Wt. (Max.)	Damaged dis- coloured pods per cent by Weight Wt. (Max.)	Foreign matter percent by Weight (Max.)	Moisture per cent by Wt. (Max.)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	
Special	Characteristic of the variety	5	5	2	2	1	12	Chillies shall	
								(a) be the dried fruits belonging to the species <i>Capsicum annum</i> .	
General	Characteristics of the variety	10	7	3	4	2	12	(b) have characteristic shape, Colour, length, pungency and seed contents normal to the variety %.	
Fair	Characteristic of the variety.	15	10	5	6	3	12	(c) be free from visible mould on insect damage and be in sound condition and fit for human consumption.	
NON SPECIFIED *						5	12	(d) be current year's crop, belonging to one season only and be free from extraneous colouring matter, oil and any other harmful substance; and	
								(e) be of uniform colour in each individual consignment and that colour shall not vary from bag to bag within the consignment.	

Explanations :

%Variety .	The name of the variety shall be separately stamped on the grade designation mark label.
*NON SPECIFIED :	is not regular grade. It is provided to meet such specific requirements of the buyer which are covered under any of the regular grades. It shall be allowed only for export grading against a specific order from the buyer indicating the quantity and quality required
Whole pods :	Whole pods include pods which are intact length wise to the extent of 75 per cent or more of the whole pods.
Broken Pods :	Broken pods are pods which are broken into pieces of sizes not included under whole pods.
Damaged and discoloured Pods :	Damaged pods are those damaged materially affecting the quality pods having brown, black, white and other coloured patches to an extent of 35 per cent or more are considered as discoloured pods.
Foreign matter :	All extraneous matter including, caly pieces and loose stalks will be treated as foreign matter.
Moisture :	A tolerance of 1 per cent for moisture content will be allowed during monsoon season i.e. 1st June to 30th September."/B

C "SCHEDULE V-A

(See rules 3 and 4)

Grade designations and definition of quality of stalkless Chillies produced in India

1. Stalkless Chillies shall be obtained from Chillies conforming to the quality indicated by any grade designation in Schedules I to V (except non-specified) after removal of stalks together with Calyx.
2. The grade designation of the stalkless chillies shall be the same from which the chillies are obtained except that the word "Stalkless" shall be appended after the grade designation.
3. The maximum tolerance limit for pods with stalk shall be 3 per cent by count and for pods with calyx 7 per cent by count applicable for all grades.

D "SCHEDULE V-B

(See rules 3 and 4)

Grade designation and Definition of the Quality of Clipped Chillies produced in India

1. Clipped Chillies shall be obtained from Chillies conforming to the quality indicated by any grade designation in Schedule I to V (except non-specified) after clipping stalks from the base, but keeping calyx intact.
2. The grade designation of the clipped chillies shall be the same from which the chillies are obtained except that the word 'Clipped' shall be appended to the grade designation.
3. The maximum tolerance limit for pods with stalk shall be 3 per cent by count applicable for all grades."/D.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1987

का.आ. 2860:—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा निर्मित स्थायी वित्त समिति के नियमों के नियम 2 (4) के अनुसरण में तथा कृषि भूल्य उपकर अधिनियम, 1940 के अनुच्छेद 7(2) में दिये गये प्रावधानों के अनुसरण में, शासी निकाय के निम्नलिखित दो सदस्यों का उपनिकाय द्वारा 22-12-87 तक की प्रोप्र अवधि के लिए या उस समय तक के लिए जब तक कि उनके उत्तराधिकारी का विधिवत् रूप रोजगार नहीं हो जाता, इनमें से जो भी समय पहले हो, स्थायी वित्त समिति के सदस्य के रूप में चयन किया जाता है।

1. डा. पी.एन. सौ, निदेशक, भारतीय पानचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, छंडिगढ़ (उ.प्र.)
2. डा. सुखदेव पितृ, कृतपति, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लखनऊ (पंजाब)

[सं. फा. 2(1)/85-परान्वय-1]

एम.जी. मेनन, अवर मंचिव

New Delhi, the 25th September, 1987

S.O. 2860.—In pursuance of Regulation 2(iv) of the Standing Finance Committee Regulations framed by the ICAR and in pursuance of provision contained in Section 7(2) of the A.P. Cess Act, 1940, the following two members of the Governing Body have been elected by that Body to be members of the Standing Finance Committee for the remaining period up to 22-12-87 or till such time as their successors are duly elected whichever is earlier.

1. Dr. P. N. Bhat, Director, Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar (U.P.).
2. Dr. Sukhdev Singh, Vice-Chancellor, Punjab Agricultural University, Ludhiana (Punjab).

[No. F. 2(1)/85-CDN-I]

M. G. MENON, Under Secy.

स्थायी और परिषद वित्त समिति

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1987

का.आ. 2861:—दस्त-चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के लगड़ (घ) के अनुसरण में, डा. (मीरा) अमृत तेवारी नामांगनम् पोर्टलर और जगदा, एम्फी विद्यालय, स्वास्थ्यकान्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ को पंजाब विश्वविद्यालय की मिनिट द्वारा 5 अप्रैल, 1987 से भारतीय बन्त विकल्पा परिषद का सदस्य चुना निर्वाचित किया गया है।

अत त्रुट, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के साथ गठित धारा 3 के लगड़ (घ) के अनुसरण में, भारत सरकार के स्थायी और परिषद वित्त समिति की अधिसूचना संबंधी का.आ. 430, तारीख 24 जनवरी, 1984 का निम्नलिखित संशोधन करने है, अर्थात् :

उक्त अधिसूचना में धारा 3 के लगड़ (घ) के अन्तर्गत निर्वाचित एकीकृत के अधीन, अब जाल्य 1 के सामने, संबंध 5 में वी प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि दर्शायी गयी, अर्थात् :

"5-4-1987"।

[सं. फा. 12013/3/87-र्जि.प्रमाणपत्र]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 22nd September, 1987

S.O. 2861.—Whereas in pursuance of clause (d) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. (Mrs.) Amrit Tewari, MDS, Professor and Head, Department of Dentistry, Post Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh has been re-elected to be a member of the Dental Council of India by the Senate of the Punjab University with effect from the 5th April, 1987;

Now, therefore, in pursuance of clause (d) of section 3 read with sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare, No. S.O. 430, dated the 24th January, 1984, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (d) of section 3", against serial number 1, in column 5 for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"5-4-1987".

[No. V-12013/3/87-PMS]

नई विल्ली, 23 सितम्बर, 1987

का०आ० 2862 :—केन्द्रीय सरकार, दंत-चिकित्सक अधिनियम 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त प्रतिक्रियाएँ का प्रयोग करते हुए, भारतीय दंत चिकित्सा परिषद से परामर्श करते के पश्चात, उक्त अधिनियम की अनुसूची के धारा 1 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :

उक्त धारा-1 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबंधित क्रम सं० 13 के सामने (क) स्तम्भ 2 के अन्तर्गत विद्यामान प्रविष्टियों को

New Delhi, the 23rd September, 1987

S. O. 2862.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consulting the Dental Council of India, hereby makes the following further amendment in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

In the said Part-I against serial number 13 relating to the Osmania University, (a) the existing entries under column 2, shall be numbered as (i); (b) after the entry (i) so numbered, under columns 2 and 3, the following entries shall be inserted, namely—

TABLE

2

3

“(ii) Master of Dental Surgery
(Oral Medicine and Radiology).

M.D.S.
(Oral Medicine and Radiology), Omania.”

[No. V. 12018/8/85-PMS)
G.G.K. NAIR, Under Secy.

नई विल्ली, 28 सितम्बर, 1987

का०आ० 2863 :—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपवर्णनों के अनुसरण में, डा० नेताई चन्द्र चक्रवर्ती, प्रधानाचार्य बद्रवान मेडिकल कालेज, बुर्दुवान, को अंतर्वाचन विधिवालय समा० द्वारा इस अधिसूचना के पारी किए जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के अनुपूर्व स्व.स्य मन्त्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 138 (सं० 5-13/59 एम०आ०ई०) तारीख 9 जनवरी 1960 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :

उक्त अधिसूचना में, धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के निर्वाचित व्यक्तिके के अंदर क्रम सं० 53 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :

“53 डा० नेताई चन्द्र चक्रवर्ती,

प्रधानाचार्य,

बुर्दुवान मेडिकल कालेज,

बुर्दुवान (पश्चिमी बंगाल)

[संख्या वी० 11013/16/87-एम०ई० (पी)]

ज्ञार० श्रीनिवासन, अवन सचिव

New Delhi, the 28th September, 1987

S.O. 2863.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Netai Chandra Chakraborty Principal Burdwan Medical College, Burdwan has been elected by the Court of University of Burdwan, West Bengal to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this notification.

87|1250 GI—12

(1) के रूप में प्रकार किया जाएगा, (ख) इस प्रकार प्रक्रिया (1) के पश्चात स्तम्भ 2 और स्तम्भ 3 के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :

(2)

(3)

(2) डैटल सर्जरी में मास्टर इम०डी०एस० (मोरत मैडिसन और श्रीराम मैडिसन और रेडियोलॉजी), उस्मानिया

[संख्या वी० 12028/8/85-एम०एस०]

ज्ञार० जी० के० नायर, अवन सचिव

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Govt. of India in the Late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI) dated the 9th January, 1968, namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3” for serial number 53 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

53. Dr. Netai Chandra Chakraborty,
Principal,
Burdwan Medical College,
Burdwan (West Bengal).

[No. V.11013/16/87-ME(P)]
R. SRINIVASAN, Under Secy.

रेल मन्त्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई विल्ली, 23 सितम्बर, 1987

का०आ० 2864 :—समय-समय पर यथासंशोधित मेट्रो रेलवे (निर्माण कार्य) अधिनियम, 1978 (1978 की सं० 33) की धारा 16(1) के अनुसार, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, पश्चिम बंगाल उच्च न्यायिक सेवा के अधिकारी तथा सिटी सिविल एवं सेशन न्यायालय, कलकत्ता के न्यायाधीश श्री अरुण कुमार दत्त को 1-9-1987 से मेट्रो रेलवे, कलकत्ता के लिए उक्त अधिनियम के प्रयोजन देतु अपीलीय अधिकारी के रूप में नियूक्त करती है।

[सं० 84/ई (ओ) 11/25/4]

सतीश मोहन वैश, सचिव, रेलवे बोर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 23rd September, 1987

from time to time the Central Government hereby appoints Shri Arun Kumar Dutta an officer of West Bengal Higher Judicial Service and Judge, City Civil and Sessions Courts, Calcutta as Appellate Authority for the purpose of the said Act for Metro Railway, Calcutta with effect from 1-9-1987.

S.O. 2864.—In terms of Section 16(i) of the Metro Railways (Construction of Works) Act 1978 (No. 33 of 1978) as amended

[No. 84/E(O)II/25/4]

S. M. VAISH, Secy. Railway Board

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1987

आदेश

का. आ. 2865:—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या एस. ओ. 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 की प्रथम अनुसूची में निर्दिष्ट प्रत्येक अधिनियम के उपबंध के अंतर्गत जारी किए गए निदेशों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतदद्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को, उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपांतरों सहित जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है:—

अनुसूची

क्र. सं. फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई आवेदक का नाम (मीटरों में)	निर्माता का नाम संभिप्त रूप रेखा कि क्या
-----------------------	--	--

1	2	3	4	5	6
1. बैन दि बेक्स केम-भाग I	597.10	मैसर्स कृष्णा स्वामी एसोसियेशन लिमिटेड, 11, महात्मा गांधी रोड, शास्त्री भाग, मद्रास—600041।	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और 'डाकुमेंट्री' फिल्म के रूप में वर्गीकृत।		
2. आई हैब अराइव्हड	3900	श्रीमती राज ओबराय स्वर्गीय श्री अमृत 13 शान्ता स्मृति, ओबराय, 13 शान्ता बीरा देसाई रोड, स्मृति बीरा देसाई रोड, रूप में वर्गीकृत। अन्धेरी (पश्चिम) अन्धेरी बम्बई—58 बम्बई—58	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वी- कृत और डाकुमेंट्री फिल्म के रूप में वर्गीकृत।		
3. फीयरलैस	255.09	श्रीमती राज ओबराय, स्वर्गीय श्री अमृत 13 शान्ता स्मृति, ओबराय, 13 शान्ता बीरा देसाई रोड, अन्धेरी स्मृति बीरा देसाई (पश्चिम) बम्बई 58 रोड, अन्धेरी बम्बई— 58	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वी- कृत और डाकुमेंट्री फिल्म के रूप में वर्गीकृत।		
4. इनटिग्रेटेड चाइल्ड डब्ले- प्मेन्ट सर्विसिस	252.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई—26	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और सामाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।		
5. सामाचार पत्रिका सं. 79	341.00	—उद्देश—	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा "सामाचार और सामयिक घटनाओं" की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।		

1	2	3	4	5	6
6.	आश्रम शाला	283.00	सूचना और जनसम्पर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार फ़िल्म सेंटर, 68 तार देव रोड, बम्बई—34	महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और 'डाकुमेंट्री' फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
7.	महिति चित्र सं. 458	487.68	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनार्थ शोध लेबोरेट्री लि. 77, डा. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, बम्बई—18	गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा "समाचार तथा सामयिक घटनाओं की फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
8.	महाराष्ट्र समाचार सं. 416	288.00	सूचना और जनसम्पर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फ़िल्म सेंटर, 68 तारदेव रोड, बम्बई—34	महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और "समाचार और सामयिक घटनाओं" की फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
9.	फोरमिडेल फ़न्टीयर	374.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फ़िल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई—400026.	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा डाकुमेंट्री फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
10.	इपीलिप्से	304.00	—तदैव—	—तदैव—	
11.	महिति चित्र सं. 459	228.60	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनार्थ शोध लेबोरेट्री लि. 77, डा. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, बम्बई—400018	गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
12.	नदी फ़िल्म अवार्ड्स	423.15	आनंद प्रदेश राज्य फ़िल्म विकास निगम लि. 11-5-423/1, जफरबाग, लकड़ी का पुल, हैदराबाद—4	आनंद प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और 'डाकुमेंट्री' फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
13.	नेशनल प्रूथ फोल्क फ़ैस्टिवल	357.00	—तदैव—	—तदैव—	
14.	मैथिली शरण गुप्त	600.00	मुख्य प्रोड्यूसर फ़िल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई—400026	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और "डाकुमेंट्री" फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
15.	सामाचार पत्रिका सं. 81	286.00	—तदैव—	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	
16.	प्रगति धारा	580.30	—तदैव—	—तदैव—	
17.	समाचार पत्रिका सं. 80 ए	246.00	—तदैव—	—तदैव—	
18.	समाचार पत्रिका सं. 80	573.00	—तदैव—	—तदैव—	
19.	महिति चित्र सं. 460	298.70	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनार्थ शोध, लैबोरेट्री लि., 77, डा. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, बम्बई—400018	गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फ़िल्म के रूप में वर्गीकृत।	

1	2	3	4	5	6
20.	दाई की सेवा	74.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग 24 पैडर रोड, बम्बई—400026	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाकुमेंट्री फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
21.	अंतर रखने के लिए	70.00	—तदैव—	—तदैव—	
22.	बिहार समाचार चित्र 38	70.00	श्री ज्ञा, फिल्म निर्माण सूचना और जनसम्पर्क बिहार सर्किट में सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।		
23.	महिति चित्र सं. 461	263.96	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनाड शोध लेबोरेट्री लि., 77, डा. एनी बेसेट रोड, वर्ली, बम्बई—18	गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और “समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
24.	महाराष्ट्र समाचार सं. 417	253.00	सूचना और जनसम्पर्क महानिदेशालय महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68, तारदेव रोड, बम्बई—34	महाराष्ट्र सर्किट के प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
25.	समाचार पत्रिका सं. 87	281.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
26.	समाचार पत्रिका सं. 86	265.00	—तदैव—	—तदैव—	
27.	समाचार पत्रिका सं. 84		—तदैव—	—तदैव—	
28.	समाचार पत्रिका सं. 83	497.00	—तदैव—	—तदैव—	
29.	दि गांडन	145.00	—तदैव—	—तदैव—	
30.	फ्लेम बैट मैटर्स	593.75	सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार फिल्म सेंटर, तारदेव रोड, बम्बई-34	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और “डाकुमेंट्री फिल्म” के रूप में वर्गीकृत।	
31.	मेरा देश हिन्दुस्तान	300.23	एस.एस. ओवराय, कला वाणिज्यिक विज्ञापन 301, मनीष वाणिज्यिक सेन्टर, 216, डा. एनी बेसेट रोड, वर्ली बम्बई-25	—तदैव—	
32.	महिति चित्र सं.	298.70	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनाड शोध लेबोरेट्री लि. 77, डा. एनी बेसेट रोड, वर्ली, बम्बई-18	गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	

1	2	3	4	5	6
33.	भमंगस्ट फरेन्डस	102.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड बम्बई-26	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और "डाकुमेटो" फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
34.	हिंज नीड	62.00	—तदैव—	—तदैव—	
35.	मेस्ट्रीज औडवाईस	92.00	—तदैव—	—तदैव—	
36.	समाचार पत्रिका सं. 88 ए	273.00	—तदैव—	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
37.	समाचार पत्रिका सं. 88	443.00	—तदैव—	—तदैव—	
38.	इन्डो तिक्ष्ण्यन बार्डर पुलिस	573.33	—तदैव—	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाकुमेट्री फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
39.	महाकुंभ हरद्वार 1986	515.10	सूचना और जनसंपर्क महानिवेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार, सूचना भवन, लखनऊ	—तदैव—	
40.	वन का विकास	335.28	श्री कान्ति नायक, तस्वीर केन्द्र, 11/33, छोटा ब्रिज, गुजरात राज्य नियामक	गुजरात संकिट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
41.	महिति चित्र सं. 464	289.56	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनार्द शोध लेबोरेट्री लि. ७७, डा. ऐनी बेस्ट रोड, वल्फ बम्बई-१८	—तदैव—	
42.	महाराष्ट्र समाचार सं. 418	274.00	सूचना और जनसंपर्क महानिवेशालय, महाराष्ट्र सरकार फिल्म सेंटर, ६८ तारंवेव रोड, बम्बई-३४	महाराष्ट्र संकिट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और "समाचार और सामयिक घटनाओं" की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
43.	समाचार पत्रिका सं. 90	535.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और "समाचार और सामयिक घटनाओं" की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
44.	महिति चित्र सं. 465	327.05	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, राम नार्द अनुसंधान लेबोरेट्री लि., ७७ डा. ऐनी बेस्ट रोड, बम्बई-१८	गुजरात संकिट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
45.	समाचार पत्रिका सं. 91	575.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग 24 पैडर रोड, बम्बई-26	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	

1	2	3	4	5	6
46.	रिकरिंग डिपोजिट स्कीम	48. 16	श्री के० के० कपिल, 133 जूहप्रभात, न्यू. डी. एन. नगर, बम्बई—58	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाकुमेंट्री फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
47.	सामाजिक सुरक्षा प्रमाण पत्र	61. 57	—तर्दव—	—तर्दव—	
48.	महिति चित्र नं. 466	320. 04	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनाई शोध लेबोरेट्री, लि. 77, डा. एनी बैंसेट रोड, बर्ली बम्बई—18	गुजरात स्किट में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
49.	समाचार पत्रिका सं. 92	410.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पेडर रोड, बम्बई—26	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	
50.	आवृत्तिक भारत और तत्त्वदृन्य संस	602. 58	सूचना और जनसंपर्क महानिवेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेटर, 68 तारदेव रोड, बम्बई—34	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाकुमेंट्री फिल्म के रूप में वर्गीकृत।	

[फ. सं. 315/2/86-एफ. (पी.)]
टी० एस० नेगी, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 25th September, 1987

ORDER

S.O.2865.—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the first Schedule to the Order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated 2nd December, 1966 the Central Government after considering recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of the applicant	Name of the producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purpose or a film dealing with news & current events or documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	When the waves came Part I	597.10	M/s Krishnaswamy Associates Ltd., 11, Mahatma Gandhi Road, Shastri Nagar, Madras-600 041		Approved for general release and classified as "Documentary".
2.	I have arrived	390	Mrs. Raj Oberoy, 13, Shanta Smriti, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.	Late Mr. Amit Oberoy 13, Shanta Smriti Veera Desai Road, Andheri, Bombay-58.	Approved for general release and classified as Documentary
3.	Fearless	255.09	—do—	—do—	—do—
4.	Integrated child development services.	252.00	The Chief Producer, Films Division, 24, Peddar Road, Bombay-26.		Approved for general release and classified as "Documentary."
5.	News Magazine No. 79	341.00	—do—		Approved for general release and classified as "News and Current"
6.	Ashram Shala	283.00	Dir. Gen. of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68, Tardeo Road, Bombay-34		Approved for release in Maharashtra Circuit and classified as "Documentary".

1	2	3	4	5	6
7.	Mahitichitra No. 458	487.68	Asstt. Dir. of Information Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd. 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18	Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".	
8.	Maharashtra News No. 416	288.00	Dir. Gen. of Information and Public Relations Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68 Tardeo Road, Bombay-34	Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".	
9.	Formidable Frontier	374.00	The Chief Producer, Films Division, 24, Peddar Road, Bombay-400 026	Approved for general release and classified as "Documentary".	
10.	Epilepsy	304.00	—do—	—do—	
11.	Mahitichitra No. 459	228.60	Asstt. Dir. of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18	Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".	
12.	Nandi Film Awards 85	423.15	Andhra Pradesh State Film Development Corporation Ltd. 11-5-423/1 Zafarbagh, Lakdi Ka Pukur, Hyderabad-4.	Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as "Documentary".	
13.	National Youth Folk Festival	357.00	—do—	—do—	
14.	Maithili Sharan Gupt	600.00	The Chief Producer, Films Division, 24, Peddar Road, Bombay-400 026.	Approved for general release and classified as "documentary".	
15.	News Magazine No. 81	286.00	—do—	Approved for general release and classified as "News and Current Events".	
16.	Pragatir Dhara (Rhythm of Progress)	580.39	—do—	—do—	
17.	News Magazine No. 80-A	246.00	—do—	—do—	
18.	News Magazine No. 80	573.00	—do—	—do—	
19.	Mahitichitra No. 460	298.70	Asstt. Dir. of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.	Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".	
20.	Dai Ki Saikh	74.00	The Chief Producer, Films Division 24, Peddar Road, Bombay-400 026.	Approved for general release and classified as "Documentary".	
21.	Antar Rakhneke Liye	70.00	—do—	—do—	
22.	Bihar Samachar Chitra 38	70.00	Shri Jha, Film Production Officer, Information & Public Relations Deptt., Govt. of Bihar, Patna-1.	Approved for release in Bihar circuit and classified as "News and Current Events".	
23.	Mahitichitra No. 461	263.96	Asstt. Dir. of Information Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.	Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".	
24.	Maharashtra News No. 417	253.00	Dir. Gen. of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68, Tardeo Road, Bombay-34.	Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".	
25.	News Magazine No. 87	281.00	The Chief Producer, Films Division 24, Peddar Road, Bombay-26.	Approved for general release and classified as "News and Current Events".	
26.	News Magazine No. 86	265.00	—do—	—do—	
27.	—do— No. 84		—do—	—do—	
28.	News Magazine No. 83	497.00	—do—	—do—	
29.	The Garden	145.00	—do—	—do—	
30.	Flame that matters	593.75	Dir. Gen. of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Center, 68 Tardeo Road, Bombay-34.	Approved for general release and classified as "Documentary".	
31.	Mera Desh Hindustan	300.23	Shri S.S. Oberoi, Art Commercia Advt. 301, Manish Commercia Centre, 216 Dr. Anne Besant Road, Worli, Bombay-25.	—do—	

1	2	3	4	5	6
32.	Mahitichitra No. 463	298.70	Asstt. Dir. of Information Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd. 77 Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18		Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".
33.	Amongst Friends	102.00	The Chief Producer, Films Division, 24, Peddar Road, Bombay-26.		Approved for general release and classified as "Documentary".
34.	His Need	62.00	-do-		-do-
35.	Maistry's Advice	92.00	-do-		-do-
36.	News Magazine No. 88-A	273.00	-do-		Approved for general release and classified as "News and Current Events".
37.	News Magazine No. 88	443.00	-do-		-do-
38.	Indo Tibetan Border Police	573.33	-do-		Approved for general release and classified as "Documentary".
39.	Maha Kumbh Hardwar 1986	515.10	The Directorate of Information & Public Relations, Government of Uttar Pradesh, Soochna Bhavan, Lucknow.		-do-
40.	Van Vikas	335.28	Shri Kanti Naik, Tasveer Kendra, 11/33, Chawta Bridge Gujarat Rajya Mahiti, Niyamak		Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".
41.	Mahitichitra No. 464	289.56	Assistant Director of Information, Government of Gujarat, Ramnord Research Laboratory Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.		-do-
42.	Maharashtra News No. 418	274.00	Director General of Information & Public Relations, Government of Maharashtra, Film Centre, 68 Tardeo Road, Bombay-34.		Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News and Current Events".
43.	News Magazine No. 90	535.00	The Chief Producer, Films Division, 24, Peddar Road, Bombay-26.		Approved for general release and classified as "News and Current Events".
44.	Mahitichitra No. 465	327.05	Assistant Director of Information, Government of Gujarat, Ramnord Research Laboratory Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Bombay-18		Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".
45.	News Magazine No. 91	575.00	The Chief Producer, Films Division, 24 Peddar Road, Bombay-26		Approved for general release and classified as "News and Current Events".
46.	Recurring Deposit Scheme	48.16	Shri K.K. Kapil, 133 Juhu Prabhat, New D.N. Nagar, Bombay-58.		Approved for general release and classified as "Documentary".
47.	Social Security Certificate	61.57	-do-		-do-
48.	Mahitichitra No. 466	320.04	Asst. Director of Information, Government of Gujarat, Ramnord Research Laboratory Ltd. 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".
49.	News Magazine No. 92	410.00	The Chief Producer, Films Division, 24, Peddar Road, Bombay-26.		Approved for general release and classified as "News and Current Events".
50.	Adhunik Bharat Tatwadnya Sant	602.58	Director General of Information & Public Relations, Government of Maharashtra, Film Centre, 68, Tardeo Road, Bombay-34.		Approved for general release and classified as "Documentary".

अमर शशालय

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1987

का. आ. 2866 :—पत्र: मैसर्स सूपीन लेन्डरीज प्रा. सि., 159-सी.एम.टी. रोड, कलीना, साम्ताकज (ईस्ट) अम्बई-400098 (इसके आगे जहाँ भी उक्त स्थापना शब्द का प्रयोग हो इससे अभिप्राय उक्त स्थापना से है) मेर कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीण उपचंद्र अधिनियम, 1952 (1952 का 19) इसके आगे उक्त अधिनियम के नाम से निविष्ट की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) के अंतर्गत सूट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्र सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिए सैयार किए गए भविष्य निधि नियमों में अंशदान की दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर से कम नहीं है तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि लाभ उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (इसके आगे जहाँ कहीं भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उससे अभिप्राय उक्त स्कीम से है) में उल्लिखित लाभों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है जो इस बांग की स्थापनाओं में कार्यरक कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खंड (क) द्वारा प्रदत्त एकितयों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में वर्णित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपचंद्रों के लागू होने से छूट प्रदान करसी है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना से सम्बन्धित नियोक्ता केन्द्र सरकार के द्वारा समय समय पर दिए गए निदेश के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) में उल्लिखित निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न-छूट प्राप्त स्थापनाओं के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन सूचित उक्त स्कीम के अंतर्गत देय अंशदान की दर से स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अन्तर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेशेगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना की स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 से कम हितकर नहीं होगी।

4. उक्त स्कीम में कोई भी संशोधन की स्थापना के वर्तमान नियमों से अधिक लाभकारी है उन पर अपने आप लागू किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में योद्धा भी संशोधन, धोकीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति के बंगेर नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन

से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावी होने की सम्भावना है वहाँ अपनी अनुमति देने से पूर्व, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना को छूट न दी जाती तो वे सभी कर्मचारी (जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2(च) में निरिचित किया गया है) जो सदस्य बनने के पास होते, सदस्य बनाए जाएंगे।

6. जहाँ एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट-प्राप्त स्थापना का पहले से सदस्य है, वो अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाता है है तो नियोक्ता उसे निधि का तुश्ल भद्दग्य बनाएगा और ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोक्ता के पास भविष्य निधि भेजे में संबंधों को अंतरित कराने और उसके लिए में जमा कराने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा अधिकार केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी मामला हो, गमय समय पर दिए गए निवेशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोक्ता न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बातों के होते हुए भविष्य निधि में आय के उचित लेखों और भविष्य निधि से अदायगियों और उनकी अभिरक्षा में शेयरों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार बैठक करेंगे और केन्द्र सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए मार्ग निवेशों के अनुसार कार्य करेंगे। केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिकार होगा कि वह किसी अन्य योग्य लेखा परीक्षक से खातों को द्वारा लेखा परीक्षा कराए और तेसे पुनः लेखा-परीक्षा के बच्चे नियोक्ता बहन करेगा।

10. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा परीक्षित सुलन-पत्र के साथ लेखापरीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों की एक प्रति विस्तीय वर्ष की समाप्ति के ४ माह के अंदर धेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भविष्य निधि का विनीय वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

11. नियोक्ता प्रतिमाह भविष्य निधि के देय अपने कर्मचारियों के अंशदानों की आगामी माह की 15 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अंतरित कर देगा। अंशदानों की विस्तृत से अदायगी करने के लिए समान परिस्थितियों में नियोक्ता मुक्षामी देने का उसी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

12. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा समय समय दिए गए निवेशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निदेश करेगा। प्रतिमूलिक न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जाएंगी और भारतीय रिजर्व बैंक के जमा नियोक्ता में अनुसूचित बैंक की अभिरक्षा में राशा आएगा।

13. सरकार के नियोक्ता के अनुसार निवेश न करने पर व्यासी बोर्ड अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निविं आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए अधिक प्रभार का उत्तरवापी होगा।

14. व्यासी बोर्ड एक अस्तु-व्यौद्धा रविस्टर तैयार करेगा और व्याज और विमोचन आय को समय पर अस्तु-सुनिश्चित करेगा।

15. अमा किए गए अंशदानों, निकाले गए और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित व्याज को दिखाने के लिए व्यासी बोर्ड विस्तृत लेखे तैयार करेगा।

16. वित्तीय/लेखा वर्ष की समाप्ति के छः माह के अंदर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण आरी करेगा।

17. बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को, वार्षिक लेखा विवरण के स्थान पर पासबुक आरी कर सकता है। ये पास-बुकें कर्मचारियों की अभिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुती-करण पर बोर्ड के द्वारा इन्हें अद्यतन किया जाएगा।

18. लेखा वर्ष के पहले दिन अदि शेष पर प्रत्येक कर्मचारी के लेखे में व्याज उस दर से आमा किया जाएगा जिसका व्यासी बोर्ड निर्णय करे परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

19. यदि व्यासी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित व्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या किसी अन्य कारण से अक्ष आय करने में असमर्थ है तो इस कमी को नियोक्ता पूरा करेगा।

20. नियोक्ता भविष्य निविं की ओरी के कारण, सूट-बूट, अनानत, गबन अथवा किसी अन्य कारण से हुई हानि को पूरा करेगा।

21. नियोक्ता और व्यासी बोर्ड, केन्द्रीय भविष्य निविं आयुक्त को ऐसी विवरणियों प्रस्तुत करेगा जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निविं आयुक्त निर्धारित करें।

22. उक्त स्कीम के पैरा 69 की ओरी पर किसी कर्मचारी को निविं के सदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निविं नियमों में नियोक्ताओं के अंशदानों को जब्त करने की व्यवस्था है तो व्यासी बोर्ड इस प्रकार जब्त की गई राशियों का अलग से लेखा तैयार करेगा और उसे ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोग करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निविं आयुक्त की पूर्ण अनुमति से सुनिश्चित किया गया हो।

23. स्थापना के भविष्य निविं के नियमों में किसी आस के होने पर भी यदि स्थापना के कर्मचारी के सदस्य न रहने पर या उसके अन्य स्थापना में स्थानान्तरण होने पर उसको उपचान और पेशन नियमों के अंतर्गत अदा की जाने वाली नियोक्ता और कर्मचारी की राशि, नियोक्ता और कर्मचारी अंशदान की व्याज सहित उस राशि से कम है जो उसे इस समय प्राप्त होती जब वह उक्त स्कीम का सदस्य होता, तो

नियोक्ता मुआवजे के रूप में या विशेष अंशदान के रूप में राशि का अन्तर बचा करेगा।

24. नियोक्ता, भविष्य निविं के प्रशासन के संबंधित सभी खर्चों जिसमें लेखों के रख-रखाव, रिटर्न प्रस्तुत किए जाने, राशियों का अन्तरण शामिल है, यहून करेगा।

25. स्थापना से संबंधित नियोक्ता निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और प्रत्येक माह की समाप्ति पर 15 दिन के अंदर ऐसे निरीक्षण प्रभार अदा करेगा जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) के अंतर्गत निश्चित करें।

26. नियोक्ता समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निविं के नियमों की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बहुमत की भाषा में अनुशाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगाएगा।

27. “समुचित सरकार” स्थापना की आलू छूट पर और खर्चों लगा सकती है।

28. यदि उक्त अधिनियम के अंतर्गत स्थापना वर्ग जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की दर बढ़ायी जाती है, नियोक्ता भविष्य निविं अंशदान की दर उक्त रूप में बढ़ाएगा, ताकि उक्त अधिनियम के अंतर्गत दिए जाने वाले लाभों से स्थापना की स्कीम के अंतर्गत दिए जाने वाले भविष्य निविं के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त खर्चों में से किसी एक के उल्लंघन पर छूट रह की जा सकती है।

[फा. सं. - एस - 35012/22/87 - एस. एस-2]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 28th September, 1987

S.O. 2866.—Whereas Messrs. Lupin Laboratories Private Limited, 159-C.S.T. Road, Kalina, Santacruz (East) Bombay-400098 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employee therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3) of section 1/ of said Act within 15 days from the close of every month.
2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the un-exempted establishments and the said Scheme framed thereunder.
3. In the matter of advances, the Scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees Provident Fund Scheme, 1952.
4. Any amendment to the said scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. No amendment of the rules of the provident fund of the said establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees of the said establishment, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
5. All employees (as defined in section 2(f) of the said Act) who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not been granted the option shall be enrolled as members.
6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a provident fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enroll him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with his previous employer transferred and credited to his account.
7. The employer shall establish a Board of Trustees for the management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Provident Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.
8. The Provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees' Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the Provident fund and the balances in their custody.
9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or an officer authorised by him.
10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.
11. A copy of the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the close of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.
12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident fund by himself and the employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay damages to the Board of Trustees for any delay in payment of the contributions in the same manner as an unexempted establishment is liable under similar circumstances.
13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a Scheduled Bank under the Credit Control of the Reserve Bank of India.
14. Failure to make the investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.
15. The Board of Trustees shall maintain a script wise register and ensure timely realisation of interest and ensure timely realisation of interest and redemption proceeds.
16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.
17. The Board shall issue an annual statement of account to every employee within six months of the close of financial accounting year.
18. The Board may, instead of the annual statement accounts, issue pass book to every employee. These pass books shall remain in the custody of the employees and will be updated by the Board on presentation by the employees.
19. The account of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such date as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.
20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason than the deficiency shall be made good by the employer.
21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft, burglary, defalcation, misappropriation or any other reason.
22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government/Central Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.
23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employers' contributions in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amounts so forfeited and may utilise the same for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.
24. Notwithstanding anything contained in the rules of the Provident Fund of the establishment if the amount payable to any member upon his ceasing to be an employee of the establishment or transferable to his transfer to any other establishment by way of employer and employees' contribution plus interest thereon taken together with the amount if any payable under the Gratuity or pension rules be less than the amount that would be payable as employer's and employees' contribution plus interest thereon if he were a member of the Provident Fund under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the member as compensation or special contribution.
25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the Provident Fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.
26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended thereto alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The "appropriate Government" may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[F. No. S-35012(22)/87-SS-II]

का.आ. 2867:—यतः मैसर्स जुआरी एंग्रो कैमीकल्स लि., जुआरी नगर, गोया—403726 (इसके आगे जहां भी उक्त स्थापना शब्द का प्रयोग हो इससे अभिप्राय उक्त स्थापना से है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) इसके आगे उक्त अधिनियम के नाम से निषिष्ट की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) के अंतर्गत छूट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्र सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिए तैयार किए गए भविष्य निधि नियमों में अंशदान की दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर से कम नहीं है तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि लाभ उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (इसके आगे जहां कहां भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उससे अभिप्राय उक्त स्कीम से है) में उल्लिखित लाभों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है जो इस वर्ग की स्थापनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में वर्णित मात्राएँ के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के लागू होने से छूट प्रदान करती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना से संबंधित नियोक्ता केन्द्र सरकार के द्वारा समय दिए गए निदेश के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) में उल्लिखित निरीक्षण के लिए सुविधाएँ प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न-छूट प्राप्त स्थापनाओं के संबंध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन सृजित उक्त स्कीम के अंतर्गत देय अंशदान के दर से स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अंतर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेशगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना की स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 से कम हितकर नहीं होगी।

4. उक्त स्कीम में कोई भी संशोधन की स्थापना के बर्तमान नियमों से अधिक लाभकारी है उन पर अपने आप लागू किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमति के बांगर नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावी होने की संभावना है वहां अपनी अनुमति देने से पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना को छूट न दी जाती तो वे सभी कर्मचारी (जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2(ध) में निश्चित किया गया है) जो सदस्य बनने के पाव्र होते सदस्य बनाए जाएंगे।

6. जहां एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट प्राप्त स्थापना का पहले से सदस्य है, को अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाता है तो नियोक्ता उसे निधि का तुरन्त सदस्य बनाएगा और ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोक्ता के पास भविष्य निधि लेखे में संबंधों को अंतरित करने और उसके लेखे में जमा कराने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी भामला हो, समय समय पर दिए गए निदेशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोक्ता न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बातों के होते हुए भविष्य निधि में आय के उचित लेखों और भविष्य निधि के अदायगियों और उनकी अधिकारी में शीर्षों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार शैठक करेंगे और केन्द्र सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए मार्ग निदेशों के अनुसार कार्य करेंगे। केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिकार देगा कि वह किसी अन्य योग्य लेखा परीक्षक से खातों को दुबारा लेखा परीक्षा कराए और ऐसे पुनः लेखा-परीक्षा के शर्च नियोक्ता वहन करेगा।

10. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के साथ लेखापरीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों की एक प्रति वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छ: माह के अंदर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भविष्य निधि का वित्तीय वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

11. मियोक्ता प्रतिमाह भविष्य निधि के देय अपने कर्मचारियों के अंशदानों की आगामी माह की 15 तारीख तक म्यासी बोर्ड को अंतरित कर देगा। अंशदानों की वित्तीय से अदायगी करने के लिए समान परिस्थितियों में नियोक्ता नुकशानी देने का उसी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न-छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

12. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा समय समय दिए गए निदेशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निवेश करेगा। प्रतिदूतियां न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जाएंगी और आरतीय रिजर्व बैंक के जमा नियन्त्रण में अनुमति बैंक की अभिरक्षा में रखा जाएगा।

13. सरकार के निदेशों के अनुसार निवेश न करने पर न्यासी बोर्ड अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए अधिक प्रभार का उत्तरदायी होगा।

14. न्यासी बोर्ड एक वर्तु-व्यौरा रजिस्टर तैयार करेगा और ब्याज और विमोचन आय को समय पर बसूखी सुनिश्चित करेगा।

15. जमा किए गए अंशदानों, निकाते गए और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित ब्याज को दिखाने के लिए न्यासी बोर्ड विस्तृत लेखे तैयार करेगा।

16. वित्तीय/लेखा वर्ष की समाप्ति के छः माह के अंदर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण जारी करेगा।

17. बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण के स्थान पर पासबुक जारी कर सकता है। ये पास-बुकें कर्मचारियों की अभिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुती-करण पर बोर्ड के द्वारा इन्हें अद्यतन किया जाएगा।

18. लेखा वर्ष के पहले दिन आदि शेष पर प्रत्येक कर्मचारी के लेखे में ब्याज उस दर से जमा किया जाएगा जिसका न्यासी बोर्ड निर्णय करे परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

19. यदि न्यासी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित ब्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या है या किसी अन्य कारण से अदा करने में असमर्थ है तो इस कमी को नियोक्ता पूरा करेगा।

20. नियोक्ता भविष्य निधि की चोरी के कारण, लूटबूट, ल्यानत, गधन अथवा किसी अन्य कारण से हुई हानि को पूरा करेगा।

21. नियोक्ता और न्यासी बोर्ड, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्धारित करें।

22. उक्त स्कीम के पैरा 69 की तर्फ पर किसी कर्मचारी को निधि के सदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निधि नियमों में नियोक्ताओं के अंशदानों को जब्त करने की व्यवस्था है तो न्यासी बोर्ड इस प्रकार जब्त की गई राशियों का अलग से लेखा तैयार करेगा और उसे ऐसे प्रयोजनों के सिए उपयोग करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमति से सुनिश्चित किया गया हो।

23. स्थापना के भविष्य निधि के नियमों में किसी बात के होने पर भी यदि स्थापना के कर्मचारी के सदस्य न रहने

पर या उसके अन्य स्थापना में स्थानान्तरण होने पर उसकी उपदान और लेखन नियमों के अंतर्गत अदा की जाने वाली नियोक्ता और कर्मचारी की राशि, नियोक्ता और कर्मचारी अंशदान की व्याज सहित उस राशि से कम है जो उसे इस समय प्राप्त होती जब वह उक्त स्कीम का सदस्य होता, तो नियोक्ता मुआवजे के रूप में या विशेष अंदान के रूप में राशि का अन्तर अदा करेगा।

24. नियोक्ता, भविष्य निधि के प्रशासन से संबंधित सभी खर्चों जिसमें लेखों के रख-रखाव रिटैन प्रस्तुत किए जाने, राशियों का अन्तरण शामिल है, वहां करेगा।

25. स्थापना से संबंधित नियोक्ता निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और प्रत्येक माह की समाप्ति पर 15 दिन के अंदर ऐसी निरीक्षण प्रभार अदा करेगा जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (3) के खंड (क) के अंतर्गत निश्चित करें।

26. नियोक्ता समुचित प्राविकारी द्वारा अनुमोदित निधि नियमों की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बहुमत की भाषा में अनुवाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगाएगा।

27. "समुचित सरकार" स्थापना की चानू छूट पर और शतेर भगा सकती है।

28. यदि उक्त अधिनियम के अंतर्गत स्थापना वर्ग जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की दर बढ़ायी जाती है, नियोक्ता भविष्य निधि अंशदान की दर उचित रूप में बढ़ाएगा, ताकि उक्त अधिनियम के अंतर्गत दिए जाने वाले याभों से स्थापना की स्कीम के अंतर्गत दिए जाने वाले भविष्य निधि के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त शतों में से किसी एक के उल्लंघन पर छूट रद्द की जा सकती है।

[फा. संख्या एम-35012/19/87-एस. एस-2]

S.O. 2867.—Whereas Messrs. Zuari Agro Chemicals Ltd, Zuari Nagar, Goa-403726 (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employee therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (5) of section 17 of said Act within 15 days from the close of every month.

2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the un-exempted establishments and the said scheme framed thereunder.

3. In the matter of advances, the Scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees Provident Fund Scheme, 1952.

4. Any amendment to the said scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. No amendment of the rules of the provident fund of the said establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees of the said establishment, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

5. All employees (as defined in section 2(f) of the said Act) who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not been granted exemption shall be enrolled as members.

6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a provident fund of any other exempted establishment, is employed in his establishment, the employer shall immediately enroll him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with his previous employer transferred and credited to his account.

7. The employer shall establish a board of Trustees for directions as may be given by the Central Provident Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.

8. The Provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the Provident fund and the balances in their custody.

9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or an officer authorised by him.

10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.

11. A copy of the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the close of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.

12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident Fund by himself and the employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay damages to the Board of Trustees for any delay in payment of the contributions in the same manner

as an unexempted establishment is liable under similar circumstances.

13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a Scheduled Bank under the Credit Control of the Reserve Bank of India.

14. Failure to make the investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.

15. The Board of Trustees shall maintain a scriptwise register and ensure timely realisation of interest and redemption proceeds.

16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.

17. The Board shall issue an annual statement of account to every employee within six months of the close of financial accounting year.

18. The Board may, instead of the annual statement accounts, issue pass book to every employee. These pass books shall remain in the custody of the employees and will be up-dated by the Board on presentation by the employees.

19. The account of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such rate as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.

20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason then the deficiency shall be made good by the employer.

21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft, burglary, defalcation, misappropriation or any other reason.

22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.

23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employers' contributions in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amounts so forfeited and may utilise the same for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.

24. Notwithstanding anything contained in the rules of the Provident Fund of the establishment if the amount payable to any member upon his ceasing to be an employee of the establishment or transferable on his transfer to any other establishment by way of employer and employees' contributions plus interest thereon taken together with the amount if any payable under the Gratuity or pension rules be less than the amount that would be payable as employer's and employees' contribution plus interest thereon if he were a member of the Provident Fund under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the member as compensation or special contribution.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the Provident Fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.

26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended thereto alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The "appropriate Government" may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[F. No. S.35012(19)/87-SS.II]

का. आ. 2868:—यहां, मैसर्स मीनरल एक्स्प्रेसन कारपोरेशन लि० भारत सरकार का उपक्रम सेमीनरी हील नागपुर।

(हाके आगे जहां भी उक्त स्थापना शब्द का प्रयोग हो। इसो अधिप्राय उक्त स्थापना से है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीय उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) इसके आगे उक्त अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अन्तर्गत छूट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्र सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिए जैवार किए गए भविष्य निधि नियमों में बंशदान को दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर से कम नहीं है तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि लाभ उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (इसके आगे जहां कहीं भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उससे अधिप्राय उक्त स्कीम से है) में उल्लिखित नाभों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है जो इस वर्ग की स्थापनाओं में कार्यरूप कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पंलग्न अनुमूलियों में वर्णित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के साथ होने से छूट प्रदान करती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना से सम्बन्धित नियोक्ता केन्द्र सरकार के द्वारा समय समय दिए गए निदेश के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) में उल्लिखित नियरक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे नियरक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न-छूट प्राप्त स्थापनाओं के संबंध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन उक्त उक्त स्कीम के अन्तर्गत देय अंशदान के दर से स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अन्तर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना की स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 से कम हितकर नहीं होगी।

4. उक्त स्कीम में कोई भी संशोधन की स्थापना के बर्तनमान नियमों से अधिक जाभकारी है उन पर अपने आप लाग किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन शेवीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुग्रह के बगैर नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावी होने की सम्भावना है वहां अपनी अनुमति देने से पूर्व, शेवीय भविष्य दिधि आयुक्त कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उनित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना को छूट न थी जाती तो वे सभी कर्मचारी (जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2 (च) में निश्चित किया गया है) जो मदरग बनने के पाव द्वारा सदस्य बनाए जाएंगे।

6. जहां एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट-प्राप्त स्थापना का पहले से मदरग है, जो अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाता है तो नियोक्ता उसे निधि का तुरन्त सदस्य बनाएगा और ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोक्ता के पास भविष्य निधि लेखा में संचयों को अंतरित कराने और उसके लेखे में जमा कराने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा यथवा केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी मामला हो, समय समय पर दिए गए निदेशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोक्ता न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बातों के होते हुए भविष्य निधि में आय के उचित लेखों और भविष्य निधि से अदायगियों और उनकी अभिरक्षा में शेयरों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार बैठक करेंगी और केन्द्र सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए मार्ग निदेशों के अनुसार कार्य करेंगे। केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिकार होगा कि वह किसी अन्य थोग्य लेखा परीक्षक से खातों को दुबारा लेखा परीक्षा कराए और ऐसे पुनः लेखा-परीक्षा के बच्चे नियोक्ता बहन करेगा।

10. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के साथ लेखापरीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों की एक प्रति वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छ: माह के अन्दर धेवीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भविष्य निधि का वित्तीय वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

11. नियोक्ता प्रतिमाह भविष्य निधि के देय अपने कर्मचारियों के अंशदानों की आगामी माह की 15 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अंतरित कर देगा। अंशदानों की वित्तम्ब से अदायगी करने के लिए समान परिस्थितियों में नियोक्ता नुकशानी देने का उसी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न-छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

12. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा रामय समय पर दिए गए निवेशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निवेश करेगा। प्रतिभूतियां न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जाएंगी और भारतीय रिजर्व बैंक के जमा नियन्त्रण में अनुमूलित बैंक की अभिरक्षा में रखा जाएगा।

13. सरकार के निवेशों के अनुसार निवेश न करने पर न्यासी बोर्ड अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए अधिक प्रभाव का उत्तरदायी होगा।

14. न्यासी बोर्ड एक बस्तु-ब्यौरा रजिस्टर तैयार करेगा और ब्याज और बिमोचन आय को समय पर वसूली सुनिश्चित करेगा।

15. जमा किए गए अंशदानों, निकाले गए और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित ध्याज को विखाने के लिए न्यासी बोर्ड अस्तृत सेवे तैयार करेगा।

16. विस्तीर्ण/लेखा वर्ष की समाप्ति के 7: माह के अन्दर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरणी जारी करेगा।

17. बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण के स्थान पर पासबुक जारी कर सकता है। ये पास-बुक कर्मचानियों की अभिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुती-करण पर बोर्ड के द्वारा इन्हें अद्यतन किया जाएगा।

18. लेखा वर्ष के पहले दिन आदि शेष पर प्रत्येक कर्मचारी के लेखों में ब्याज उम्म दर से जमा किया जाएगा जिसका न्यासी बोर्ड नियंत्रण करे परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

19. यदि न्यासी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित ध्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या किसी अन्य कारण से अदा करने में असमर्थ है तो इस कमी को नियोक्ता पूरा करेगा।

20. नियोक्ता भविष्य निधि की ज्ञारी के कारण, सूचीसूट व्यापान, गबन अथवा किसी अन्य कारण से हुई हानि को पूरा करेगा।

21. नियोक्ता और न्यासी बोर्ड, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्धारित करे।

22. उक्त स्कीम के पैरा 69 की शैली पर किसी कर्मचारी को निधि के सदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निधि नियमों में नियोक्ताओं के अंशदानों को जब्त करने की व्यवस्था है तो न्यासी बोर्ड इस प्रकार जब्त की गई राशियों का अलग से लेखा तैयार करेगा और उसे ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोग करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति से सुनिश्चित किया गया हो।

23. स्थापना के भविष्य निधि के नियमों में किसी बात के होने पर भी यदि स्थापना के कर्मचारी के सदस्य न रहने पर या उसके अन्य स्थापना में स्थानान्तरण होने पर उसको उपदान और पेंशन नियमों के अन्तर्गत अदा की जाए वाली नियोक्ता और कर्मचारी की राशि, नियोक्ता और कर्मचारी अंशदान की ध्याज सहित उस राशि में कम है जो उसे इस समय प्राप्त होती जब वह उक्त स्कीम का सदस्य होता, तो नियोक्ता मुआवजे के रूप में या विशेष अंशदान के रूप में राशि का अन्तर अदा करेगा।

24. नियोक्ता, भविष्य निधि के प्रशासन में संबंधित सभी खर्चों जिसमें लेखों के रख-रखाव, रिट्टन प्रस्तुत किए जाने, राशियों का अन्तरण शामिल है, वहन करेगा।

25. स्थापना से संबंधित नियोक्ता निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और प्रत्येक माह की समाप्ति पर 15 दिन के अन्दर ऐसे निरीक्षण प्रभार आदा करेगा जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) के अन्तर्गत निश्चित करें।

26. नियोक्ता समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निधि के नियमों की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बृहत की भाषा में अनुवाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगाएगा।

27. "समुचित सरकार" स्थापना की चालू छूट पर और शर्तें लगा सकती है।

28. यदि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत स्थापना वर्ग जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की दर बढ़ायी जाती है, नियोक्ता भविष्य निधि अंशदान की दर उचित रूप में बढ़ाएगा, ताकि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिए जाने वाले लाभों से स्थापना की स्कीम के अन्तर्गत दिए जाने वाले भविष्य निधि के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त शर्तों में से किसी एक के उल्लंघन पर छूट रद्द की जा सकती है।

[का० संदर्भ-एम-35012/20/87.एसएस-2]

S.O. 2868.—Whereas Messrs. Mineral Exploration Corporation Ltd., (A Govt. of India Enterprise) Seminary Hills, Nagpur (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And, whereas, in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees Provident Fund Scheme 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of on the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of said Act within 15 days from the close of every month.
2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the un-exempted establishments and the said Scheme framed thereunder.
3. In the matter of advances, the Scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees Provident Fund Scheme, 1952.
4. Any amendment to the said scheme which is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically. No amendment of the rules of the provident fund of the said establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees of the said establishment, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
5. All employees (as defined in section 2(f) of the said Act) who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not been granted exemption shall be enrolled as members.
6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a provident fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with his previous employer transferred and credited to his account.
7. The employer shall establish a Board of Trustees for management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Provident Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.
8. The Provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the Provident fund and the balance in their custody.
9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or an officer authorised by him.
10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountant annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.
11. A copy of the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the close of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.
12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident fund by himself and the employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay damages to the Board of Trustees for any delay in payment of the contributions in the same manner as an unexempted establishment is liable under similar circumstances.
13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a Scheduled Bank under the Credit Control of the Reserve Bank of India.
14. Failure to make the investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.
15. The Board of Trustees shall maintain a script wise register and ensure timely realisation of interest and ensure timely realisation of interest and redemption proceeds.
16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.
17. The Board shall issue an annual statement of account to every employee within six months of the close of financial accounting year.
18. The Board may, instead of the annual statement accounts, issue pass book to every employee. These pass book shall remain in the custody of the employees and will be updated by the Board on representation by the employees.
19. The account of each employee shall be credited with interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such date as may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.
20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason then the deficiency shall be made good by the employer.
21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft, burglary, defalcation, misappropriation or any other reason.
22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government, Central Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.
23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employers' contributions in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amounts so forfeited and may utilise the same for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.
24. Notwithstanding anything contained in the rules of the Provident Fund of the establishment if the amount payable to any member upon his ceasing to be an employee of the establishment or transferable on his transfer to any other establishment by way of employer and employees' contribution plus interest thereon taken together with the amount if any payable under the Gratuity or pension rules be less than the amount that would be payable as employer's and employees' contribution plus interest thereon if he were a member of the Provident Fund under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the member as compensation or special contribution.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the Provident Fund including the maintenance of accounts, submission of returns, transfer of accumulations.

26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as and when amended thereto alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The "appropriate Government" may lay down any further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled for violation of any of the above conditions.

[F. No. S-35012(20)/87-SS-II]

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1987

का० आ० 2869:—राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री बी० सी० पठनायक के स्थान पर श्री कल्याण राय, कमीशनर एवं सचिव, उड़ीसा सरकार थ्रम एवं रोजगार विभाग को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी, राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के थ्रम मंत्रालय की अधिसूचना मंडला का० आ० 545 (अ) दिनांक 25 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, "(राज्य सरकार द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे भद्र 21 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“श्री कल्याण राय
कमीशनर एवं सचिव,
उड़ीसा सरकार
थ्रम एवं रोजगार विभाग,
भुवनेश्वर।”

[संख्या य०-16012/4/86-एस०-1]

New Delhi, the 29th September, 1987

S.O. 2869.—Whereas the State Government of Orissa has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri Kalyan Ray, Commissioner-cum-Secretary to the Government of Orissa, Labour and Employment Department to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri B. C. Pattnaik;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 545(E), dated the 25th July, 1985, namely:—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Government under clause (d) of section 4)” for the entry against Serial Number 21, the following entry shall be substituted, namely:—

“Shri Kalyan Ray, Commissioner-cum-Secretary to the Government of Orissa, Labour and Employment, Department, Bhubaneswar.”

[No. U-16012/4/86-SS. I]

का० आ० 2870:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा 1 अक्टूबर, 1987 को उस तारीख से रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध हिमाचल प्रदेश राज्य के निम्नलिखित धोन में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

राजस्व ग्राम के अन्तर्गत आने वाले धोन	हृष्ट वस्तु सहसील न०	जिला	
1	2	3	4
1. बरौतीवाला	196	कसौली	सोलन
2. बेटीड़	200	कसौली	सोलन
3. झुरनवाला	201	कसौली	सोलन
4. बामोवाला	197	कसौली	सोलन
5. टिपरा	195	कसौली	सोलन
6. कुलहरीवाला	193	कसौली	सोलन
7. आरमजरी	215	नालागढ़	सोलन
8. कुन्जल	216	नालागढ़	सोलन
9. कटहा	211	नालागढ़	सोलन
10. बादी इन्डस्ट्रियल स्टेट	204	नालागढ़	सोलन
11. सूरज माजरा गुजरान	208	नालागढ़	सोलन
12. सूरज माजरा/लबाना	205	नालागढ़	सोलन
13. बिलानवाली लबाना	207	नालागढ़	सोलन
14. हरीपुर संदोली	206	नालागढ़	सोलन
15. संदोली	199	नालागढ़	सोलन
16. बिलानवाली गुजरान	198	नालागढ़	सोलन
17. जुहू खुदं	209	नालागढ़	सोलन
18. जुहू कलान	210	नालागढ़	सोलन
19. खाकजंगी	203	नालागढ़	सोलन
20. लण्डेवाल	202	नालागढ़	सोलन
21. कल्याणपुर	201	नालागढ़	सोलन

[संख्या एस०-38013/31/87-एस०-1]

S.O. 2870.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st October, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Himachal Pradesh namely:—

Name of Village/Revenue Area	Had Bast No.	Tehsil	District
1. Barotiwalla	196	Kasauli	Solan
2. Bated	200	Kasauli	Solan
3. Buranwalla	201	Kasauli	Solan
4. Damowalla	197	Kasauli	Solan
5. Tipra	195	Kasauli	Solan
6. Kulhariwalla	193	Kasauli	Solan
7. Jhar Majri	215	Nalagarh	Solan
8. Kunjhal	216	Nalagarh	Solan
9. Katha	211	Nalagarh	Solan
10. Baddi Industrial Estate	204	Nalagarh	Solan
11. Saraj Majra Gujran	208	Nalagarh	Solan
12. Saraj Majra/Labana	205	Nalagarh	Solan
13. Billanwali Labana	207	Nalagarh	Solan
14. Haripur Sandoli	206	Nalagarh	Solan
15. Sandoli	199	Nalagarh	Solan
16. Billanwali Gujaran	198	Nalagarh	Solan
17. Juddi Khurd	209	Nalagarh	Solan
18. Juddi Kalan	210	Nalagarh	Solan
19. Chack Jangi	203	Nalagarh	Solan
20. Landewall	202	Nalagarh	Solan
21. Kalyanpur	201	Nalagarh	Solan

[No. S-38013/31/87-SS.I]

New Delhi, the 5th October, 1987

CORRIGENDUM

S.O. 2871.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1933 dated the 16th July, 1987, published in the Gazette of India, Part-II Section 3-Sub-section (ii), dated 25th July, 1987, in serial No. 12 line 1 the brackets and word (Private) shall be deleted.

[No. 35019(20)/87-SS-II]

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1987

का.बा. 2872.—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 की उपधारा (1) और (2) धारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की दूसरी अनुमूली में निर्विविष्ट किसी मामले से संबंधित प्रौद्योगिक विवाद के न्यायमिर्जयन तथा उक्त अधिनियम के अधीन ऐसे अन्य कार्य, जो इसे सांपें जाएं, करने के लिए प्रौद्योगिक न्यायालय गठित करती है जिसका मुख्यालय आसनसोल में होगा और 31 जूलाई, 1987 (पूर्वान्त) से श्री सौ.पी. याय को उच्च न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं. ए-11020/61/82-सी.एल.टी.]

New Delhi, the 5th October, 1987

S.O. 2862 :—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 7 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes Labour Court with headquarters at Asansol

for the adjudication of industrial disputes relating to any matter specified in the Second Schedule to the said Act and for performing such other functions as may be assigned to it under the said Act and appoints Shri G.P. Roy, as the Presiding Officer of that Court, with effect from the 31st July, 1987 (F.N.)

[No. A-11020/61/82-C.L.T.]

का.बा. 2873.—भारत सरकार, श्रम और मतालय की दिनांक 22 जून, 1986 की अधिसूचना संख्या का.बा. 2280 को जिसमें धनबाद में मुख्यालय आला श्रौद्धोगिक अधिकारण संख्या 3 गठित, किया गया था, एवं दूसरा रद्द किया जाता है।

[मं.ए. 11020/61/82-सी.एल.टी.]

S.O. 2873 :—The notification of the Government of India, in the Ministry of Labour No. S.O. 2280, dated the 22nd June, 1968 constituting the Industrial Tribunal No. 3 with headquarters at Dhanbad, is hereby cancelled.

[No. A-11020/61/82-C.L.T.]

का.बा. 2874.—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 की उपधारा (1) और (2) धारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं प्रौद्योगिक अधिकारण गठित करती है जिसका मुख्यालय आसनसोल में होगा तथा 31 जूलाई, 1987 (पूर्वान्त) से श्री सौ.पी. याय को उक्त अधिकारण का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं. ए-11020/61/82-सी.एल.टी.]

प्रकेंद्रीय भौतिक अवयव सचिव

S. O. 2874.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 7A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with headquarters at Asansol and appoints Shri G.P. Roy as the Presiding Officer of that Tribunal, with effect from the forenoon of 31st July, 1987.

[N. A—11020/61/82-C.L.T.]
A.K. BHATTARAI, Under Secy

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर, 1987

का.आ. 2875.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बागरु बाक्साइट खान, इंडियन अल्यूमीनियम कम्पनी लिमिटेड, डाकघर लोहारडागा, जिला रांची के प्रबंध संबंध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23/9/87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th October, 1987

S.O. 2875.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Co. Ltd., P.O. Lohardaga, Distt. Ranchi and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd September, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 349 of 1986

In the matter of Industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Company Limited, P.O. Lohardaga Distt. Ranchi and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri J. P. Singh, Advocate.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 14th September, 1987

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-43012/1/79-D.III (B) dated, the 29th October, 1986.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Co. Ltd., P.O. Lohardaga, Distt. Ranchi in dismissing from service Shri. Manohar Singh Neech, Mechanic w.e.f. 28-4-1979 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?”

The case of the concerned workman Shri Manohar Singh

Neech was employed as a Mechanic in the maintenance department of the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Company Ltd. A chargesheet was submitted against the concerned workman by the management on 6-2-79 for the misconduct punishable under clause 24(B)(g) and clause 24(B)(j) of the Certified Standing Orders applicable to the company. It was alleged that on 4-2-79 at about 8.30 A.M. the concerned workman had stabbed Shri Mahavir Ram Verma with a dagger at the main entrance gate of the maintenance gate near general office. It is further alleged that when Shri Ashok Kumar Dan tried to intervene and dissuade the concerned workman from inflicting injury on the person of Shri Mahavir Ram Verma, Shri Ashok Kumar Dan was also stabbed by the concerned workman. The management took this act of the concerned workman as gross misconduct punishable under clauses mentioned above. The chargesheet was served on the concerned workman and he was called upon to show cause in writing and thereafter the concerned workman duly replied to the chargesheet fully stating the circumstances under which the occurrence took place. The management did not consider the said explanation of the concerned workman to be satisfactory and ordered for a domestic enquiry to be conducted against the concerned workman into the charges. During the course of enquiry the management examined some witnesses. The concerned workman also examined himself. The enquiry officer called several witnesses for the purpose of clarification. The case of the concerned workman as given out in his examination to the chargesheet was fully corroborated in the evidence of the concerned workman, evidence of the management witnesses, defence witness and the witnesses called by the enquiry officer. The report of the enquiry officer was perverse as the enquiry officer did not draw conclusion on the facts admitted by the witnesses. The plea of the concerned workman was that while he was on duty Shri Mahavir Ram Verma and Shri Ashok Kumar Dan along with several others surrounded the concerned workman near the gate and assaulted him. It appeared to the concerned workman that he would be killed by those persons and as such in order to escape from them he took out his Kripa and started welding. The concerned workman escaped from the assailant and took shelter in a room of the general office. By then a mob of about 50 persons gathered in front of the said room and broke open the door. The concerned workman again wielded his dagger and the assailant could not gather courage to assault the concerned workman. The police arrived there also and took the concerned workman to the police station. A case and a counter case was instituted by the police. In the case in which the concerned workman was accused in the criminal case, he was acquitted by the Hon'ble Court in Criminal Revision No. 32/83(R). The concerned workman has been dismissed from service on the basis of the enquiry report submitted by the enquiry officer. The order of his dismissal is a glaring instance of vindictiveness and unfair labour practice. The enquiry officer of the management failed to see that as a Sikh the concerned workman has always to wear Kripa and it has to be used by way of defence. The concerned workman had used the said Kripa in his defence to save his life. The enquiry officer of the management failed to see that the entire dispute was on account of rivalry with the union. The order of dismissal was passed by the management at the instance of the union. The occurrence had taken place on account of Shri Mahavir Ram Verma, General Secretary of the Labour Union and he himself is not a workman of the company. Clause 24(B)(j) of the Standing Order of the company is not attracted as Shri Mahavir Ram Verma is not a workman of the company. Clause 24(B)(g) of the Standing Order is also not attracted on account of the fact that the concerned workman was not in a state of intoxication nor he indulged in any riotous behaviour. The riotous behaviour could be attributed to Shri Mahavir Ram Verma and Shri Ashok Kumar Dan who had collected a mob in order to kill the concerned workman. It is further submitted that the management while considering the report of the enquiry officer did not consider the evidence in respect of the defence taken by the concerned workman. Had the evidence been correctly appreciated, there was no reason to pass an order of dismissal of the concerned workman. On the above facts it has been prayed that the concerned workman be reinstated in his service with effect from 28-4-79 with all consequential benefits.”

The case of the management is that it was reported to the management that on 4-2-79 at about 8.30 A.M. the concerned workman had stabbed Shri Mahavir Ram Verma

with a dagger at the main entrance gate of maintenance garage near the general office and also injured Shri Ashok Kumar Dan Maintenance Helper-III of Maintenance department with a dagger at the same place where Shri Dan intervened and a dagger at the same place where Shri Dan intervening Shri Verma. Thereafter the concerned workman was issued with a chargesheet dated 6-2-79 by the Manager, Bagroo Hill Bauxite Mine and an explanation was called for from him. The alleged acts of the concerned workman attracted the provisions under clause 24(B)(g) and Clause 24(B)(j) of the Certified Standing Orders of the company. The concerned workman submitted his explanation dated 8-2-79 to the chargesheet issued to him. The explanation of the concerned workman was considered by the management and it was not found satisfactory. The management therefore decided to hold a detailed domestic enquiry into the charges framed against the concerned workman. Shri T. D. Sahu, Personnel Superintendent, Mine Works of Indian Aluminium Company Limited was appointed as an enquiry officer. After giving due notice to the concerned workman the enquiry officer held the enquiry into the charges in which the concerned workman fully participated. The management's witnesses and the witnesses summoned by the enquiry officer were examined in presence of the concerned workman. The concerned workman was given full opportunity to cross-examine the management's witnesses and the witnesses summoned by the enquiry officer and the concerned workman availed of the said opportunity. The concerned workman also gave his statement. The enquiry officer held the enquiry in accordance with the principles of natural justice. All reasonable opportunities were given to the concerned workman to defend himself. The enquiry officer had held the enquiry in fair and impartial manner. After completing the enquiry, the enquiry officer submitted his report of enquiry dated 12-3-79 holding the concerned workman guilty of the charges against him. After considering the enquiry report, the proceeding of the domestic enquiry and the evidence records in the enquiry, the Mines Superintendent Bagroo Hill Bauxite Mine who is the competent authority came to the conclusion that it was a fit case in which the concerned workman should be dismissed from service. Before the final order of dismissal of the concerned workman, the Mines Superintendent gave an opportunity by his letter dated 21/23-4-79 to show cause whether there are any extenuating or mitigating circumstances so as to reconsider the decision. The concerned workman submitted his reply dated 26-4-79. The said reply was considered by the Mines Supdt. and he came to the conclusion that there is no mitigating or extenuating circumstances to change his decision. Accordingly he finally decided to dismiss the concerned workman from service and a letter was issued on 28-4-79 to this effect. In the circumstances and facts of the case, the order of dismissal passed by the management was fully justified. The concerned workman was not entitled to any relief.

The management in para-15 and 16 of the W.S. have stated that the concerned workman has not challenged the fairness and validity of the enquiry and only contended that the finding of the enquiry officer are perverse. The management has stated that in view of the above there is no need for the management to examine the enquiry officer to establish that the enquiry was fair proper in accordance with the principles of natural justice. However, the management submitted in the W.S. that if the concerned workman does not admit the proceeding of the domestic enquiry as fair and valid, the Tribunal may decide as a preliminary issue regarding the validity and fairness of the domestic enquiry and in that case the management will examine the enquiry officer. Shri J. P. Singh, learned Advocate appearing on behalf of the concerned workman submitted that he does not dispute about the fairness of the domestic enquiry held into the charges against the concerned workman and prayed that the case be fixed for hearing on merit. In view of the above submission made on behalf of the concerned workman it was held by the order dated 30-4-87 that the domestic enquiry held into the charges against the concerned workman was fair proper and in accordance with the principles of natural justice.

Now the point for determination is whether the management was justified in dismissing the concerned workman from service with effect from 28-4-79. In order to decide the said point it has to be seen whether the management has been able to establish the charge against the concerned workman in the domestic enquiry held against him and whether

the punishment of dismissal of the concerned workman from service was justified.

The management has produced the entire papers in connection with the enquiry proceeding against the concerned workman. They are marked Ext. M-1 to M-22. The concerned workman also produced two documents which have been marked Ext. W-1 to W-2.

Ext. M-5 is the chargesheet dated 6-2-79. It will appear from the said chargesheet that the concerned workman was reported to have stabbed Shri Mahavir Ram Verma with a dagger at the main entrance gate of maintenance carriage near the general office and injured twice Shri Ashok Kumar Dan Maintenance Helper of Maintenance Department with a dagger at the same place when Shri Dan intervened and was dissuading the concerned workman from doing such ghastly act to Shri Verma on 4-2-79 at about 8.30 A.M. The management alleged in the chargesheet that the said acts of the concerned workman constituted gross misconduct under clause 24(B)(g) and clause 24(B)(j) of the Standing Orders applicable to the concerned workman. Ext. M-20 is the certified standing orders of the management applicable to the concerned workman. Clause 24(B)(g) is as follows :—

"Intoxication or riotous behaviour during working hours in the premises of the company or any act subversive to discipline."

Clause 24(B)(j) is as follows :—

"Causing or threatening to cause physical injury to others."

Keeping the said clause and the allegation in the chargesheet in mind we have now to examine the evidence to see whether the charge levelled against the concerned workman have been established or act.

The management examined MW-1 Shri Ashok Kumar Dan, MW-2 Shri Mahavir Ram Verma and MW-3 Shri P. S. Kujur. MW-1 Shri Ashok Kumar Dan is an employee of the management working as helper III in the maintenance department. It was Ashok Kumar Dan who had sent written information to the Mines Superintendent on 4-2-79 regarding the allegation against the concerned workman. The said information has been marked as Ext. 1 by the Enquiry Officer in the Enquiry Proceeding and Ext. M-8 by this Tribunal. It will appear from Ext. M-8 that the allegation was that on 4-2-79 at 8.30 A.M. the concerned workman stabbed Shri Mahavir Ram Verma at the maintenance gate and when Shri Dan dissuaded the concerned workman, the concerned workman stabbed him also twice on his left hand. He has stuck in his evidence before the Enquiry Officer in respect of the facts he had reported by Ext. M-8 to the Mines Superintendent. He has stated that the concerned workman was running after Shri Mahavir Ram Verma and that the concerned workman attacked him with knife when Shri Verma fell near the gate. He has further stated that when he tried to intervene and asked the concerned workman as to why he was doing so the concerned workman told that he would finish Shri Verma and then attacked Shri Dan also. He had stated that the concerned workman was running after Shri Verma and some others were running after the concerned workman. After the incident he had gone to the dispensary where he was examined by the doctor and injury certificate was issued. Shri Dan has stated in his cross-examination that persons who were running after the concerned workman had nothing in their hands. There is nothing in the cross-examination of Shri Dan to undertake that his evidence was false. There was no reason for Shri Dan to denounce falsely against the concerned workman. There does not appear to be any animosity between this witness and the concerned workman. The fact that Shri Dan received kripan injuries inflicted by the concerned workman is almost admitted by the concerned workman himself which I shall discuss later on.

MW-8 Shri Mahavir Ram Verma who was the General Secretary of Chhotanagpur Bauxite Workers Union had received stabbed injuries at the hands of the concerned workman. There is no denial of the facts that the concerned workman had not assaulted Shri Verma with his Kripan on the alleged date, time and place of occurrence. The concerned workman in his statement at page-36 of the enquiry proceedings Ext. M-1 has stated that on 4-2-79 he came to his work place at 8 A.M. and was standing near the power-

house waiting for other workers so that he could start his work. He has stated that at that time Phoso come to him around 8.05 A.M. and told him to return his papers otherwise Shri Mahavir Ram Verma will beat him and that the concerned workman refused to give him the papers saying that it was not with him and thereafter Phoso returned. He has further stated that after about 10 minutes Shri Mahavir Ram Verma, Jada Dan, Radha Phoso and many others came and Shri Verma abusively told him to return the papers which the concerned workman had got written from Phoso. The concerned workman asked Shri Verma not to use filthy language whereupon Shri Verma called upon his men to catch hold of the concerned workman and then all the persons came towards him out of whom 3 persons were on his front to hold him. He has stated that Shri Mahavir Ram Verma caught hold of the concerned workman and thereafter the concerned workman took out his dagger and hence nobody came near him but they started throwing stones. He has further stated that "to save life from the culprits and the ring of the excited people I started making my way by waving my dagger in which they might have got injury." Ext. M-6 dated 8-2-79 is the explanation of the concerned workman to the chargesheet. It will appear from the said explanation that when the people coming along with Shri Verma wanted to catch hold of him he had to take out his Kripa in his self defence and then those persons did not come near him. But they were surrounding him from distance and throwing stones on him. He has stated that when he did not get way to go to his office and Shri Mahavir Ram Verma started stopping his way, the concerned workman in order to make his way and removed Shri Mahavir Ram Verma scuffle in which Mahavir Ram Verma got some scratch from his Kripa and when he could get his way he fled to the office. He has further stated that others also might have received injuries with his Kripa at the time of scuffle when the concerned workman was trying to escape. It is thus clear from the statement of the concerned workman that Shri Mahavir Ram Verma had received the Kripa injuries on his person. At page-62 of Ext. M-1 the concerned workman has stated that Mahavir Ram Verma got injury from his dagger on the right side and Ashok Kumar Dan got the injuries in scuffle. He further stated that he admits that Mahavir Ram Verma and Ashok Kumar Dan got injuries with his dagger but it was at the time when he was trying to make his way for his self defence. I have referred to the relevant statement of the concerned workman himself to show that the injury on Mahavir Ram Verma and Ashok Kumar Dan is admitted to have been inflicted by the concerned workman with his dagger or Kripa. The management has filed true copy of the injury reports of Ashok Kumar Dan and Mahavir Ram Verma marked Ext. M-10 and M-11 respectively. It appears that the doctor who had issued the said injury report were not examined before the enquiry officer. As the fact of the injury with the dagger of the concerned workman was admitted on the person of Mahavir Ram and Ashok Kumar Dan there was no need to examine the doctor and although Ext. M-10 and M-11 cannot be a legal piece of evidence, the fact remained that the causing of injury on the person of Mahavir Ram Verma and Ashok Kumar Dan with the dagger by the concerned workman was admitted by him and non-examination of the doctor who had issued the injury report was not material and necessary in the case.

In this connection I may also mention the evidence of MW-3 Shri P. S. Kujur. Shri Kujur is working as Clerk in the Accounts Department in the Stores Section. He was in his office at about 8.30 A.M. on 4-2-79 when one of his friend Shri Viswanath Minz working in the stores told him that some people were running and then he looked out from the window of his office and saw that Mahavir Verma was lying on the ground and the concerned workman, with a dagger in his hand, was near Shri Verma. He saw the concerned workman stabbing Shri Verma twice. He also saw the concerned workman stabbing Shri A. K. Dan twice. He has been thoroughly cross-examined and there appears to be no reason to disbelieve him. He has corroborated the evidence of the two injured Shri Mahavir Ram Verma and Shri Ashok Kumar Dan.

In view of the evidence discussed above there is no doubt that the concerned workman had stabbed Shri Mahavir Ram Verma and Shri A. K. Dan with his dagger on the alleged date at the alleged time to occurrence.

Having come to the above finding that the concerned workman had stabbed Shri Mahavir Ram Verma and Shri Ashok

Kumar Dan, we have to consider the defence which has been sought to be established by the concerned workman. The defence of the concerned workman was first stated in Ext. M-6 dated 8-2-79 which was an explanation given by the concerned workman to the chargesheet served upon him. It is stated that when the concerned workman had gone to do his duty on 4-2-79 Shri Mahavir Ram Verma along with Jatru Oraon alias Phoso Oraon and about 15 other persons came at about 9.00 A.M. near the power house. Shri Mahavir Ram Verma abused the concerned workman and pointing to Jatru Oraon stated as to what paper the concerned workman had got signed from Jatru Oraon and that the concerned workman should return the same otherwise he will be killed. The concerned workman could not tolerate the abusive word uttered by Shri Verma and hence he told that Shri Verma should not use abusive language whereupon Shri Verma told his man to assault the concerned workman. The person who came along with Shri Verma wanted to surround and catch hold of the concerned workman and under those circumstances the concerned workman had to take out his Kripa in his self defence and thereafter no one came near the concerned workman. However, the men of Shri Verma remained surrounding the concerned workman and pelted stones on him. He has further stated that when he was not getting any way to go to his office being surrounded by the men of Shri Verma and when Mahavir Ram Verma tried to stop the concerned workman from proceeding towards the office, the concerned workman in order to make way for himself had some scuffle with Shri Mahavir Ram Verma in which Shri Mahavir Ram Verma got scratched from the Kripa and some others also may have got some injury with the Kripa at the hands of the concerned workman who was trying to escape from the persons circling him on getting his way the concerned workman fled to his office receiving injuries with the stones being pelted by the persons who were surrounding him. Thus in nutshell the defence of the concerned workman is that he had used his Kripa in his self defence when he was surrounded by Mahavir Ram Verma and his men as he was not getting his way out to escape to the office. The case of the management on the other hand, as stated by Shri Verma is that the management of Bagroo Bauxite Mine had proposed to change shift working of the mine from 3-2-79 and as such he had come to see that his workman were doing the work according to the instructions of the management or not and he remained busy in seeing the same at unloading station and could not go to Bagroo. Shri Verma went to Bagroo on 4-2-79 for the said purpose and went to his union office where Jatru Oraon came to him and reported that the concerned workman had called Jatru Oraon on 3-2-79 at 9.00 A.M. to his house where an outsider was in the house of the concerned workman whom the concerned workman introduced as CID Inspector of Lohardaga. In the presence of the said man the concerned workman asked Jatru Oraon to sign some paper which was already prepared and written. Jatru Oraon was not signing but he was threatened and recorded to sign the same on the threat of a dagger. This matter was reported by Jatru Oraon to Shri Verma and then Jatru Oraon requested Shri Verma to go to the concerned workman and collect the above paper from the concerned workman. Shri Verma sent Jatru Oraon to the concerned workman to collect the paper but the concerned workman denied to hand over the paper. Thereafter Shri Verma went to collect the said paper from the concerned workman near the power house along with Jatru. Shri Verma told the concerned workman to return the paper signed by Jatru Oraon as it was wrong to get his signature under threat upon which the concerned workman told that he did so right by and he would not return back the paper. Mohan Ram Verma demanded in strong word that the concerned workman will have to return the paper whereupon the concerned workman took out his dagger and in order to save himself Shri Verma started running towards the general office and that when he slipped and fell down the concerned workman reached near him and stabbed him thrice on his right shoulder saying that he would finish him. In the meantime Shri A. K. Dan intervened and wanted to save Shri Verma whereupon the concerned workman stabbed Shri A. K. Dan also on his hand. There were some people on duty who saw this occurrence and came running and the concerned workman also started running towards the office and entered the office. The facts stated above have been stated by Shri Verma before the Enquiry Officers. In cross-examination before the Enquiry Officer Shri Verma stated that the concerned workman was running after him and at that time the dagger was in the hand of the concerned workman. Shri Dan as MW-1 before the Enquiry Officer has stated that

the concerned workman was running after Shri Mahavir Ram Verma and when Shri Mahavir Ram Verma fell near the gate the concerned workman attacked him with a knife and when he tried to intervene the concerned workman stabbed him also. He has further stated that when the concerned workman was running towards the office Shri Mahavir Ram Verma and some others were running after the concerned workman. Shri Dan stated in answer to the question put by the concerned workman in his cross-examination that those who were running after the concerned workman had nothing in their hands. MW-2 Shri Verma at page-23 of his statement in Ext. M-1 has stated that he did not know whether any person was running after the concerned workman at the time the concerned workman was running after him. He has further stated that only when he was stabbed some people came running. MW-3 had seen the occurrence from the window of his office when Shri Verma had already fallen down on the ground and the concerned workman was stabbing Shri Verma. He did not notice if anybody was behind the concerned workman at that time. Thus the evidence of these three witnesses do not show that the concerned workman was being chased by Shri Mahavir Ram Verma and his men and that the concerned workman had stabbed Shri Verma and Shri Dan when the concerned workman was trying to escape from the persons encircling him. It is also clear from the evidence of Shri Dan that the persons running behind the concerned workman had no weapon or stone in their hands. The statement of the concerned workman does not show that the persons running behind him had any weapon in their hands. Had these persons who were seen running behind the concerned workman come along with Shri Verma to forcibly take the paper from the concerned workman, it cannot be expected that they would have come empty handed without having any lathi or weapon in their hands. The act that the persons running behind the concerned workman had no weapon in their hand shows that they had not come prepared to assault or kill the concerned workman. It is quite possible that the persons running behind the concerned workman were those persons who came there after seeing Shri Verma being chased by the concerned workman. The manner of injury caused to Shri Verma and Shri Dan as stated by the concerned workman is not at all supported by any of the management witness. As such it is difficult to come to a conclusion that Shri Verma and Shri Dan had received the stabbed injury when the concerned workman was trying to get his way out of the ring of the persons surrounding him and that the said injuries were received by Shri Verma and Shri Dan when the concerned workman was trying to save his life.

The concerned workman examined two defence witnesses, namely, Sonia Oraon and Rupa Gomjo. They are not the witness on the alleged occurrence. Sonia Oraon and Rupa Gomjo have stated about some occurrence of 31st January 1979 which is not of any importance.

The enquiry officer called Jatru Oraon, Ram Pada Mahato, Karimuddin, Viswanath Mini, Daniel Dadol and Bandana in order to clarify some of the facts as their names had transpired in the evidence of management's witnesses No. 1, 2 and 3. The concerned workman was also given full opportunity to cross-examine these witnesses. Nothing has come from the statement of these witnesses who were called by the Enquiry Officer for clarification to show that the version of the concerned workman regarding the manner of injury caused on the person of Shri Verma and Shri Dan was true. Their statements also do not show that the facts stated by the three witnesses examined on behalf of the management were false or unbelievable.

Considering the entire facts, evidence and circumstances of the case into consideration it appears that the defence which was sought to be established by the concerned workman does not find any support from the evidence on the record. I hold, therefore, that the version of the concerned workman that Shri Verma and Shri Dan had received stabbed injuries at his hands while the concerned workman was trying to save his life is not true. It is clear therefore that the concerned workman was an aggressor and had caused the stabbed injuries to Shri Verma and Shri Dan and it is not a case of self defence in which the concerned workman had used his Kripa in order to save his life.

It has been submitted that a criminal case was also started against the concerned workman on the FIR Lodged by Shri

Mahavir Ram Verma. Ext. M-12 is the copy of the FIR which is an admitted document. The case was in respect of the facts which are also the facts in respect of the charge-sheet in the departmental enquiry against the concerned workman. The management has filed the certified copy of the judgement of the trial Court (Ext. M-22) and Appl. Court Ext. M-21 to show that the concerned workman was convicted for stabbing Shri Verma and Shri Dan and that the appeal filed by the concerned workman before the Judicial Commissioner, Ranchi which was dismissed. Ext. W-1 is the judgement of the Criminal Revision No. 32/83 passed by the Hon'ble Patna High Court (R.B) by which the conviction and the sentence of the concerned workman was set aside. Thus it is clear that the concerned workman was finally acquitted in respect of the Criminal case for the assault of Shri Verma and Shri Dan.

On the basis of the acquittal of the concerned workman by the Hon'ble Court, it has been submitted that as the concerned workman has been acquitted by the Hon'ble Court, the concerned workman cannot be dismissed from service on the very allegations of causing injury to Shri Verma and Shri Dan. It has been held in a series of decisions of the Hon'ble Supreme Court and other Hon'ble High Courts that the consideration before the Criminal Court is entirely different from the consideration which has to be made in a domestic enquiry and that the decisions in a criminal case cannot do away with the evidence and finding arrived at in a domestic enquiry. In the above view of the matter I hold that the decision in the Criminal case cannot be a ground for holding in a domestic enquiry that the charge before it has not been established. So far the domestic enquiry is concerned I have already held that the management has been able to establish the charge against the concerned workman that he had stabbed Shri Verma and Shri Dan in the premises of the Bagroo Mine. The act of the concerned workman in stabbing Shri Verma and Shri Dan during the working hours in the premises of the company was an act subversive to discipline and it was also a riotous behaviour on the part of the concerned workman during working hours and as such the management has been able to establish the charge under clause 24(B)(g) of the Standing Orders. I also held that as the concerned workman had caused physical injury to Shri Verma and Shri Dan the said act was a misconduct under clause 24(B)(j) of the Standing Orders of the company Ext. M-20.

It has been submitted that the punishment of dismissal of the concerned workman from service is excessive in the circumstances of the case. In my opinion it is not. It will appear that the concerned workman had stabbed Mahavir Verma and Shri A. K. Dan during office hours in the mines premises and if the injuries caused had been little more deep the persons injuries might have received severe injuries, may even leading to death.

In the result, I hold that the action of the management of Bagroo Bauxite Mine of Indian Aluminium Co. Ltd., P.O. Iohardaga, Distt. Ranchi in dismissing from service Shri Manohar Singh Neech, Mechanic w.e.f. 28-4-1979 is justified and consequently the concerned workman is entitled to no relief.

This is my Award.

J. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-43012/1/79.D.III(B)]

का. आ. 2876—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इंडियन रेयर आर्क्स लिमिटेड, मिनरल विभाग क्यूलोन (केरल) के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण क्यूलोन के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-9-87 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2876—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Quilon as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Rare Earths Limited, Mineral Division, Quilon (Kerala) and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd September, 1987.

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
QUILON

(Dated, this the 16th day of September 1987)

Industrial Dispute No. 14/86

BETWEEN

The Divisional Manager, Indian Rare Earths Ltd., Minerals Division, Beach Road, P.B. No. 38, Quilon.
(By M/s. Menon & Pai, Advocates, Quilon)

AND

The General Secretary, Kerala Minerals Employees Congress (INTUC) Regd. No. 184/79, INTUC Office, Congress Bhavan, Quilon.

(By Sri. V. Sugathan, Advocate, Quilon).

AWARD

As per order No. L. 29011(41)/85-D. III(B) dated 23-9-86 the following issue has been referred for adjudication to this Tribunal by the Government of India.

THE ISSUE

"Is the management of Indian Rare Earths Ltd., Chavara, Quilon District justified in awarding a punishment of ten days suspension to Sri N. Ramabhadran, Chemist vide management's order No. 53/85 dated 25-2-1985? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The punishment in question was awarded by the management after domestic enquiry. As submitted by the management, the validity of the domestic enquiry was tried as a preliminary issue. I have found that there was a proper and valid enquiry as per order dated 11-8-1987. In that order I have stated in detail the facts as stated by the parties which I am extracting below for the purpose of understanding the rival contentions advanced by the parties.

ORDER

3. This reference relates to awarding the punishment of ten days suspension to the worker Sri. Ramabhadran, by the management as per order No. 53/85 dated 25-2-1985.

4. Sri. Ramabhadran was charge sheeted on the allegation that he deliberately neglected to work and disobeyed his instructions of his superior. Further that he abused his superior in vulgar language on 28-11-1984. These acts, according to the management, amounted to misconduct under sub-clauses (1), (13), (16), (28) and (47) of clause 41 of the company's standing orders. The explanation submitted by Sri. Ramabhadran did not find favour with the management and a domestic enquiry was ordered to be conducted by Deputy Manager, Sri. K. Rajendranathan Nair. He conducted a domestic enquiry and found the worker guilty of the misconducts. Accepting this finding, the management awarded punishment of ten days suspension to the worker.

In the claim statement the worker while pleading innocence contended that there was no proper enquiry. Further, the enquiry officer was biased and the enquiry was conducted against all principles of natural justice. It is contended that the memo issued to him on 29-11-1984 contained vague allegations. The petition submitted by the worker on 10-4-84 to the enquiry officer raising some preliminary objections was not accepted by the enquiry officer. Hence it was sent by registered post. But the objections were not considered by the enquiry officer. The enquiry officer proceeded with

the enquiry against all accepted norms and violating all principles of natural justice. The request of the worker to make available the manager of the company for examination was turned down by the enquiry officer. In spite of all these, the worker has proved his innocence and that the disciplinary proceedings were intended to victimise him. According to the worker, the enquiry officer was only a tool in the hands of the manager. The enquiry officer took dual role of prosecutor as well as judge for the management. The further case of the worker is that the enquiry report was not made available to him and that he was not heard before awarding punishment. It is stated that the manager is not competent to issue the memo dated 29-11-1984 and that the manager has suspended him without authority. Further the enquiry officer was not impartial. List of witnesses and documents were not made available to the worker and his request to peruse the originals were also not allowed. The enquiry was proceed in consultation with the manager who issued the alleged memo and that the enquiry was not impartial. It is the case of the worker that the enquiry proceedings were written by a third person which is prima facie illegal. According to the worker, the report of the Quality Control Officer ('QCO' for short) is a cooked up document and even before receipt of the alleged report the manager has decided to initiate proceedings against the worker which shows that the proceedings are intended to victimise him. The testimonies of witnesses of the worker were disbelieved without any reason. It is further stated that the management is victimising the worker for preferring an original petition against the management before the High Court in respect of his service conditions.

6. In answer to the above contentions the management stated in its counter that on 28-11-1984 Sri. Ramabhadran while on duty neglected to work in respect of the analysis to find out T102 in Zircon and Silliminite produced during the third shift on 27-11-1984. On 28-11-1984 at 11.30 A.M. he reported that standard Titanium Dioxide solution has exhausted. His superior, the QCO, instructed him to carry out and complete the work, since there was enough time for preparing the solution during the shift itself. But, he disobeyed the instructions of the QCO and at 3.55 P.M. on that day he went to the QCO and abused him in vulgar language, passed highly offensive remarks and threatened him. These acts of Sri. Ramabhadran amounted to serious misconducts as per the standing orders of the company and a memo was issued to him. His explanation was found unsatisfactory and he was charge sheeted by memo dated 16-12-1984. An enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice. He was afforded all opportunities to defend his case and he participated in the enquiry throughout with the assistance of one of his co-workers of his own choice. All the witnesses examined on behalf of the management were cross-examined on behalf of the worker. Sri. Ramabhadran also examined his own witnesses at the enquiry. The enquiry officer was impartial and unbiased. The misconducts proved against Sri. Ramabhadran was so grave. But taking a lenient view, the management has decided to give him a lesser punishment of suspension for ten days. According to the management the punishment of ten days suspension is legal and justified. As stated by Sri. Ramabhadran, no petition was submitted to the enquiry officer on 10-12-1984. He participated in the enquiry on that day and the proceedings had been truly and correctly recorded by the enquiry officer Sri. Ramabhadran has put his signature on every page of the enquiry proceedings. On 11-12-1984 the enquiry officer received a petition sent by Sri. Ramabhadran by post. After discussion on 12-12-1984, the enquiry officer has given his ruling on that petition. The enquiry officer was not biased as alleged by the union.

7. The further case of the management is that the enquiry was conducted complying with all principles of natural justice. The reasons for refusing the request of Sri. Ramabhadran to summon the manager have been recorded by the enquiry officer in the enquiry proceedings. According to the management, the enquiry officer has no power to summon witnesses in a domestic enquiry. Every opportunity has been afforded to Sri. Ramabhadran to defend his case and be availed all the opportunities. There is no victimisation in initiating disciplinary action as alleged by the union. The charges against the worker were clearly proved in the domestic enquiry. The enquiry officer acted independently and was

never happened to be a tool in the hands of the manager. The competence of the manager to issue a memo has been challenged before the High Court of Kerala by the worker which was dismissed holding that the manager is competent to initiate disciplinary proceedings and place Sri. Ramabhadran under suspension. It is the further case of the management that the names of the witness proposed to be examined in support of the charges were furnished to the worker on 12-12-1984 which is evident from the proceedings of the enquiry on that day. A copy of the report dated 28-11-1984 of the QCO was served on the worker. There is nothing illegal or irregular in the enquiry officer acting as presenting officer also. He had put only clarificatory questions and the enquiry is not vitiated on that ground. The enquiry officer did not question the delinquent worker deliberately before taking evidence. The enquiry officer only ascertained whether the worker received the charge sheet and whether he understood the charge sheet. On the basis of the entire evidence the enquiry officer found that the allegations made against the worker are correct. There is no victimisation in taking disciplinary action against him. The original petition filed by the worker against the management before the High Court has nothing to do with the disciplinary action initiated against him. The punishment was ordered before the original petition was decided. According to the management, there are no grounds to set aside the enquiry proceedings, the findings of the enquiry officer and the punishment.

8. In view of the submission made by the management, the validity of the domestic enquiry was heard by me as a preliminary issue. The enquiry officer was examined as WM1 and the enquiry file was marked as Ext. M1. No other evidence has been adduced by either side. Parties argued the case at length.

9. The question to be resolved is as to whether there was a proper enquiry. The contention advanced on behalf of the worker is that the enquiry proceedings were conducted in strict violation of the principles of natural justice and the enquiry officer was not impartial. According to the union, the memo issued to the worker on 29-11-1984 is vague, the enquiry officer was biased and his findings are perverse. It is further contended that the punishment imposed on Sri Ramabhadran is a case of victimisation. It is clear from the memo dated 29-11-1984 that the misconducts against Sri Ramabhadran has been stated specifically. Therefore the contention of the union that the memo is vague is baseless. At the outset I have to state that as pointed out by the Supreme Court in various decisions the principles of natural justice will depend upon the facts and circumstances of each particular case. Rules of natural justice are flexible and cannot be put on any rigid formula. It is evident from Ext. M1 enquiry file that the workmen was given all opportunities to defend himself. He cross-examined the management witnesses elaborately and examined six witnesses on his side, with the assistance of a co-worker of his own choice. His request to have the assistance of a co-worker Sri Rasheedkhan was also allowed at the enquiry. In these circumstances it cannot be said that the principles of natural justice were violated in any manner.

10. The second objection is that the enquiry officer was not impartial and was biased. The case of the union is that the request of the worker for a copy of the report of QCO and to examine the manager was not heeded to by the enquiry officer and that copies of witness schedule was not served on the worker. It is seen from page 17 of Ext. M1 enquiry file that the report of QCO was read over to Sri Ramabhadran on first day of enquiry i.e. 10-12-1984, orally and copy of it was served on him on 15-12-1984 before the cross-examination of QCO. The first witness of management and other records were made available for verification. The further case of the union is that the endorsement in the report of QCO was not made available to him. On a perusal of the report it can be seen that the endorsement was only to suspend Sri Ramabhadran and to issue memo. It is also evidence from the proceedings dated 15-12-1984 that Sri Ramabhadran did not request for an adjournment and was ready to proceed with the enquiry. It is true that copy of the witness schedule of management witnesses was not served on the worker. But the witnesses proposed to be examined on behalf of the management were made known to the worker on 12-12-1984 itself and these witnesses were present on that day. No pre-

judice cannot therefore said to be caused to the worker for not serving copy or witness schedule or the endorsement on the report of QCO. The contention that the request to examine the manager was not heeded to by the enquiry officer and that he was not impartial and biased has no merit due to the following reasons. The enquiry officer is competent to refuse permission to examine a witness if he bona fide believes that the evidence of that witness is immaterial. The enquiry officer has clearly stated the reasons for turning down the request to examine the manager. The request for examination of the manager was to prove that the manager is not competent to issue a memo dated 29-11-1984 and to suspend him. Further case is that it is victimisation for filing an original petition before the High Court regarding service conditions or Sri. Ramabhadran, against the management. The competency of the manager as stated above has been by the High Court in O.P. No. 1044/84-A against the worker. Further Sri Ramabhadran did not request the manager to make himself available for enquiry. In these circumstances the contention of the union that the enquiry officer was not impartial and biased cannot be accepted. This view is supported by a decision of the Supreme Court in Anand Bazar Pathika Vs. Their employees [1963 (ii) LLJ429]. In that case, a news reporter was dismissed from service after conducting domestic enquiry. The workman in that case wanted to examine the editor of the management to prove his innocence. The enquiry officer did not allow the request on the ground, that the evidence of editor was not material or relevant. The editor was the only witness proposed to be examined by the worker. The Supreme Court, considering the facts involved in that case stated that in a domestic enquiry it is competent to the enquiry officer to refuse to examine a witness if he bona fide comes to the conclusion that the said witness would be irrelevant or immaterial. The court finally held that the enquiry was proper against the workmen. In the light of the conclusion the enquiry officer in the instant case cannot be said to be impartial and biased:

11. The third objection of the union that the enquiry officer acted as a prosecutor and judge for the management which is against natural justice. Further case is that there was no presenting officer for the management and therefore the enquiry is vitiated on that ground. It is true that there was no presenting officer for the management and the questions to the witnesses of the management and the workmen were put by the enquiry officer, for eliciting the facts. But, all witnesses were allowed to be elaborately cross-examined on behalf of the workmen after they had answered the questions asked by the enquiry officer. It is specific to note that the questioning of the enquiry officer was not objected to at any time during the enquiry on behalf of the workman. The learned counsel for the management canvased the attention of this Tribunal to two decisions of the Supreme Court in support of his argument that the enquiry will not be vitiated for the reasons stated above. The first authority cited is the decision in Workmen in B&C Mills Vs. B&C Mills [1970 (i) LLJ26]. In the reported case, a workman was dismissed on the basis of a domestic enquiry conducted by the senior Labour Officer of the company finding him guilty of misconduct. The contention advanced on behalf of the workmen was that the enquiry proceedings were vitiated and violative of principles of natural justice as the senior Labour Officer acted both as Prosecutor and a Judge. In paragraph 15 of the judgment the court held thus :—

"There is no warrant for the criticism levelled by the appellant that the senior labour officer has acted both as the prosecutor and the judge when he recorded the evidence in this case. No doubt there was no officer separately conducting the prosecution on the side of the management; but what the labour officer had done, as evidence by Ext. M9, was to put questions to the witnesses and elicit answer and allow the worker to cross-examine those witnesses. Similarly he has also taken the statements of the worker and asked for clarification from his wherever necessary. Therefore the enquiry proceedings as held by the labour court, have been completely fair and impartial."

The Supreme Court finally held that the labour officer has conducted the proceedings impartially.

The next authority pressed into service is the decision in Munchanjani Electrical and Radio Industries Ltd. Vs. Their workmen, reported in 1973 (i) LLJ 391. In that case Supreme Court had considered almost a similar issue on behalf of the union after they had answered the questions to the witnesses by way of clarification, it could not be said that he had done something that was not fair or proper. The witnesses were allowed to be cross-examined on behalf of the union after they had answered the questions asked by the enquiry officer. The court said that the enquiry was not vitiated. In that case the witnesses had turned hostile. But the principle laid down by the Supreme Court is directly applicable to the facts and circumstances of the instant case.

In the light of the above discussion it could not be said that the enquiry in the present case is vitiated and is against natural justice.

12. The next objection pressed by the union is that the manager had decided to initiate some proceedings against the worker even before getting the report of QCO and present proceedings is therefore intended to victimise him. It is true that QCO has given the report on 29-11-1984 at 8 A.M. and Sri. Ramabhadran was told about his suspension by security officer and prevented him from entering the factory in the morning as inspected by the manager though the office beings at 9 A.M. It is also true that no order of suspension was communicated to him when he reported for duty at 8 A.M. It is seen that there is an endorsement in the report of the QCO by the manager to suspend the worker. The suspension of the worker immediately after getting the report of QCO, communicating the order to the worker directly or informing him the matter through the security officer are only administrative matters. Such actions of manager cannot be said to be intended to victimise the worker. It is further contended on behalf of the union that the present action of the management is a clear case of victimisation for preferring an original petition before the High Court of Kerala against the management with regard to service conditions of Sri. Ramabhadran and that the enquiry officer acted as a tool in the hands of the manager. No evidence is forthcoming to show that the enquiry officer has conducted the enquiry in consultation with the manager as alleged by the union. It is difficult to believe that QCO, on the basis of whose report the disciplinary action has been initiated, acted as a tool in the hands of the manager to foist a case against the worker on the ground of a case filed by the worker before the High Court with regard to service conditions. It is specific to note that the management is a Government owned company and it cannot therefore be believed that the manager would have developed grudge against a workman because he has filed a case against the company. The workmen Sri. Ramabhadran also has no case that the manager has any personal grudge against Sri. Ramabhadran. No explanation is also forthcoming as to why the enquiry officer acted as a tool in the hands of the manager as alleged by the union. As pointed out by the Supreme Court in the decision in Bharat Iron Works Vs. Bhagubhai, reported in 1976 I A.R.I.C. 4, the onus of establishing a plea of victimisation will be upon the person pleading it. The charge of victimisation has to be established by safe and sure evidence. In the instant case it is not established that the management has acted wilfully to victimise Sri. Ramabhadran on the ground of a case filed by him against the management. Hence this contention also fails to the ground.

13. The next aspect to be looked into is whether the findings of the enquiry officer are perverse. According to the learned counsel for the union, the evidence adduced on behalf of the management is insufficient to arrive a conclusion reached by the enquiry officer. Further, the testimonies of Ramabhadran's witnesses, though not cross-examined, was discarded by the enquiry officer. Now, we have to scrutinise the evidence carefully to see whether there is perversity. The case advanced by the union throughout is that Sri. Ramabhadran is innocent and that the management has victimised him. The QCO has given evidence before the enquiry officer which is supported by the evidence of Sri. Muraleedharan Pillai, another chemist. The third witness examined for the management turned hostile. Six witnesses were examined for the workmen. QCO has reported first the matter to the manager. QCO has stated before the

enquiry officer that Sri. Ramabhadran deliberately delayed the preparation of the solution it find out the TiO_2 in Zircon and Sillimanite produced during the third shift on 27-11-1984 and there by disobeyed his instructions to complete the analysis during that shift itself before 4 P.M. The procedure for preparing the standard TiO_2 solution was explained by QCO. He has stated that is unnecessary to heat the chemical Potassium Titanium Oxalate, which is a hydrated salt and by heating, decomposition may cause making it useless. According to QCO, Sri. Ramabhadran has done heating only to delay the work and that he could have used ice or ice water for cooling the heated mixture. He has further stated that the said work could be completed within four hours, and Sri. Muraleedharan Nair completed the work within four hours. Second witness, another chemist also supported the statement QCO regarding the procedure. The enquiry officer has considered the evidence of these two witnesses with the reference of a book on this subject mentioned by Sri. Ramabhadran also viz; Quantitative Inorganic Analysis by Vogel. According to Sri. Ramabhadran the heating of the salt delayed the analysis and also two power failures during that shift. But his own witness, Sri. Radhakrishnan Nair, Electrical Foreman stated that there was only one power failure for ten minutes. Further the enquiry officer has stated in his report that as per the procedure given in the above reference book for the preparation of the solution in question no initial heating of the chemical is mentioned. It is evident from Ext. M1 file that no valid reason was given by Sri. Ramabhadran for not using water or ice to cool heated salt which is said to be the standard procedure. The enquiry officer has come to the conclusion that Sri. Ramabhadran had followed unnecessary and unwanted steps wilfully for the preparation of the solution and caused delay. The enquiry officer has explained the reasons for not accepting the evidence of defence witnesses. The three witness Sri. P. T. Peter, Sri. Chacko Varghese and Sri. Rajan all chemists, stated different times for drying the chemical and their statements do not tally with the statement in the reference book stated above. They have stated 1 1/2-2 hours for drying the chemical which is contrary to the time of one hour stated by Sri. Ramabhadran. The statements of these witnesses are inconsistent and there is nothing improper in disbelieving them by the enquiry officer. The enquiry officer has thus come to the conclusion that Sri. Ramabhadran wilfully neglected to carry out the work entrusted to him by the QCO and thus disobeyed the instructions of the superior. There is nothing wrong or improper in the findings recorded by the enquiry officer.

14. The second charge is that Sri. Ramabhadran abused the QCO in vulgar language and threatened him in his room. QCO has explained the incident before the enquiry officer. It is evident from the statement, of all witnesses that Sri. Ramabhadran went to QCO's room at about 3.55 P.M. and both talked in loud voice. According to QCO, Sri. Ramabhadran has abused him in bad language for questioning the non completion of the analysis. Sri. Muraleedharan Pillai supported the statement of QCO. Nothing has been brought out to disbelieve or discredit the version of these witnesses. The allegation that Sri. Muraleedharan Pillai was not in good terms with Sri. Ramabhadran was also not established. No doubt, the testimonies of defence witness have not been formally cross-examined. But, their evidence has been discussed in detail by the enquiry officer. It is seen that the evidence is highly inconsistent even on the question whether any defence witnesses were present at the time of incident. Three versions have been given by three witnesses. For example according to Sri. P. T. Peter, there was nobody other than QCO and Sri. Ramabhadran in that room at the beginning of the incident and thereafter Sri. Venugopal another witness, came to the room. But according to Sri. Benjamin he was in the QCO's room at that time. The deposition of Sri. Venugopal shows that he has not gone to the QCO's room as stated by Sri. Peter. The other defence witnesses have not stated anything about the second charge. If we are to accept the evidence of the above three witnesses on the ground that they are not formerly challenged, then we have to accept three versions on this point. The depositions of defence witnesses were not trustworthy according to enquiry officer. The enquiry officer has considered the evidence in total and come to his conclusion. The findings of the enquiry officer believing the

management's witnesses and disbelieving the defence witnesses is therefore reasonable and cannot be said to be perverse.

15. The other decisions cited at the bar except those mentioned above, according to me, have no bearing to the facts and circumstances involved in this case.

16. For the foregoing reasons I have no hesitation to hold that the domestic enquiry is proper and fair.

17. The question now remains to be considered is as to whether Sri. Ramabhadran is entitled to any relief in the matter of punishment.

18. The learned counsel for the management would contend that this Tribunal having found the domestic enquiry as proper, has no power or authority to interfere with the punishment awarded by the management. The learned counsel seeks support from some decisions of the Supreme Court on this point. The management contention no longer holds good after the amendment in Sec. 11 of the Industrial Disputes Act 1947 (the Act for short) which came into force on 15-12-1971. Sec. 11-A of the Act gives ample powers to this Tribunal to interfere with the punishment awarded by the management if the circumstances of the case so require. The decisions relied on by the learned counsel are rendered before the amendment in Sec. 11 and therefore have no application here.

19. On behalf of the worker it is contended that the present dispute is not an industrial dispute as contemplated under the Act, since Sri. Ramabhadran is holding a supervisory position drawing a salary of more than Rs. 2,000 and not a workman as defined in the Act. The manager of the company is therefore not competent to take action against Sri. Ramabhadran. The submission on behalf of the workman is that this Tribunal is therefore not having jurisdiction to decide the present dispute. The question of jurisdiction was not raised at any time before the trial begins in this case. It is not open for the party to raise such a contention at this stage. Moreover having given a finding on the basis that this Tribunal has jurisdiction, it is not open for me to go back on that finding at this stage. Further, this contention is devoid of merit in view of the findings of the High Court of Kerala in O.P. No. 1044/84-A regarding the competency of the manager of the company to take action against Sri. Ramabhadran as stated in the order mentioned above. The next contention advanced on behalf of Sri. Ramabhadran is that the certified standing order of the company is not in enforce and that the model standing order is now applicable. Therefore the punishment awarded is illegal as the model standing order does not provide suspension for more than 4 days. The existence of the certified standing order is not seen disputed by the workmen in his statement or during the trial. The management has referred to the certified standing order in their statement filed here on 27-3-1987 itself. It is not shown how the certified standing order has ceased to be enforce. The management has produced a copy of the certified standing order during the course of the trial which I am making as Ext. M2 for convenience of reference. sub-clause 1(d) of clause 42 of Ext. M2 gives power to the management to suspend a workman guilty of misconduct for a period not exceeding 15 days. Therefore this contention also falls to the ground.

20. Now remains the question of punishment. There is nothing to show that the antecedents of Ramabhadran are bad. There is no case for the management that Sri. Ramabhadran has been charge sheeted for misconduct before or after the present one. Further from the circumstances stated by me in the order mentioned above it cannot be said that the action of Sri. Ramabhadran was a pre-planned one. Taking all these circumstances into consideration I feel that a punishment of 5 days suspension would be adequate punishment for the mis-conducts proved against him.

21. In the result I pass an award upholding the findings of guilt against Sri. Ramabhadran and awarding a punishment of 5 days suspension to him. The management will give him the monetary benefits resulting from this award.

APPENDIX

Witness examined on the side of the Management
MW1. Sri K. Rajendranathan Nair.

Documents marked on the side of the Management

Ext. M1 Enquiry proceedings

Ext. M2. Copy of certified standing order of the management company.

Documents marked on the side of the Union :

Ext. W1. Salary certificate of Sri. Ramabhadran.

Ext. W2. Pay slip of Sri. Ramabhadran for the month of November 1984.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

[No. L-29011/41/85-D. III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1987

का. अ. 2877:—औद्योगिक विवाद अधिनियम,

1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इकारा वर्कशाप, मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के प्रबन्ध के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मंडपा 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22 सितम्बर, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th October, 1987

S.O. 2877.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ekra Workshop of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd September, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 45 of 1986

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ekra Workshop of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. S. Bhattacharjee, Authorised Representative of R.C.M.S.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 15th September, 1987

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following

dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(152)/85-D.III(A), dated the 16th January, 1986.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ekra Workshop of M/s. Bharat Coking Coal Limited in retiring their workman, Shri Lakhan Bhuiya, from services from 24-1-1985 was justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

In this case none of the parties have filed their W.S. etc. But they have filed a Joint compromise petition. I heard the parties on the said joint compromise petition. I do find that the terms contained therein are fair and proper and beneficial to both the parties. I, therefore accept the same and pass an Award in terms of the Joint Compromise petition which forms part of the Award as Annexure.

15-9-1987.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012/152/85-D.III(A)]

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

In the matter of Reference No. 45/86

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ekra Workshop of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Kusunda, Dist. Dhanbad

AND

Their Workmen.

JOINT COMPROMISE PETITION OF THE EMPLOYERS AND WORKMEN

1. That the employers and workmen have jointly negotiated the matter directly as covered by the foresaid reference with a view to coming to a mutually acceptable and amicable settlement.

2. That as a result of such direct negotiations, the parties have arrived at a settlement on the following terms :

- (a) That it is agreed that Sri Lakhan Bhuiya, Black Smith Helper of Ekra W/S will be referred to Apex Medical Board for determination of his age. The decision of Medical Board will be binding on both the parties.
- (b) That there will be no claim for the payment of wages for idle period as the dispute stands settle.

In view of the above, the employers and the workmen most respectfully pray that Hon'ble Tribunal may be pleased to dispose of the reference in terms of the joint compromise petition.

(S. S. Bhattacharjee)

Authorised representative of
R.C.M.S.

For and on behalf of workmen.
Dhanbad, Dated,

B. M. LALL,
Dy. Chief Personnel Manager,

P. B. Area

by

Sd/- Illegible
Advocate
12-8-87

For and on behalf of workman,
I. N. SINHA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1987

का. आ. 2828.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नूनीदीह जिल्पुर, कालियरी, मैसर्स इस्को के प्रबन्धताव के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट आंदोलिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंदोलिक अधिकरण संख्या-1, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24 सितम्बर, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 7th October, 1987

S.O. 2878.—In pursuance of Section 17 of the Industrial disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Noonodih Jitpur Colliery of M/s. IISCO and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th September, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 65 of 1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of Noonodih Jitpur Colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. Mohan, Dy. Manager (Personnal).

For the Workmen : Shri Ramjit Singh, Secretary, INNEWA, Jitpur Branch.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, dated, the 11th September, 1987

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012(216)/84-D.III(A) dated, the 22nd September, 1984 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

"Whether the demand of the Secretary, Indian National Coal Mines Engineering Workers' Association, Branch Noonodih Jitpur Colliery, P.O. Bhaga, Dhanbad, for regularisation of S Shri Dukala Teli and Isrle, P. N. 2000 and 2018, respectively, as Mechanical Fitters, Category-IV by the management of Noonodih Jitpur Colliery of M/s. Indian Iron and Steel Company Limited is justified? If so, to what relief are these workmen entitled and from what date?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone

through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-20012(216)/84-D, III(A)]

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference No. 65/84

PARTIES :

Employees in Relation to Management of Noonodih-Jitpur Colliery of M/s. HSCO Ltd. P.O. Jitpur Dhanbad,

AND

Their Workmen.

JOINT PETITION BY EMPLOYERS AND THE UNION REPRESENTING WORKMEN

1. Both the parties, i.e. Employers as well as Union representing the case of the workman hereby humbly pray as follows :

1. That the Central Govt. has referred the matter for adjudication before this H'ble Tribunal vide Order No. L-20012(216)/84-D, III(A) of 22-9-84.
2. That matter of dispute has since been mutually resolved by both the parties.
3. That H'ble Tribunal may give 'No Dispute Award' in the matter for which they shall every pray.

For & on behalf of Employers :

- (1) S. K. Jha, Area Manager
- (2) R. Mitra, Dy. Manager (Pl.)

For & on behalf of Union :

- (1) Ramjit Singh, Secretary, INNEWA, Jitpur Br.
 - (2) N. L. Prasad, President INNEWA, Jitpur Br.
- Part of the Award.

का. आ. 2879.—आंदोलिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भागावन्ध कालयरी, मैसर्स भारत कोःकिंग कॉल लिमिटेड के प्रवन्धनतन्त्र के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण संघ्या-1 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23 सितम्बर, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2879.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of M/s. BCC and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd September, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(i)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 71 of 1984

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited,

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. Prasad, Sr. Personnel Officer.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 11th September, 1987

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012 (258)/84-D, III(A) dated, the 24th September, 1984 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

"Whether the demand of Rashtriya Mazdoor Sangh for reinstatement of Shri Jaichand on permanent rolls retrospectively by the management of Bhagaband Colliery of Bharat Coking Coal Ltd. is justified? If so, to what relief the workman is entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-20012/258/84-D, III(A)]

P. V. SRIDHARAN, Desk Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of Reference No. 71/84

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhagaband Colliery of M/s. BCC Ltd., P.O. Bhagaband, Dhanbad.

AND

Their workman represented by the Secretary, RCMS.

Joint composite petition of the employers & workman

The above mentioned employers and workman beg to submit jointly as follows :

1. That the employers and workman have jointly negotiated the matter directly as covered by the aforesaid reference with a view to coming to a mutually acceptable and amicable settlement.

(2) That as a result of such direct negotiations, the parties have arrived at a settlement on the following terms :

- (a) That Shri Jaichand, Badli Miner/Loader will be treated as permanent Miner/Loader and his continuity of service will be maintained for the purpose of Gratuity only;
- (b) that the idle period will be treated as leave without pay and the case will be treated as finally settled and there is no subsisting dispute;
- (c) that the provisions of Clause (a) & (b) above having been fulfilled, the concerned workman has already been allowed to resume duties by treating him as permanent workman with continuity of service and he has started working in that capacity.

That in view of the above, the employers and the workman most respectfully pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to dispose of the reference in terms of the joint compromise petition.

(Kailash Lala)
Asstt. Secretary,
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh,
For and on behalf of the workman.

Dated : 17-8-1987.

B. M. LAIL,
Dy. Chief Personnel Manager,
Poolkee Balihari Area
For and on behalf of the employers.

Part of the Award.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1987

का० आ० 2880:—भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्रालय की तारीख 3 अप्रैल, 1962 की अधिसूचना संख्या का० आ० 1034 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, कोजीकोड़ में पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हुआ है:

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री ए० वी० हरिहरासन को 3 जून, 1987 (पूर्व-हून) से उक्त श्रम न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[संख्या-एम०-11025/6/82-डी०-१ (प०)]

New Delhi, the 29th September, 1987

S.O. 2880.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court, Kozhikode, constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment No. S.O. 1034 dated the 3rd April, 1962;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri A. V. Haridasan as the Presiding Officer of the said Labour Court, with effect from the 3rd June, 1987 (F.N.).

[No. S-11025/6/82-D.I.(A)]

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1987

आदेश

का० आ० 2881:—भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 24 मई, 1971 की अधिसूचना संख्या का० आ०

2242 के द्वारा गठित श्रम न्यायालय, गुन्टूर के पीठासीन अधिकारी के कायांलय में एक गिरिज हुई है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री ए० वी० कोटेस्वरा राव को उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या-एम०-11020/3/82-डी०-१ (ए)]

New Delhi, the 7th October, 1987

ORDER

S.O. 2881.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court, Guntur constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2242 dated the 24th May, 1971.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri A. V. Koteswara Rao as the Presiding Officer of the said Labour Court.

[No. S-11020/3/82-D.I.(A)]

का० आ० 2882.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि जिक खनन उद्योग में सेवाओं को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 15 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम, के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं औपित किया जाना चाहिए;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (d) के उपखंड (vi) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव में ले: माम की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा औपित करती है।

[संख्या-एम०-11017/9/85-डी०-१ (ए) (i)]

S.O. 2882.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Zinc Mining Industry, which is covered by item 15 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/9/85-D.I.(A)(i)]

का० आ० 2883.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है कि मोरा खनन उद्योग को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 14 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी रेवा औपित किया जाना चाहिए;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (v) के उपखंड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोगितों के लिए तत्काल प्रभाव से छोड़ा मान की कानूनविधि के लिए लाने का उपयोगी समर्थन प्राप्त करती है।

[म. एस. 11017/9/85-दो I(ग) (ii)]
नन्द लाल, अवर सचिव

S.O. 2883.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Lead Mining Industry, which is covered by item 14 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/9/85-D.I(A)(ii)]
NANND LAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1986

का. आ. 2884.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपचान्द अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 1, उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ट्रैड रिप्रेजेन्टेशन आफ दी प्ल. एस. एस. आर इन इंडिया (कलकत्ता शाखा) 7 अलीपुर एवेन्यू कलकत्ता-27 को उक्त अधिनियम के उपचान्दों को आगू करने वाली भारत सरकार के तत्कालीन श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) के भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 उपखंड (ii) दिनांक 21 मई, 1983 में प्रकाशित अधिसूचना गं. का. आ. 2270 दिनांक 4 मई, 1983 को विखंडित करती है।

[संख्या एस. 35025(1)/87-एस.एस.-2]

New Delhi, the 6th October, 1987

S.O. 2884.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 2270 dated 4th May, 1983 published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii) dated 21st May, 1983 applying the provisions of the said Act to M/s. Trade Representation of the USSR in India (Calcutta Branch 7-Alipore Avenue, Calcutta-700027).

[F. No. S-35025/1/87-SS-II]

का. आ. 2885.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपचान्द अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 16 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग) की दिनांक 24 अगस्त, 1984 की अधिसूचना संख्या का आ. 2917 के क्रम में महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा

राज्य एवं संघ जासकीय प्रशासन पालेवेरी के अधीन सभी विभागीय उपक्रमों की जितके कर्मचारी सरकारी नियमों के अधीन अनुसूचित भविष्य निधि और कृष्टम्ब पेंशन के फायदे प्राप्त कर रहे हैं, एक वर्ष के स्थाने उक्त अधिनियम के उपचान्दों के प्रवर्तन से । मित्रस्वर, 1987 से तीन वर्षों की आर अवधि के लिए छूट देती है।

[संख्या एस. 35025(13)/87-एस.एस.-2]

S.O. 2885.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 16 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 2917 dated 24-8-1984, the Central Government hereby exempts all departmental undertakings under the State Governments of Maharashtra, Manipur, Meghalaya, Tripura and the Union Territory Administration of Pondicherry whose employees are in receipt of Provident Fund and Pension benefits as admissible under the Government rules, as a class, from the operation of the provision of the said the Act, for a further period of three years with effect from the 1st September, 1987.

[S-35025/13/87-SS-II]

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1987

का. आ. 2886.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपचान्द अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की उपधारा 17 की उपधारा (4) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हुए, भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 20 जुलाई, 1963 में प्रकाशित अधिसूचना संख्या का. आ. 2016 तारीख 9 जुलाई, 1963 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन मैसर्स डाल्मिया विस्कुट मैन्यूफैक्चरिंग (प्राइवेट) लि. (जो पहले मैसर्स पटियाला विस्कुट मैन्यूफैक्चरिंग के नाम से जाना जाता था) राजपुरा को दी गई छूट रद्द करती है।

[संख्या एस. -35023/1/86-एस.-2]

ए. के. भट्टाराई, अवर सचिव

New Delhi, the 7th October, 1987

S.O. 2886.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (4) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government hereby rescinds the exemption granted to M/s. Dalmia Biscuits Manufacturing (Private) Limited (previously known as M/s Patiala Biscuits Manufacturing (Private) Limited, Rajputia under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Act vide No. S.O. 2016, dated 9th July, 1963 published in the Gazette of India, Part-II, Section 3. Sub-section (ii), dated 20th July, 1963.

[No. S-35023/1/86-SS-II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1987

का. आ. 2887.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 71-इ की उपधारा 1 के अधीन बनाए गए रेल कर्मचारी (नियोजित

के बटे) नियम 1961 के नियम, 1(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय मरकार थम मंत्रालय के संयुक्त मंत्रिय, श्री हीरक घोष को उक्त नियम के तहत अपील मुनोजे के लिए अपील प्राधिकारी के रूप में अधिसूचित करता है।

[म० एम० 66012/3/87-आरबाना]
आरबाना पार्केय, उप सचिव

New Delhi, the 1st October, 1987

S.O. 2887.—In exercise of the power conferred by Rule 4(2) of Railway Servants (Hours of Employment) Rules, 1961 framed under Sub-section 1 of Section 71-E of Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), Central Government hereby notifies Shri Hirak Ghosh, Joint Secretary in the Ministry of Labour as Appellate Authority to hear appeals under the said Rules:

[S-16012/3/87-Fac.]
R. T. PANDEY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 29 मिस्रबार, 1987

का० आ० 2888.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय मरकार भारतीय दूतावास, दोहा में प्रथम मंत्रिय श्री एम० एम० बटीश को मध्यम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन नियोजकों जो उस देश में रोजगार के लिए किसी भारतीय नागरिक की भर्ती के प्रयोजनार्थ जो भारतीय नागरिक नहीं है, को परमिट जानी करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[मैल्या 22020(1)/86-उत्प्रवास-II]
ग० क० टन्डन, उत्प्रवास महासंरक्षक तथा मंत्रिय सचिव

New Delhi, the 29th September, 1987

S.O. 2888.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri S. S. Batish, First Secretary in the Embassy of India, Doha to exercise the powers of competent authority and to issue permits to employers who are not citizens of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

[No. A-22020(1)/86-Emig. III]

A. K. TANDON, Protector Genl. of Emigrants and
Jt. Secy.

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1987

का. आ. 2889.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947) का 14 की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय मरकार विधास प्रोजेक्ट (पावर विंग) चन्डीगढ़ के प्रबंध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुवंश में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय मरकार और औद्योगिक अधिकरण चन्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय मरकार को 21 मिस्रबार 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th October, 1987

S.O. 2889.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government

hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Beas Project (Power Wing) Chandigarh and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st September, 1987.

BEFORE SHRI M. K. BANSAL, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 57/86

PARTIES :

Employers in relation to the management of Beas Construction Board :

AND

Their workmen

APPEARANCES :

For the workmen—Shri Prem Goyal.

For the management—Shri V. K. Sharma,

INDUSTRY : BCB.

STATE : Himachal Pradesh.

AWARD

Dated 14-9-87

Vide Central Govt. gazette notification No. L-42011(9)/82-D.II(B) dated 9th October 1955 the following dispute was referred to this Tribunal for decision under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947. The reference was made as per the orders of the High Court of Himachal Pradesh Shimla and is as under :

1. Whether the action of the Executive Engineer TLSC Division Chandigarh in terminating the services of 24 workmen (as given in the annexure) and ignoring seniority of other workmen working under him in the same trade is justified and legal ? If not, to what relief these workmen are entitled to ?
2. Whether the action of the management of Executive Engineer TLSC Division in not granting revised pay scales w.e.f. 1-1-1978 and annual increments with arrears on the basis of the last pay after re-fixation of pay to the workers at serial No. 1 to 16 (of the list of annexure) is justified ? If not, to what relief the workers are entitled ?
3. Whether the action of the management of Executive Engineer TLSC Division, Chandigarh in not paying other dues i.e. arrears of revised pay etc. to the concerned workmen w.e.f. 1-1-1978 and HRA from the date of their employment free medical allowance, special allowance (conveyance allowance) Electricity concessions w.e.f. 1-4-1980 is justified ? If not to what relief the concerned workmen are entitled to ?

2. The dispute of Durga Dass and 23 other workmen was referred vide the above reference, (list of the workmen is given in annexure 1 attached with this Award). Later on corrigendum dated 16-7-86 was issued according to which the dispute about termination of Ram Chand and 13 others was also referred to this Tribunal list of the workmen is given in Annexure 2 attached with this Award).

3. The claim of the workmen is that they were employed by T. Mate on various dates between 1977 to 1980 by Power Wing of the BCB. That they continued to work up to 31-3-83. That in Feb. 1982 when the workmen were working at Sirhind in Patiala District, notices dated 24-2-1982 were issued by the management on the workmen and the others informing them that their services are no longer required being surplus and they will stand retrenched from 29-3-1982. The Pardhan BSL Project Union Sundernagar took up the matter with the Labour Commissioner. That on 30-3-1982 Madan Mohan Personnel Officer of the management made a statement that the notices of retrenchment was served on certain workmen

which has expired on 29-3-1982 and the workmen still continued to be in the employment. He further stated that as and when retrenchment will take place, the provisions of the Industrial Disputes Act 1947 will be followed. That in view of the above statement, the Union did not press the demand. That on 31-3-1982 the workmen and other co-worker were informed that their services has been terminated from 31-3-82 A.N. The management allegation that on the verbal request of the workmen the termination period of the notices of retrenchment was extended from 29-3-82 to 31-3-1982 workmen alleged that the said order of retrenchment is void as they never agreed to extension of the retrenchment notices. That the same has been passed ignoring the provisions of the Section 23-H of the I.D. Act 1947. It was also alleged by the workmen that they have not been paid wages on the basis of revised grades since 1-1-78. Medical facility and HRA admissible since 1-4-1980 have not been paid to them.

4. The management in their reply alleged that some workmen were employed in Sub Division No. 1 Power Wing of Bilaspur during the year 1977-78. That some were employed in Sub Division No. 2 Power Wing Bilaspur during the year 1977-78, 80. That they remained as such up to the March 1982. That in 1979 some left of their own accord. That some workmen were employed again. That the construction/erection work of 400 KV Dehar Bhiwani Line in the territory of Himachal Pradesh had to be stopped in the year 1980 pending formal approval of H.P. Govt. That due to stoppage of work all worker became surplus. To save the workmen from retrenchment they were shifted to Sirhind, district Patiala where work of BSL Project was going on. That work at Sirhind has completed in Feb. 1982. That workman alongwith other become surplus. That 55 workmen charge T. Mate were working in TISC Sub Division No. 1 and 35 work charge T. Mate in TISC Sub Division No. 2 Bilaspur. That on 24-2-1982 retrenchment notices were issued to all of 90 workmen which included the present applicants also. That some workmen received the notices. Some refused to take them. That copy of the notices were displayed on the Notice Board. Then some of the workmen to creat confusion acknowledge the receipt of the notices only on 4-3-82. That period of notices was to expire on 29-3-1982 but on verbal request the expiry date was extended upto 31-3-1982. The workmen were to get compensation from the cashier. That after expiry of the notices period majority of the workmen accepted compensation. That three workmen viz. Birbal, Giri Chand and Sant Lal have also received the compensation. That other workmen refused to accept the compensation. It was alleged that retrenchment notices are valid. The allegation of the workmen that their juniors were retained were also denied. It was alleged that Madan Mohan did not make any statement before Labour Commissioner. Even otherwise the statement is of no value being against facts. It was further alleged that pay of the workmen was fixed in the revised grade and all benefits were alleged to them as permissible under rules.

5. In support of their respective allegation parties placed affidavits and documents on the file.

6. Under the above reference the first point to be determine is whether order terminating the services of the workmen is justified and legal ? The case of the management is that termination order was served because labour become surplus with them. That the termination order were to expire on 29-3-1982 but at the request of the workmen expiry date was extended to 31-3-1982. This contention of the workmen has being changed on the ground that it is an after thought and misconceived. After going through the file and the evidence I find the above contention of the workmen to be true. It is not disputed that after receipt of termination notices the workmen through Pardhan of their Union took the matter to Regional Labour Commissioner where on 30-3-1982 Shri Madan Mohan Personnel Officer made a statement which is as under :

"Shri Madan Mohan stated that notice of retrenchment was served on certain workmen which has already expired on 29-3-1982, and the workmen continue to be in employment. As and when retrenchment shall took place, the provisions of the Industrial Disputes Act 1947 shall be maticulously followed."

7. This statement made by Shri Madan Mohan before Regional Labour Commissioner is not proved to be wrong it clearly shows that notice period was not extended from 29-3-82 to 31-3-82. If there was extension of notice period from 29-3-82 to 31-3-82 this would have been disclosed by Madan Mohan before Regional Labour Commissioner. Concealing the above fact before Regional Labour Commissioner shows malafide intention of the management and also shows that the date of retrenchment as 29-3-82 given in the notice was not extended to 31-3-1982. It appears that documents have been prepared later on by the management. Under the above it will be held that services of the workmen were terminated without giving proper notice, and termination will be held to be void.

8. Contentions of the management to the fact that statement of Shri Madan Mohan is against the facts so be not relied upon cannot be accepted. Management has not placed affidavit of Madan Mohan on the file to show as to how he was misled in making the above statement. Contention of the management that Madan Mohan statement is of no value because the fact that notice period was extended from 29-3-82 to 31-3-1982 has been proved from the copy of the order placed, also cannot be accepted in the face of the above statement of Madan Mohan which belies the above fact. It is not disputed that workmen had completed 240 days of service. So their services could only be terminated by serving a proper notice which in the present case has not been served. So it is held that termination order is void and effect is workers are entitled to be re-instated with all backwages.

9. As regard point No. 2 & 3, the workmen have not placed on the file any evidence as to what pay they will get and what will be revised grades and what is difference. The workmen has not placed on the file any record to show as to what HRA or Free medical allowance or special allowance or electricity concession are available to them. In written argument it was contended by the workmen that record is with the management. That they have failed to produce the same so it should be deemed that these were not allowed to them. I am of the view that failure of management to produce the record of their own no such presumption can be drawn. If workmen wanted the record to be produced they could summon such record from the management. Had management refused to produce the record as per direction of this Court then a presumption can be drawn. As workmen did not take any step to prove their case, the management was not bound to lead evidence to prove their case. So the other two points covered under the reference are found against the workmen for want of evidence.

10. For the reasons recorded above it is held that termination of services of workmen is void. The workmen are entitled to re-instatement in service from 31-3-1982 with all back wages. So the first point is decided in favour of the workmen and against the management. The other two points are answered against the workmen. The reference is answered accordingly.

Chandigarh,

14-9-87.

M. K. BANSAL, Presiding Officer

[No. L-42011/9/82-D.II(B)]

ANNEXURE—I

List of workmen to whom retrenchment notices have been issued 4-3-1982 with expiry date 29-3-1982.

SL. No.	Name of workman	Father's Name
1.	Durga Dass	Khindu Ram
2.	Lakh Ram	Khilai Ram
3.	Prem Lal	Ram Ditta
4.	Sukh Ram	Palman
5.	Lakha Ram	Saloh Ram
6.	Lekh Ram	Chamaru

Sl. No.	Name of workman	Father's Name
7.	Shanker Dass	Chamaru
8.	Ranjit Singh	Nandu
9.	Daulat Ram	Khusana
10.	Badev Singh	Saju Ram
11.	Jagdish Kumar	Kirpa Ram
12.	Som Datt	Baldev Raj
13.	Shinghasan Singh	Jaggu Singh
14.	Ram Brichh	Katvaru
15.	Rikhi Ram	Lachman
16.	Khursheed Ahmed	Rehman
17.	Rasil Singh	Roshan Lal
18.	Lekh Ram	Dila Ram
19.	Narinder Kumar	Sita Ram
20.	Sant Lal	Shyam Deo
21.	Paras Nath	Chandewati
22.	Bengali Ram	Kalia Ram
23.	Ranjit Singh	Jawahar Lal
24.	Kirpal Singh	Chet Ram

ANNEXURE—II

New Delhi, the 16/17th July, 1986

CORRIGENDUM

In the list of workman contained in the Annexure to the Schedule in this Ministry Order No. L-42011/9/82-D.II(B) dated 9-10-85 add the following names of the workman.

25. Shri Ram Chand son of Shri Gaddi Ram.
26. Shri Birbal son of Gajju.
27. Shri Gori Chand son of Shri Budhu.
28. Shri Lakoo Ram son of Shri Ghambhira.
29. Shri Bija Ram son of Shri Deru Ram.
30. Shri Joginder Singh son of Shri Khindoo.
31. Shri Ram Lal son of Shri Jindu Ram.
32. Shri Nageshwar Gosain son of Shri Brij Ram.
33. Shri Ram Kewel son of Shri Nagina Yadav.
34. Shri Fulsna Parshad son of Shri Mukh Lal.
35. Shri Kant Singh son of Shri Bhagwati Singh.
36. Shri Ram Kumar son of Shri Bhagwan.
37. Shri Mangru Parshad son of Shri Bali Ram.
38. Shri Narratu Ram son of Shri Kanshi Ram.

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1987

का. आ. 2890.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पोस्ट मास्टर जनरल भोपाल के प्रबंधित तंत्र में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अन्वयन में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23 मित्तम्बर 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 7th October, 1987

S.O. 2890.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, is shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of P.M.G. Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd September, 1987.

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/1C(R)(36) of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Post Master General, Posts & Telegraph Division, Bhopal (M.P.)

AND

Their workman, Shri Deep Chand Jain, E.D. Post Master, Basra, Tah. Khorai, District Saugor (M.P.).

APPEARANCES :

For workman—Shri R. C. Srivastava, Advocate.
For management—Shri C. K. Sharma, Advocate.

INDUSTRY : P&T.

DISTRICT : Saugor (M.P.)

AWARD

Dated, the 15th September, 1987

The Central Government in the Ministry of Labour vide Notification No. L-40012(6)/85-D. II(B) dated 19th February, 1986 referred the following dispute, for adjudication :-

"Whether the action of the management of Post and Telegraphs Division, Bhopal (M.P.) in terminating the services of Sri Deep Chand Jain, E.D. Post Master, Basra with effect from 27th December, 1984 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?"

2. Facts relevant for the purpose of this case are that the workman was appointed as Extra Departmental Branch Post Master, Basra (Malthone) on 22nd November, 1978. A charge-sheet was served on the workman on 11th January, 1983 in which it was alleged that workman Shri D. C. Jain accepted a sum of Rs. 300 as illegal gratification from one Shri Ghanshyam Sen in consideration of employing him as an Extra Departmental Delivery Agent. It was further alleged that the said sum was taken in the name of Shri Diwan, Inspector, Khorai and Shri Raj, Mail Overseer Malthone. The enquiry was held and the Enquiry Officer submitted his report on 30th November, 1984. On 22nd December, 1984 his services were terminated.

3. The workman has challenged the domestic enquiry on various grounds and prayed that he be reinstated with full back wages.

4. On the other hand, case of the management is that the workman had in fact bluffed Shri Ghanshyam Sen and he was in fact appointed for a short period and was removed after 1-1/2 months. Shri Ghanshyam Sen made complaint and enquiry was conducted. In the meantime, with the intervention of Shri Brij Kishore Pateria, Ex-Home Minister, the amount was returned. However, domestic enquiry continued and the workman was dismissed from service. During the preliminary enquiry the workman had admitted this fact.

5. The workman besides raising industrial dispute also filed a departmental appeal to the Director of Postal Services, Bhopal. The Appellate Authority discovered certain technical defects and vide its order dated 14th April, 1986 the punishment of dismissal awarded was set aside and de novo enquiry by issuing a fresh charge-sheet was ordered. The plea of the management in such circumstances is that this reference has become infructuous in view of the order of the Directorate General of Postal Services, Bhopal dated 14th April, 1986.

6. In the circumstances I am of the opinion that I need not decide the issues on merit. The workman though had the opportunity has not denied this fact by way of rejoinder or otherwise. Once the punishment order passed against the workman is set aside by a competent authority there remains nothing for this Tribunal to determine the justification of his termination order dated 27th December, 1983.

7. The question arises whether in such circumstances the workman is entitled to any relief from this Tribunal. In this regard the Senior Superintendent of Post Offices, Saugor Division has passed order dated 22nd March, 1982 that in exercise of powers conferred vide Rule 9 of E.D. Agents (Conduct) Rule 1964 the workman has been "put off" from

duty with immediate effect. In view of this order it is not necessary to pass any order regarding relief to the workman at this stage of the case.

8. In the circumstances I am of the opinion that in view of the said order dated 14th April, 1986 of the Director, Postal Services, Bhopal, the reference has become infructuous. The reference is answered accordingly. No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer
[No. L-40012/6/85-D.II(B)]
HARI SINGH, Desk Officer

